NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.I B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 168 लखनऊ, रविवार 08 फरवरी 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

हमारा लक्ष्य मलेशिया के साथ रक्षा व आर्थिक संबंधों को और मजबूत करना है- प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी।

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत मलेशिया के साथ रक्षा एवं सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने तथा आर्थिक और नवोन्मेष के क्षेत्र में साझेदारी को बढ़ाने पर विचार कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को दक्षिणपूर्व एशियाई देश मलेशिया की दो दिवसीय यात्रा पर रवाना हो गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत मलेशिया के साथ रक्षा एवं सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने तथा आर्थिक और नवोन्मेष के क्षेत्र में साझेदारी को बढ़ाने पर विचार

कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को दक्षिणपूर्व एशियाई देश मलेशिया की दो दिवसीय यात्रा पर रवाना हो गए। मोदी ने मलेशिया की यात्रा पर रवाना होने से पहले कहा, ''भारत और मलेशिया के बीच ऐतिहासिक संबंधों में हाल के वर्षों में निरंतर प्रगति हुई है।'

' उन्होंने कहा, ''मैं प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ अपनी चर्चाओं और हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने को लेकर उत्साहित हूं।'' उन्होंने कहा, ''

हमारा लक्ष्य अपने रक्षा और सुरक्षा संबंधों को गहरा करना, अपनी आर्थिक और नवाचार साझेदारी को बढ़ाना तथा नए क्षेत्रों में अपने सहयोग का विस्तार करना है।

योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा के कई नेताओं ने रमाबाई आंबेडकर को श्रद्धांजलि दी

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई प्रमुख नेताओं ने शनिवार को रमाबाई आंबेडकर की जयंती पर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई प्रमुख नेताओं ने शनिवार को रमाबाई आंबेडकर की जयंती पर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी। योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर एक पोस्ट में कहा, ''सेवा, समर्पण और त्याग की प्रतिमूर्ति, नारी चेतना की सशक्त प्रतीक माता रमाबाई आंबेडकर की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।''उन्होंने कहा, ''शिक्षित व जागरूक समाज के निर्माण में उनका योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा।'' भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''महिला सशक्तिकरण की आदर्श प्रतीक एवं सामाजिक समानता की प्रबल पक्षधर माता रमाबाई आंबेडकर की जयंती पर सादर नमन।''चौधरी ने कहा, ''सुशिक्षित एवं सक्षम समाज के निर्माण में उनका अमूल्य योगदान सदैव याद रखा जाएगा।'' उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने आधिकारिक 'एक्स' खाते पर एक पोस्ट में कहा, ''महिला सशक्तिकरण की अग्रदूत, त्याग

एवं अदम्य साहस की प्रतीक माता रमाबाई आंबेडकर जी की जयंती पर उन्हें शत–शत नमन!''मौर्य ने पोस्ट में कहा, ''विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षा, आत्मसम्मान और सामाजिक चेतना के लिए उनका संघर्ष नारी शक्ति और दृढ़ संकल्प की एक प्रेरक मिसाल है।'' उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अपने 'एक्स' खाते पर पोस्ट में कहा, ''महिला सशक्तिकरण की आदर्श प्रतीक, सामाजिक समानता व सद्भाव की प्रबल पक्षधर माता रमाबाई आंबेडकर जी की जयंती पर शत शत नमन।''

मुम्बई के बीएमसी पर 40 साल बाद बीजेपी का राज, ऋतु तावडे बनेंगी नई मेयर शिंदे गुट को डिप्टी पद

एजेंसी।

मुम्बई। बीएमसी चुनावों में महायुति गठबंधन की स्पष्ट जीत के बाद, भाजपा की ऋतु तावड़े मुंबई की अगली मेयर बनने के लिए तैयार हैं, जिससे निगम में पार्टी का 40 साल का इंतजार खत्म हो जाएगा। शिवसेना (शिंदे गुट) के संजय शंकर घाड़ी उप महापौर पद के उम्मीदवार होंगे, और आंकड़ों के आधार पर दोनों की जीत निश्चित मानी जा रही है। बीएमसी चुनावों में महायुति गठबंधन के शानदार प्रदर्शन के बाद भाजपा नेता रितु तावड़े ने महापौर पद के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। तावड़े घाटकोपर के वार्ड 132 से पार्षद हैं और इस सीट से दोबारा चुनी गई हैं। शिवसेना (शिंदे गुट) की नेता संजय शंकर घाड़ी गठबंधन की ओर से उप महापौर पद की उम्मीदवार हैं। उन्होंने भी अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। परिणाम 11 फरवरी को घोषित

किए जाएंगे, लेकिन आंकड़ों से दोनों उम्मीदवारों की आरामदायक जीत का संकेत मिलता है। पार्टी में ऋतु तावड़े नागरिकों के साथ प्रभावी संवाद और स्थानीय नागरिक मुद्दों को सुलझाने की क्षमता के लिए जानी जाती हैं। मराठा समुदाय से होने के बावजूद, ऋतु तावड़े ने गुजराती मतदाताओं के बहुल वार्ड से जीत हासिल की है। भाजपा नेताओं के अनुसार, वह जमीनी स्तर पर सक्रिय रूप से जुड़ी हुई हैं और जनता की शिकायतों का समाधान करने में पूरी तरह सक्षम हैं। ऋतु तावड़े लगातार तीसरी बार घाटकोपर से पार्षद चुनी गई हैं। इससे पहले वह बृहन्मुंबई नगर निगम की शिक्षा समिति की अध्यक्ष रह चुकी हैं और वर्तमान में महाराष्ट्र प्रदेश महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष हैं। ऋतु तावड़े ने कांग्रेस छोड़ने के बाद 2012 में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुईं। महाराष्ट्र भर में नगर निगम चुनाव, जिनमें बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) भी शामिल है, 15 जनवरी को हुए और परिणाम अगले दिन घोषित किए गए। इन चुनावों के नतीजों ने मुंबई नगर निगम में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को मामूली लेकिन स्पष्ट बढ़त दिला दी है। भाजपा–शिवसेना गठबंधन 227 सदस्यीय बीएमसी में सबसे बड़ा गठबंधन बनकर उभरा, जिसने 118 सीटें जीतीं। इससे गठबंधन को बहुमत से चार सीटें अधिक मिल गईं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), जो महायुति गठबंधन का हिस्सा है लेकिन स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रही थी, ने तीन सीटें हासिल कीं। इन सीटों को भी जोड़ दें तो बीएमसी में महायुति की कुल संख्या 121 हो जाती है। विपक्षी दलों में, शिवसेना ने 65 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को 24 सीटें ही मिलीं। राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) को छह सीटें मिलीं, और एनसीपी (शरद पवार गुट) को सिर्फ एक सीट से संतोष करना पड़ा।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आश्वासन, कहा- किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं

एजेंसी।

दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आश्वासन दिया है कि भारत–अमेरिका व्यापार समझौता किसानों के हित में है, जिससे भारतीय बासमती चावल और मसालों के लिए अमेरिकी बाजार खुलेंगे और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। सरकार ने इस समझौते में प्रमुख भारतीय फसलों और डेयरी उत्पादों के हितों की रक्षा को प्राथमिकता दी है।केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को आश्वासन दिया कि सरकार ने अमेरिका–भारत व्यापार समझौते के अंतरिम ढांचे में किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सभी प्रमुख फसलों और दुग्ध उत्पादों की रक्षा की है। शिवराज सिंह चौहान ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस समझौते से भारतीय निर्यात के लिए अमेरिकी बाजार खुलेंगे और उन्होंने कहा कि हमारे बासमती चावल अमेरिका में धूम मचा देंगे।कृषि मंत्री ने पत्रकारों से कहा कि इससे बहुत लाभ होगा। यह भारत के किसानों और जनता के हित में है। हमने सभी

प्रमुख फसलों और दुग्ध उत्पादों की रक्षा की है। दूसरी ओर, किसानों को निर्यात के लिए बाजार मिलेंगे। हमारे बासमती चावल अमेरिका में धूम मचा देंगे। हमारे मसाले वहां जाएंगे। यह किसानों के हित में है। शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में किसानों से बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं।भारत और अमेरिका ने पारस्परिक और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार से संबंधित एक अंतरिम समझौते के लिए एक रूपरेखा की घोषणा की। संयुक्त बयान में कहा गया है कि यह रूपरेखा 13 फरवरी, 2025 को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) वार्ता के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है, जिसमें अतिरिक्त बाजार पहुंच प्रतिबद्धताएं और अधिक लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए समर्थन शामिल होगा। बयान के अनुसार, भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क समाप्त या कम करेगा, जिसमें सूखे अनाज (डीडीजी), पशु आहार के लिए लाल ज्वार, मेवे, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब और स्पिरिट और अन्य उत्पाद शामिल हैं। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी किसानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि घरेलू किसानों के हितों की रक्षा के लिए भारत–अमेरिका व्यापार समझौते में दुग्ध उत्पादों, फलों, सब्जियों, मसालों और अन्य अनाजों को संरक्षित किया गया है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा! बेकाबू ट्रक ने छह यात्रियों को कुचला, मौके पर ही मौत

संवाददाता।

मथुरा। अधिकारियों ने बताया कि तड़के उत्तर प्रदेश के मथुरा के पास यमुना एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने कम से कम छह लोगों को कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। इस घटना में एक और व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर शनिवार तड़के एक हृदयविदारक दुर्घटना हुई। यहाँ एक तेज रफ्तार ट्रक ने बस से उतरकर आराम कर रहे यात्रियों को कुचल दिया, जिससे छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जिसका उपचार अस्पताल में चल रहा है।अधिकारियों ने बताया कि तड़के उत्तर प्रदेश के मथुरा के पास यमुना एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने कम से कम छह लोगों को कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। इस घटना में एक और व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए एक स्थानीय अस्पताल में

भर्ती कराया गया है।यह घटना सुबह करीब 2.45 बजे सुरिर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में माइलस्टोन 88 के पास हुई। शुरुआती रिपोर्टों में दावा किया गया है कि हादसे के समय पीड़ित बस से दिल्ली से कानपुर जा रहे थे। बस ब्रेक के लिए रुकी थी, तभी ट्रक ड्राइवर ने अपने वाहन से कंट्रोल खो दिया और यात्रियों को कुचल दिया।पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया गया। घायल, जिसकी पहचान अमर दुबे के रूप में हुई है, को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इस बीच, जिन लोगों की मौत हुई, उनमें से चार की पहचान सोनू (औरैया का रहने वाला), देवेश (बस्ती का रहने वाला), असलम (कन्नौज का रहने वाला) और संतोष (प्रेम नगर, दिल्ली का रहने वाला) के रूप में हुई है।एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ष्यह हादसा सुबह करीब 3 बजे हुआ। स्लीपर बस दिल्ली से कानपुर जा रही थी। बस एक्सप्रेसवे पर रुकी थी, तभी एक ट्रक ने यात्रियों को कुचल दिया। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। हमने मारे गए लोगों के परिजनों से संपर्क किया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और मामला दर्ज कर लिया है। एक महीने से भी कम समय में दूसरा बड़ा हादसायह एक महीने से भी कम समय में मथुरा के पास यमुना एक्सप्रेसवे पर हुआ दूसरा ऐसा हादसा है। 22 जनवरी को, माइलस्टोन 110 के पास एक डबल–डेकर बस (न्च 90 ।ज 8837) में आग लग गई। बस बांदा से दिल्ली जा रही थी, तभी पिछले टायर का ब्रेक जाम होने के बाद उसमें आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि चार फायर टेंडर मौके पर भेजे गए और आग पर काबू पा लिया गया और कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि बाद में यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था करके उनके गंतव्य तक भेजा गया।

हरिद्वार से गरजे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीमाओं के साथ सांस्कृतिक को भी बचाना होगा

एजेंसी।

हरिद्वार। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हरिद्वार में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर जोर देते हुए कहा कि देश की सीमाओं की तरह उसकी संस्कृति और सभ्यता की रक्षा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने चेतावनी दी कि कमजोर सांस्कृतिक जड़ें राष्ट्र के विघटन का कारण बन सकती हैं और संतों से युवाओं को जोड़ने का आह्वान किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को इस बात पर जोर दिया कि देश की संस्कृति और सभ्यता की रक्षा करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि उसकी सीमाओं की सुरक्षा करना, और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को रेखांकित किया। हरिद्वार में सप्तऋषि आश्रम में स्वामी सत्यमित्रानंद की प्रतिमा के अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए सिंह ने भारत की सांस्कृतिक पहचान और मूल्यों की रक्षा का आग्रह किया और चेतावनी दी कि कमजोर सांस्कृतिक जड़ेंविघटन का कारण बन सकती हैं।

उन्होंने कहा कि कोई भी राष्ट्र तब तक सही मायने में सुरक्षित नहीं है जब तक उसकी सांस्कृतिक नींव, उसके मूल्य और उसकी पहचान सुरक्षित न हो। मैं रक्षा मंत्री के रूप में भी आपके समक्ष उपस्थित हूं। आमतौर पर यह माना जाता है कि

रक्षा मंत्री की जिम्मेदारी केवल सीमाओं और सशस्त्र बलों की सुरक्षा तक ही सीमित होती है। हालांकि, मेरा मानना ष्है कि किसी राष्ट्र की सुरक्षा उसकी भौगोलिक सीमाओं से परे तक फैली हुई है। सांस्कृतिक पहचान और सभ्यता की रक्षा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।राष्ट्र के लिए सांस्कृतिक महत्व पर जोर देते हुए रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि इतिहास गवाह है कि जिन राष्ट्रों ने अपनी सांस्कृतिक जड़ों को कमजोर होने दिया, वे अंततः विघटित हो गए, चाहे उनकी सैन्य शक्ति कितनी भी महान क्यों न रही हो। आज हमारी संस्कृति एक अदृश्य युद्धक्षेत्र में खड़ी है। हमारे गौरवशाली इतिहास को विकृत किया जा रहा है। इस पर कई तरह के हमले हो रहे हैं। हमारी युवा पीढ़ी स्थानीय संस्कृति से दूर होती जा रही है। ऐसे समय में, संस्कृति की ओर लौटना ही समय की मांग है।उन्होंने संतों और आध्यात्मिक नेताओं से युवाओं के साथ जुड़कर सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने का आह्वान किया। सिंह ष्सांस्कृतिक राष्ट्रवादष के समर्थक हैं और उनका तर्क है कि भारत की एकता उसकी संत परंपरा से उत्पन्न होती है। सिंह ने कहा कि संत और आध्यात्मिक गुरु इस पुनर्जागरण के केंद्र में हैं। सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता के प्रवर्तक बनने के लिए संतों को आधुनिक संचार माध्यमों से युवाओं के साथ अधिक जुड़ने की आवश्यकता है। हमारी संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत उसकी एकता में निहित है। हमें मात्र राष्ट्रवाद से ऊपर उठकर सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की ओर बढ़ना होगा। राष्ट्र का विचार तलवार से नहीं, बल्कि ऋषियों के आश्रमों से उत्पन्न हुआ है। भारत एकजुट इसलिए है क्योंकि हमारे संतों ने इसे एकजुट रखा है। संत परंपरा हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी संत परंपरा यह दर्शाती है कि प्रगति करते हुए भी आत्मा को संरक्षित रखा जा सकता है। यदि शंकराचार्य केवल एक ही स्थान तक सीमित रहते, तो क्या भारत आज ऐसा होता? उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय संस्कृति को "बाहरी हमलों" से बचाना आवश्यक है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए स्टार्टअप और सांस्कृतिक पुनरुद्धार जैसी पहलों की सराहना की।

महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव- 12 जिला परिषदों, 125 पंचायत समितियों के लिए मतदान शुरू, 7438 उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर

एजेंसी।

महाराष्ट्र। इस चुनाव में 731 जिला परिषद सीट और 1,462 पंचायत समिति सीट के लिए कुल 7,438 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस चुनाव में दो करोड़ से अधिक पात्र मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।महाराष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्य के लिए आज का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य के 12 जिलों की 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के लिए शनिवार सुबह साढ़े सात बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह चुनाव न केवल स्थानीय प्रशासन की दिशा तय करेंगे, बल्कि आगामी बड़े चुनावों के लिए भी एक लिटमस टेस्ट साबित होंगे।इस चुनाव में 731 जिला परिषद सीट और 1,462 पंचायत समिति सीट के लिए कुल 7,438 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस चुनाव में दो करोड़ से अधिक पात्र मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, पुणे, सातारा, सांगली, सोलापुर, कोल्हापुर, छत्रपति संभाजीनगर, परभणी, धाराशिव और लातूर की जिला परिषदों तथा उनके अंतर्गत आने वाली पंचायत समितियों में प्रतिनिधि चुनने के लिए मतदान हो रहा है।मतदान सुबह साढ़े सात बजे शुरू हुआ और शाम साढ़े पांच बजे तक जारी रहेगा। मतगणना नौ फरवरी को सुबह 10 बजे से शुरू होगी, जिसके बाद आदर्श आचार संहिता हटा ली जाएगी। यह मतदान मूल रूप से पांच फरवरी को होना था, लेकिन 28 जनवरी को उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु और इसके बाद तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। कुल 2,624 उम्मीदवार 731 जिला परिषद सीट के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें 369 सीट महिलाओं के लिए, 83 अनुसूचित जाति, 25 अनुसूचित जनजाति और 191 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षित हैं।इसी तरह 4,814 उम्मीदवार 1,462 पंचायत समिति सीट के लिए मैदान में हैं। इनमें 731 सीट महिलाओं के लिए, 166 अनुसूचित जाति, 38 अनुसूचित जनजाति और 342 ओबीसी के लिए आरक्षित हैं।

आतिशी वीडियो विवाद में दिल्ली विधानसभा ने पंजाब के डीजीपी और वरिष्ठ अधिकारियों से जवाब मांगा

एजेंसी। दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति ने आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता आतिशी के खिलाफ दर्ज एक प्राथमिकी (थ्प्ट) के मामले में कड़ा रुख अपनाया है। समिति ने पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को राज्य पुलिस अधिकारियों के श्आचरणश को लेकर लिखित स्पष्टीकरण देने का निर्देश जारी किया है।दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति ने आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता आतिशी के खिलाफ दर्ज एक प्राथमिकी (थ्प्ट) के मामले में कड़ा रुख अपनाया है। समिति ने पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को राज्य पुलिस अधिकारियों के श्आचरणश को लेकर लिखित स्पष्टीकरण देने का निर्देश जारी किया है।समिति ने इस मामले में पंजाब सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों से भी जवाब मांगा है। इससे एक दिन पहले दिल्ली विधानसभा ने इस मामले में पंजाब के डीजीपी और पंजाब के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) के खिलाफ विशेषाधिकार जांच शुरू करने का निर्णय लिया था। मामला छह जनवरी को दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान सिख गुरु तेग बहादुर के बारे में आतिशी की कथित अपमानजनक टिप्पणी से जुड़ा है।

यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी बीएसपी, संगठन में व्यापक फेरबदल कर मिशन-2027 को दी गति-मायावती

लखनऊ(आरएनएस)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती ने कहा है कि आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा आमचुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टी संगठन को जमीनी स्तर तक और अधिक मजबूत किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश संगठन में आवश्यक और व्यापक फेरबदल किए गए हैं, ताकि पूरी निष्ठा और मिशनरी भावना से काम करने वाले कार्यकर्ताओं को आगे लाकर उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जा सकें।दिनांक 07 फरवरी 2026 को लखनऊ में आयोजित बीएसपी उत्तर प्रदेश स्टेट यूनिट की विशेष बैठक में प्रदेश, मंडल, जिला और विधानसभा स्तर तक के सभी छोटे–बड़े पदाधिकारियों की मौजूदगी में मायावती ने चुनावी रणनीति और संगठनात्मक मजबूती को लेकर गहन विचार–विमर्श किया। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता विरोधी दलों के साम, दाम, दंड, भेद जैसे हथकंडों और कुछ स्वार्थी तत्वों के षड्यंत्रों का डटकर मुकाबला करते हुए संगठन को मजबूत बनाने में जुटे हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव की दृष्टि से संगठनात्मक बदलाव जरूरी थे।मायावती ने कहा कि बीएसपी का लक्ष्य मिशन–2027 को मिशन–2007 की तरह साकार करना है, ताकि उत्तर प्रदेश में फिर से पूर्ण बहुमत की सरकार बनाकर 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत को व्यवहार में उतारा जा सके। उन्होंने कहा कि बीएसपी सरकार के दौरान कानून द्वारा कानून का राज स्थापित हुआ था, जिससे समाज के हर वर्ग को सुरक्षा, सम्मान और न्याय मिला। पार्टी की सरकार जाने के बाद प्रदेश में आमजन के अनुसार कानून–व्यवस्था, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा की स्थिति लगातार कमजोर हुई है, इसलिए जनता फिर से बीएसपी सरकार की प्रतीक्षा कर रही है।उन्होंने वर्तमान भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि कुछ गिने–चुने स्वार्थी लोगों को छोड़ दिया जाए तो समाज का लगभग हर वर्ग आज खुद को दुखी और त्रस्त महसूस कर रहा है। विशेष रूप से ब्राह्मण समाज अपनी उपेक्षा, असुरक्षा और असम्मान को लेकर खुलकर आवाज उठा रहा है, जिसकी चर्चा देशभर में हो रही है। मायावती ने कहा कि बीएसपी सरकार और संगठन ने सर्वसमाज के साथ–साथ ब्राह्मण समाज को भी पूरा सम्मान, पद और सुरक्षा दी है और यह सवाल जनता खुद पूछ रही है कि क्या किसी अन्य दल या सरकार ने ऐसा किया है।उन्होंने दोहराया कि बीएसपी की नीति हमेशा सर्वसमाज के हित की रही है। कानून का सख्त और निष्पक्ष पालन कर सभी धर्मों और वर्गों के लोगों के जान–माल और मजहब की सुरक्षा सुनिश्चित की गई थी, जिससे उत्तर प्रदेश के विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। इसके विपरीत विरोधी दलों की राजनीति संकीर्ण, जातिवादी, सांप्रदायिक और पूंजी समर्थक रही है, जिसका खामियाजा मायावती ने एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण से जुड़े मुद्दों का जिक्र करते हुए कहा कि आरक्षण–विरोधी सोच और नीतियों के कारण इन वर्गों को सरकारी नौकरियों और पदोन्नति में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हाल के यूजीसी नियमों ने सामाजिक समरसता को बढ़ाने के बजाय नया सामाजिक तनाव पैदा किया है, जो चिंताजनक है। बीएसपी बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के संविधान और मानवतावादी सोच के अनुरूप सर्वसमाज के हित को ही देश और जनहित का आधार मानती है।उन्होंने यह भी कहा कि स्थायी रोजगार की जगह ठेका और आउटसोर्स व्यवस्था ने बड़े पैमाने पर शोषण को जन्म दिया है, जिससे शिक्षा, स्कूल और अस्पताल जैसी बुनियादी सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। उत्तर प्रदेश के वास्तविक विकास के लिए अच्छी सड़कें, बिजली, पानी, ट्रैफिक व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और रोजगार के अवसर जरूरी हैं, जिन पर सरकार को बिना किसी भेदभाव के गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में मायावती ने कहा कि यदि सरकार को चिंता है तो इसका समाधान यही है कि अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं, ताकि आमजन को वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने में पूरा और सहानुभूतिपूर्ण सहयोग मिले। उन्होंने विशेष रूप से गरीब, मजदूर, महिलाएं, दैनिक वेतनभोगी और अशिक्षित वर्ग के लोगों को मतदान के अधिकार से वंचित न होने देने पर जोर दिया।संसद के मौजूदा बजट सत्र पर टिप्पणी करते हुए मायावती ने कहा कि सरकार और विपक्ष के बीच टकराव के कारण सत्र बार–बार बाधित हो रहा है, जिससे देश और जनहित से जुड़े अहम मुद्दों पर सार्थक चर्चा नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहा कि सवाल–जवाब और तथ्यपरक बहस के जरिए जनता को सच जानने का अवसर मिलना चाहिए, ताकि वह खुद सही और गलत का आकलन कर सके।बैठक से पूर्व मीडिया को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि विधानसभा चुनाव में अब अधिक समय शेष नहीं है, इसलिए पार्टी संगठन को दिशा–निर्देश देने और जमीनी तैयारियों को गति देने के लिए यह प्रदेश स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है। इसमें प्रदेश, मंडल, जिला और सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों के पदाधिकारी और प्रभारी शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के कारण पार्टी के कई कार्य प्रभावित हुए हैं, जिन्हें जल्द पूरा करने के लिए विशेष कदम उठाए जाएंगे।अंत में मायावती ने कहा कि विरोधी दल जाति और धर्म के नाम पर राजनीति कर समाज में द्वेष और नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं, जो देश और जनहित के लिए ठीक नहीं है। सत्ता और विपक्ष दोनों को संविधान की गरिमा और संसदीय मर्यादाओं का पालन करना चाहिए।

6.44 लाख लोगों को मिलेगी बीमारी से सुरक्षा सीएमओ

लाप्रयागराज। जनपद प्रयागराज तेजी से फाइलेरिया उन्मूलन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। नतीजन इस बार राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 10 से 28 फरवरी तक केवल बहादुरपुर और उरुआ ब्लॉकों में सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए 87 सुपरवाइजर व 516 स्वास्थ्य टीमें गठित की गई हैं, जो घर–घर जाकर अपने सामने लगभग 6.44 लाख लोगों को फाइलेरिया से बचाव की दवा खिलाएंगी।सीएमओ सभागार में आयोजित मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला में यह बातें सीएमओ डॉ. अरुण कुमार तिवारी ने कही। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों से लगातार चले अभियानों के कारण अब अधिकांश ब्लॉक संक्रमण से मुक्त हो चुके हैं। हाल में हुए नाइट ब्लड सर्वे में जनपद के 21 ब्लॉकों में से केवल बहादुरपुर और उरुआ में ही सूक्ष्म कृमियों की दर अधिक पाई गई है।उन्होंने बताया कि अभियान में स्वास्थ्य विभाग के साथ पंचायती राज, शिक्षा, बाल विकास, सूचना समेत अन्य विभागों को भी जोड़ा गया है। अभियान की शुरुआत ग्राम पंचायतों में जनप्रतिनिधि स्वयं दवा सेवन कर करेंगे। दवा खाली पेट नहीं लेनी है और दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं व गंभीर रोगियों को छोड़कर सभी को इसका सेवन करना है। सीएमओ ने मीडिया से अपील की कि अभियान की जानकारी व्यापक रूप से प्रसारित करें ताकि शत–प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित किया जा सके। इस मौके पर डब्ल्यूएचओ पाथ, पीसीआईव सीफार के प्रतिनिधि सहित अन्य कर्मचारी व मीडिया साथी मौजूद रहे।

आईफोन देकर एग्स निकलवाने वाली 4 महिलाओं सहित पांच गिरफ्तार

नाबालिग को शादीशुदा बताकर किया था खेल

प्रयागराज। नाबालिग लड़कियों के ओवा एक्सट्रैक्शन यानी अंडाणु (एग्स) निकालकर बेचने के मामले में बड़ा एक्शन हुआ है। पुलिस ने रैकेट में शामिल 4 महिलाओं समेत 5 को हिसरात में लिया है। इसमें मां–बेटी, आईवीएफ की एजेंट, महिला और बेटा शामिल है। इन पर आरोप है कि इन्होंने एक नाबालिग लड़की को अपने जाल में फंसाया। उसे आईफोन और 10 हजार रुपए का लालच दिया। फिर उसे शादीशुदा बताकर आईवीएफ सेंटर ले गए। वहां नाबालिग के अंडाणु निकलवा दिए। लड़की की मां ने 6 फरवरी को इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने पीड़ित की पड़ोसी रिंकी, उसकी बेटी पलक उर्फ जोया, सीमा भारती, हिमांशु भारती और कल्पना भारती को पकड़कर पूछताछ शुरू की। इससे पहले जांच में पूरे रैकेट के पीछे एक मुस्लिम महिला की साजिश भी सामने आई थी। पुलिस उसे ट्रेस करते हुए 3 एंगल पर जांच कर रही है। पुलिस ने इस मामले में रिंकी हेला पत्नी मो0 शहबाज निवासी गडहीया लीडर रोड थाना शाहगंज, पलक हेला पत्नी मिजान निवासी करेली थाना करेली कमिश्नरेट, कल्पना भारतीया पत्नी कुलदीप यादव निवासी डिग्गी थाना थरवई, सीमा भारतीया पत्नी दिलीप भारतीया व हिमांशू भारतीया पुत्र दिलीप भारतीया निवासीगण कूपर रोड सिविल लाइंस कमिश्नरेट प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया। उपरोक्त अभियुक्तों के कब्जे से पीड़िता का कूटरचित आधार कार्ड बरामद किया गया। उल्लेखनीय है कि वादिनी अनीता गौतम पत्नी लवकुश गौतम निवासिनी शान्तिपुरम थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा आरोपी पलक हेला पत्नी मिजान निवासी थाना करेली तथा उसकी मां रिंकी हेला पत्नी मो0 शहबाज निवासी गडहीया लीडर रोड थाना शाहगंज द्वारा अपनी 15 वर्षीय नाबालिग बेटी के अपहरण तथा जबरन बहला फुसलाकर थाना सिविल लाइन्स प्रयागराज स्थित इन्दिरा आईवीएफ में अवैध रूप से ओवा एक्सट्रैक्शन करवाने आदि के संबंध में आरोप लगाते हुए थाना फाफामऊ पर तहरीर दी गई थी, जिसके सम्बन्ध में थाना फाफामऊ पर

मुकदमा पंजीकृत किया गया।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करने पर यह तथ्य प्रकाश मेंआया कि नाबालिग पीड़िता, अभियुक्ता पलक उपरोक्त के साथ वेट्रेस का कार्य किया करती थी तथा पलक और उसकी मां रिंकी द्वारा पीड़िता को पैसों का प्रलोभन देकर आईवीएफ डोनर बनने के लिए तैयार किया गया तथा उसे बहला फुसलाकर सीमा भारतीया पत्नी दिलीप भारतीया के पास लेकर जाया गया, जहां पर उसने बेटे हिमांशु भारतीया से पीड़िता का फर्जी आधार कार्ड तैयार कराकर उसको बालिग तथा विवाहित दर्शाया। सीमा भारतीया द्वारा नाबालिग को फर्जी आधार के साथ कल्पना भारतीया पत्नी कुलदीप यादव निवासी डिग्गी थाना थरवई, जो की थाना सिविल लाइन्स प्रयागराज स्थित इन्दिरा आईवीएफ की रजिस्टर्ड एजेंट है, के पास ले जाया गया, जहां पर उसके द्वारा नाबालिग पीड़िता का फर्जी कंसेन्ट एफिडेविट तैयार कराया गया। तत्पश्चात 21 जनवरी को थाना सिविल लाइन्स प्रयागराज स्थित इन्दिरा आईवीएफ पर इनके द्वारा फर्जी कागजात के आधार पर ओवा एक्सट्रैक्शन करवाया गया।

गोसाईगंज में मकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाला शातिर अभियुक्तगिरफ्तार, चोरी का सामान बरामद

लखनऊ(आरएनएस)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन अंतर्गत थाना गोसाईगंज पुलिस ने मकान का दरवाजा तोड़कर चोरी करने वाले एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हुई हालिया चोरी की घटना का सफल अनावरण हुआ है।पुलिस के अनुसार कस्बा गोसाईगंज के साहनटोला निवासी पंकज गुप्ता ने थाना गोसाईगंज में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया था कि वह अपने परिवार के साथ एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जनपद कानपुर गए हुए थे। 06 फरवरी 2026 को जब वह वापस अपने घर लौटे तो उन्होंने घर का दरवाजा टूटा हुआ पाया और भीतर का सामान बिखरा हुआ था। चोरी की आशंका होने पर उन्होंने घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें पड़ोस में रहने वाला सूरज मिश्रा घर के अंदर चोरी करते हुए स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।इस संबंध में थाना गोसाईगंज पर मु0अ0सं0 48ध्26 धारा 331(4)ध्305(ए) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मुखबिर की सूचना पर 06 फरवरी 2026 की देर रात अभियुक्त सूरज मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस गिरफ्त में आए अभियुक्त के कब्जे से चोरी की एक जोड़ी पायल और 720 रुपये नगद बरामद किए गए, जिसके आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने

बताया कि वह नशे का आदी है और नशे की जरूरतों को पूरा करने के लिए चोरी की घटनाओं को अंजाम देता है।पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार अभियुक्त सूरज मिश्रा, उम्र लगभग 30 वर्ष, निवासी मातनटोला कस्बा गोसाईगंज, एक शातिर अपराधी है, जिसके विरुद्ध थाना गोसाईगंज में आठ तथा थाना चिनहट में एक मुकदमा पहले से दर्ज है। इन मामलों में चोरी, चोरी का माल रखने, एनडीपीएस एक्ट तथा भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराएं शामिल हैं।पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

किसान मेले के तीसरे दिन फसल प्रबन्धन पर चर्चा

कृषि विभाग द्वारा आयोजित 05 दिवसीय विराट किसान मेले के तृतीय दिवस का आयोजन

प्रयागराज । आज शनिवार को निदेशक रहमान खेड़ा की अध्यक्षता में 5 दिवसीय विराट किसान मेला, माघ मेला क्षेत्र के सेक्टर–3 में स्थित गंगा पंडाल, प्रयागराज में आयोजन किया गया। जिसमें कृषि विभाग के अन्तर्गत खाद, बीज, कृषि रक्षा रसायन, सोलर पम्प, ड्रोन एवं विभिन्न प्रकार के कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया गया। डेयरी विभाग, उद्यान विभाग एवं विभिन्न कृषक उत्पादक संगठनों द्वारा 40 से अधिक मेले में स्टाल लगाये गये जिसका मुख्य अतिथियों द्वारा अवलोकन किया गया। कार्यक्रम के तृतीय दिवस के मुख्य अतिथि राजेन्द्र कुमार सिंह, निदेशक, रहमान खेड़ा उ0प्र0 लखनऊ द्वारा दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। संयुक्त कृषि निदेशक, प्रयागराज मण्डल, प्रयागराज एवं उप कृषि निदेशक, प्रयागराज द्वारा पुष्प गुच्छ देकर निदेशक महोदय का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक (कृषि रक्षा) प्रयागराज मण्डल–प्रयागराज, प्रसार निदेशक, शुआट्स, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, सहायक निदेशक (मृदा परीक्षण कल्चर) क्षेत्रीय भूमि परीक्षण प्रयोगशाला, भूमि संरक्षण अधिकारी प्रयागराज, एवं कृषि वैज्ञानिक, कृषि विश्वविद्यालय शुआट्स नैनी, कुलभाष्कर आश्रम महाविद्यालय एवं वैज्ञानिक– कृषि विज्ञान केन्द्र, कौशाम्बी समेत कृषि विभाग के अन्य अधिकारीध्कर्मचारी, तथा जनपद के लगभग 7,50 कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रीती त्रिपाठी द्वारा किया गया।निदेशक ने फसल प्रबन्धन पर चर्चा करते हुए बताया कि फसलों की अच्छी वृद्धि, विकास एवं अच्छे उत्पादन के लिए एकीकृत फसल प्रबन्धन अति आवश्यक है। जिसके माध्यम से एक उद्यम का बचा हुआ अवशेष अगले उद्यम के लिए संसाधन बन जाता है।

गोसाईगंज में पेड़ काटते समय हादसा, युवक की दर्दनाक मौत से मचा हड़कंप

लखनऊ(आरएनएस)। गोसाईगंज थाना क्षेत्र में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। यह घटना 07 फरवरी 2026 की है, जब थाना गोसाईगंज को दोपहर लगभग 12.55 बजे सूचना प्राप्त हुई कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोसाईगंज में एक युवक को गंभीर रूप से घायल अवस्था में लाया गया था, जिसकी हालत नाजुक होने पर उसे रेफर कर दिया गया, लेकिन इसके तुरंत बाद उसकी मृत्यु हो गई।सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल सीएचसी गोसाईगंज पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। जांच में सामने आया कि मृतक की पहचान त्रिलोकचंद्र पुत्र भगौती, निवासी ग्राम मोहम्मदाबाद, थाना गोसाईगंज, जनपद लखनऊ, उम्र लगभग 35 वर्ष के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार त्रिलोकचंद्र अपने घर के पीछे लगे एक पेड़ को काट रहा था, इसी दौरान अचानक पेड़ असंतुलित होकर उसके ऊपर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।हादसे के बाद परिजन आनन–फानन में घायल युवक को इलाज के लिए सीएचसी गोसाईगंज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए उसे उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर कर दिया। हालांकि, रेफर किए जाने के तुरंत बाद ही युवक ने दम तोड़ दिया।घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल परिसर में मृतक के परिजन आक्रोशित हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझा–बुझाकर शांत कराया और स्थिति को नियंत्रण में लिया।पुलिस द्वारा परिजनों की मौजूदगी में शव का पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भेजा जा रहा है। मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

शिवगढ़ रिसार्ट के सामने सड़क हादसा, अज्ञात वाहन की टक्कर से बुजुर्ग महिला की मौत

लखनऊ(आरएनएस)। रायबरेलीदृ लखनऊ मार्ग पर गुरुवार रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। यह हादसा 06 फरवरी 2026 को रात्रि लगभग 9 बजे शिवगढ़ रिसॉर्ट के सामने पेट्रोल पंप के पास हुआ, जहां एक अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रही महिला को टक्कर मार दी।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस को मौके पर एक महिला गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिली, जिसे बिना देर किए एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनलालगंज भेजा गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के उपरांत महिला को मृत घोषित कर दिया।आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ के बाद मृतका की पहचान शिवराजा पत्नी दुखी लाल, निवासी ग्राम भद्दीखेड़ा, थाना निगोहा, जनपद लखनऊ, उम्र लगभग 65 वर्ष के रूप में हुई। घटना के समय मृतका के परिजन भी मौके पर मौजूद थे, जिनका रो–रोकर बुरा हाल रहा।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसा किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से हुआ है, जो घटना के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है तथा अज्ञात वाहन की पहचान और तलाश के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी और दोषी वाहन चालक के खिलाफ विधिक कदम उठाए जाएंगे।

नागरिक सुरक्षा वार्डन सेवा के सदस्यों का अवैतनिक पदों पर नियुक्तिएवं नवीनीकरण

प्रयागराज। जिलाधिकारी एवं नियंत्रक नागरिक सुरक्षा प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा के आदेश पर नागरिक सुरक्षा प्रयागराज के वार्डन सेवा अंतर्गत 14 सदस्यों का प्रखंड कर्नलगंज के अंतर्गत अवैतनिक पदों पर नियुक्ति एवं नवीनीकरण किया गया साथ ही प्रखंड कर्नलगंज के डिप्टी डिवीजनल वार्डन एल के अहेरवार की पदोन्नति एवं नव नियुक्ति स्टाफ ऑफिसर टू चीफ वार्डन के रिक्त पद पर की गई है।

इसी प्रकार प्रखंड कर्नलगंज के घटना नियंत्रण अधिकारी आशीष बाजपेई की तैनाती प्रखंड कर्नलगंज में डिप्टी डिवीजनल वार्डन के पद पर की गई है, उक्त आदेश को कार्यालय द्वारा जारी किया गया तथा संबंधित सदस्यों को उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा नीरज मिश्रा, चीफ वार्डन अनिल कुमार, डिप्टी चीफ वार्डन संजीव कुमार बाजपेई ,सहायक उप नियंत्रक राकेश कुमार तिवारी, डिवीजनल वार्डन डॉ शशांक ओझा तथा विभिन्न प्रखंडों के सदस्यों द्वारा शुभकामनाएं दी गई हैं।

एटीएम में फेविक्विक लगाकर 20 हजार निकाले

फर्जी हेल्पलाइन नंबर लगाया, कार्ड फंसा तो बैंककर्मी बन पिन जाना

प्रयागराज। कर्नलगंज थाना क्षेत्र में एटीएम से ठगी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। ठगों ने शातिराना तरीके से एक व्यक्ति के खाते से 20 हजार रुपए निकाल लिए।प्राप्त जानकारी के अनुसार मिंटो रोड के रहने वाले दुर्गेश प्रताप सिंह एक निजी सीमेंट कंपनी में अकाउंटेंट हैं। वह शाम करीब 7 बजे मनमोहन पार्क के पास स्थित एचडीएफसी बैंक के एटीएम से पैसा निकालने गए थे। उन्होंने बताया कि मैं 3 फरवरी की शाम को एचडीएफसी बैंक के एटीएम में रुपए निकालने गया था। वहां मेरा कार्ड मशीन में ही फंस गया। फिर मैंने एटीएम केबिन में चिपके हेल्पलाइन नंबर पर फोन किया। दुर्गेश ने बताया कि कॉल रिसीव करने वाले व्यक्ति ने खुद को बैंक कर्मी बताया। मुझसे एटीएम पिन डालने को कहा। मैंने सबके सामने पिन डाल दिया। फिर भी कार्ड नहीं निकला तो कथित बैंक कर्मी ने कहा कि अभी कार्ड नहीं निकलेगा, सुबह कैश वैन टीम आएगी तो कार्ड निकाल दिया जाएगा। इसलिए घर चले जाइए।उन्होंने कहा कि मैं उसकी बातों में आ गया और वापस आने लगा। कुछ ही देर बाद मेरे मोबाइल पर खाते से 20,000 रुपए निकलने का मैसेज आया। मैसेज देखते ही मैं हैरान रह गया। तुरंत ही एटीएम वापस पहुंचा, केबिन के अंदर जाकर देखा तो मशीन में कार्ड नहीं था। फिर 4 फरवरी को बैंक पहुंचकर जानकारी की। वहां सीसीटीवी फुटेज चेक किया तो पूरे मामले का खुलासा हुआ।पुलिस ने एटीएम में लगा सीसीटीवी फुटेज चेक किया तो पता चला कि दो युवक पहले एटीएम केबिन में पहुंचे। मशीन के पास एक फर्जी हेल्पलाइन नंबर चिपकाया। एटीएम के कार्ड स्लॉट में फेविक्विक लगा दिया, जिससे उसमें कार्ड फंस जाए। कुछ देर बाद एक व्यक्ति पैसे निकालने एटीएम पहुंचा। जैसे ही उसने कार्ड

डाला, वह मशीन में फंस गया। काफी देर तक परेशान होता रहा। तभी कुछ लोग अंदर आए। उनके साथ ठग का दूसरा साथी भी अंदर आ गया और केबिन में चिपकाए गए नंबर पर कॉल करने को कहा।फोन पर मौजूद पहले युवक ने खुद को बैंककर्मी बताया। पीड़ित से पिन नंबर डालने को कहा। पीड़ित को पिन डालते हुए दूसरे युवक ने देख लिया। काफी कोशिश के बाद भी जब कार्ड नहीं निकला तो पीड़ित कार्ड छोड़कर चला गया।दोनों आरोपियों ने प्लास की मदद से कार्ड निकाल लिया और पिन की मदद से 20 हजार की चपत लगा दी।

किसानों ने समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

इफको, भूमि अधिग्रहण, बिजली तार को लेकर शिकायतें

प्रयागराज। जनपद किसानों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर जिला अधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा और अपर मंडलायुक्त रतन प्रिया से मुलाकात की। किसानों ने उन्हें एक लिखित ज्ञापन सौंपा, जिसमें इफको यूरिया खाद फैक्ट्री और आवास विकास परिषद से संबंधित गंभीर मुद्दों का उल्लेख किया गया।ज्ञापन में इफको यूरिया खाद फर्टिलाइजर फैक्ट्री, फूलपुर पर किसानों के साथ धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है। किसानों ने यह भी शिकायत की कि फैक्ट्री ने उनकी जमीन से जबरन 66 हजार वोल्टेज का बिजली का तार निकाला है। इसके अलावा, बैरगिया नाले से बहने वाले दूषित जहरीले पानी के कारण फसलों को नुकसान हो रहा है। किसानों ने तहसील सोरांव के कौड़िहार टिकरी, गंगागंज मूसेपुर, दिलावलपुर और जगदीशपुर गांवों में आवास विकास परिषद द्वारा जबरन भूमि अधिग्रहण का मुद्दा भी उठाया। किसानों का आरोप है कि उनकी जमीनें बिना उचित प्रक्रिया का पालन किए अधिग्रहित की जा रही हैं। इस मुलाकात के दौरान प्रयागराज मंडल अध्यक्ष बबलू दूबे और फूलपुर के प्रधान चंदा राजकुमार यादव उपस्थित रहे। जिलाधिकारी और अपर मंडलायुक्त ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने अपर जिलाधिकारी सत्यम मिश्रा को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। अधिकारियों ने इफको फर्टिलाइजर फूलपुर और आवास विकास परिषद के अधिकारियों के साथ किसानों की बैठक आयोजित कर इन मामलों का निस्तारण कराने का आश्वासन दिया।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 08 फरवरी 2026
sheelshukla100@gmail.com

पंचायत चुनाव समय पर होंगे 75 जिलों में पहुंच चुके मतपत्र - ओम प्रकाश राजभर

सुलतानपुर। जिला पंचायत सभागार में केंद्रीय बजट 2026 को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता में पंचायती राज मंत्री एवं सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने एसआईआर की सीमा बढ़ाए जाने और पंचायत चुनाव की स्थिति पर स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव निर्धारित समय पर ही कराए जाएंगे किसी तरह के भ्रम की आवश्यकता नहीं हैं राजभर ने बताया कि पंचायत चुनाव के लिए मतपत्र छप चुके हैं और 75 जिलों में भेजे जा चुके हैं जबकि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 28 तारीख को किया जाएगा उन्होंने दोहराया कि चुनाव प्रक्रिया तय समय–सारिणी के अनुसार आगे बढ़ेगी। इस दौरान सुभासपा विधायक बेनीराम से जुड़े नाले पर अतिक्रमण हटाने के दौरान नगर निगम टीम को कथित रूप से फोन पर हड़काने के वायरल ऑडियो के मामले में भी राजभर ने प्रतिक्रिया दी उन्होंने अपने विधायक का बचाव करते हुए कहा कि ऐसा कोई तथ्य नहीं हैं यदि लेखपाल इस तरह का आरोप लगा रहा हैं तो मोबाइल रिकॉर्डिंग सार्वजनिक करे राजभर ने कहा कि यह मामला पहले ही नियम 51 के तहत विधानसभा में उठाया जा चुका हैं जहां वास्तव में नाला हैं वहां ठेकेदारों द्वारा फ्लैट बना लिए गए हैं और वे चाहते हैं कि नाला किसी अन्य की जमीन से निकलवा दिया जाए विधायक की मांग हैं कि नाला उसी स्थान से निकले जहां उसका वास्तविक अस्तित्व हैं उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नाले की जमीन पर विधायक का कोई मैरिज लॉन नहीं बना हैं भूमि की चार बार पैमाइश हो चुकी हैं साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित पार्षद पार्टी से प्रेरित होकर बयानबाजी कर रहा हैं। पत्रकार वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, एलएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि व ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह, विधायक राजप्रसाद उपाध्याय, सुभासपा जिला अध्यक्ष विनीत सिंह, सुभासपा जिला संघठन मंत्री मनोज शर्मा, भाजपा जिला मीडिया प्रमुख विजय सिंह रघुवंशी, राजेश दूबे निर्माण सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर अल्टो कार पलटी, गाजियाबाद के 2 एसआई समेत 4 घायल

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर जिले में पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर शनिवार सुबह एक सड़क हादसे में गाजियाबाद के दो उप निरीक्षक, बलात्कार का एक आरोपी और कार चालक घायल हो गए। किलोमीटर 97 पर एक अल्टो कार पलट गई। सभी घायलों को पिठला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से आरोपी और चालक को गंभीर हालत में अयोध्या मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, बिहार के रोहतास थाना क्षेत्र के डेहरी निवासी विश्वकांत पुत्र लाल बिहारी के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज था। गाजियाबाद में तैनात उप निरीक्षक अतुल कुमार और उप निरीक्षक विपिन कुमार उसे गिरफ्तार करने बिहार गए थे।आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद, वे अल्टो कार से उसे पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे के रास्ते गाजियाबाद ले जा रहे थे। कार चालक वसीम चला रहा था। किलोमीटर 97 पर पहुंचने पर चालक ने अचानक नियंत्रण खो दिया, जिससे कार डिवाइडर से टकराकर कई बार पलट गई। हादसे की सूचना मिलते ही पीआरवी की टीम, जिसमें चालक सुनील कुमार सिंह और वंश कुमार शामिल थे, मौके पर पहुंची। यूपीडा की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। उन्होंने कार से सभी घायलों को बाहर निकाला और एम्बुलेंस से पिठला अस्पताल कुमारगंज पहुंचाया। पिठला अस्पताल में इलाज के दौरान बलात्कार के आरोपी विश्वकांत और चालक वसीम की हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें अयोध्या मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। बल्दीराय थानाध्यक्ष नारद मुनि सिंह ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी है और मामले की जांच की जा रही है।

विभागीय मंत्री के सामने सवालों से बचती रही

बीएसए
-बहुचर्चित निलंबित प्रधानाध्यापक जान मोहम्मद प्रकरण पर बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के सामने मीडिया के सवालों से भागती नजर आई बीएसए रतन कीर्ति
-बिना जाँच किए सीधा निलंबन,अगले दिन बहाल का खेल बना हुआ हैं चर्चा का विषय
-अपने ही दायित्वों से संबंधित प्रतिदिन सोशल मीडिया पर सफाई देती नजर आती हैं बीएसए

(मथुरा)(सुमित गोस्वामी)

जनपद के प्रभारी मंत्री संदीप सिंह जो की बेसिक शिक्षा विभाग के मंत्री हैं लेकिन जनपद मे बेसिक शिक्षा विभाग की स्थिति इतनी दयनीय हैं की लगातार जनपद मे अपने कारनामो से चर्चाओ मे रहती हैं।सूत्रों के मुताबिक ऐसा लगता हैं की बीएसए स्वयं अपने पदीय दायित्वों को अपने निर्णायक रूप से निर्वहन नहीं कर पा रही हैं इसका सीधा साधा उदाहरण उनके द्वारा लगातार अपने पदीय दायित्वों की सफाई सोशल मीडिया पर देनी पड़ती हैं। जनपद मे विगत दिनों नौहझील स्थित सरकारी विद्यालय में नमाज पढ़ाने के झूठे

आरोप में बीएसए रतन कीर्ति ने बिना जाँच कराए प्रधानाध्यापक जान मोहम्मद को निलंबित कर दिया जिसे लेकर जिला स्तर पर राजनीति गरमा गई थी क्यों की शिकायकर्ता कोई ओर नहीं भाजपा नेता दुर्गेश प्रधान ने ही शिकायत की थी जिसमे प्रधानाध्यापक जान मोहम्मद पर विद्यार्थीयों को नमाज पढ़ने पर बाध्य करने जैसे तमाम झूठे आरोप लगाए गए थे जिसके उपरांत बीएसए रतन कीर्ति ने बिना जाँच कराए रातो रात अनन फानन में शिक्षक को निलंबित कर दिया गया था निलंबन के बाद स्थानीय ग्राम वाशियो एवं अभिभावकों और उसी स्कूल के अन्य शिक्षकों ने इसको फर्जी करार देते हुए राजनीति से प्रेरित बताया व एक प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी से मिलकर इस संपूर्ण घटना क्रम की समुचित जांच कराने की मांग की।इस प्रकरण पर जिले की राजनीति गरमा गई जिसको देखते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने एक जांच समिति गठित करते हुए एक माह में इसकी रिपोर्ट भेजने के लिए निर्देशित किया।लेकिन मामला हाई प्रोफाइल व स्थानीय स्तर पर गरमाने के कारण बाद में इसकी अवधि 3 दिन कर दी गई।जांच समिति ने विधालय के छात्रों,अभिभावकों, शिक्षकों एवं ग्राम वाशियो से मिलकर जांच की व बयान के आधार पर संपूर्ण प्रकरण को फर्जी बताते हुए रिपोर्ट पेश कर दी जांच समिति के रिपोर्ट के आधार पर बेसिक शिक्षा अधिकारी ने निलंबित शिक्षक जान मोहम्मद को बहाल करते हुए निर्दोष करार दिया।

जब बहुचर्चित प्रकरण के सम्बन्ध में मंत्री संदीप सिंह के मथुरा आगमन के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति से सवाल किये गये तो सवालो से बचते हुए भागती नजर आई और कोई संतोष जनक जबाव देने में असमर्थ रही।वही इस प्रकरण जब पत्रकारों ने मंत्री संदीप सिंह से बात की तो उन्होंने इस संपूर्ण प्रकरण की गंभीरता से उच्च स्तरीय जांच कराने की बात कही। बीएसए के तमाम मिलते जुलते ऐसे ही प्रकरण जनपद मे लगातार चर्चाओ का विषय बने हुए हैं। जब जनपद के प्रभारी विभागीय मंत्री ही अपने विभाग के कारनामो से मौन तब बीएसए के कारनामो को रोकेगा कौन।

भागवत महात्म्य की अमृतवर्षा, दूसरे दिन उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

कूरेभार सुलतानपुर। कूरेभार क्षेत्र के सरैया मझौवा गांव में आयोजित संगीतमय सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन श्रद्धा, भक्ति और ज्ञान की त्रिवेणी प्रवाहित होती रही। वृंदावन धाम से पधारे कथा व्यास पूज्य श्री मुकेश आनंद जी महाराज के श्रीमुख से भागवत महात्म्य की अमृतवर्षा होते ही पूरा कथा पंडाल भक्तिरस में सराबोर हो उठा। भजन–कीर्तन और जयघोष के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाव–विभोर होकर कथा श्रवण करते नजर आए। कथा व्यास ने अपने प्रवचन में कहा कि श्रीमद्भागवत केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीव के कल्याण का दिव्य मार्ग है। भागवत कथा के श्रवण से मन, बुद्धि और आत्मा का शुद्धिकरण होता है तथा जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। उन्होंने राजा परीक्षित और शुकदेव जी के संवाद का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि कलियुग में भक्ति ही सबसे सरल और प्रभावी साधन है, जो मनुष्य को भवसागर से पार लगाती है। पूज्य महाराज ने आगे कहा कि भागवत कथा सुनने से मनुष्य के भीतर छिपे विकार समाप्त होते हैं और ईश्वर के प्रति अटूट विश्वास जागृत होता है। उन्होंने गृहस्थ जीवन में भक्ति, सदाचार और सेवा भाव अपनाने का संदेश देते हुए कहा कि जिस घर में भागवत का पाठ होता है, वहां साक्षात श्रीहरि का वास होता है। कथा के दौरान प्रस्तुत संगीतमय भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए।कथा में मुख्य यजमान सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे उपस्थित रहे। आयोजकों द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। कथा के समापन पर आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। पूरे क्षेत्र में कथा को लेकर भक्तिमय वातावरण बना हुआ है और आगामी दिनों में श्रीकृष्ण लीलाओं के प्रसंगों के श्रवण को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर आदर्श ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

केएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने विद्यार्थियों को दी संस्कारों की सीख

-केएम विश्वविद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राओं संग कुलाधिपति ने देखी फिल्म गोदान

(मथुरा)

केएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी ने रूपम टॉकीज, मथुरा में के.एम. विश्वविद्यालय में अध्ययनरत सैकड़ों छात्र–छात्रों के साथ 'गोदान' फिल्म देखी। इस विशेष आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक रूप से ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एवं नैतिक रूप से भी सशक्त बनाना रहा। फिल्म से छात्र–छात्राओं को सनातन धर्म में गौ माता के महत्व, सेवा, संरक्षण तथा भारतीय संस्कृति के मूल्यों की गहन जानकारी प्राप्त हुई। फिल्म के माध्यम से विद्यार्थियों को सामाजिक उत्तरदायित्व, करुणा, सेवा भावना एवं राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया

गया।

फिल्म अवलोकन के बाद कुलाधिपति किशन चौधरी ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कारों का विकास भी उतना ही आवश्यक है। युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़कर ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने छात्रों से नैतिक मूल्यों को अपनाने और समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस आयोजन से विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच और सामाजिक चेतना का विकास हुआ। केएम विश्वविद्यालय में कार्यरत डीन–प्रोफेसरों सहित स्थानीय नागरिकों एवं शिक्षकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे युवाओं को सही दिशा देने वाला प्रयास बताया। यह कदम शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रबोध को जोड़ने की दिशा में एक सराहनीय पहल माना जा रहा है।

विवि के कुलसचिव ने बताया गोदान फिल्म एक भावनात्मक यात्रा है, जो गाय के महत्व और उसके सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और सामाजिक पहलुओं को दर्शाती है। फिल्म की कहानी एक नायक और उसकी बछिया के बीच के अटूट रिश्ते को दिखाती है, जिसमें कोई स्वार्थ नहीं, सिर्फ प्यार है। यह फिल्म सिर्फ एक मनोरंजन फिल्म नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और गो संरक्षण का संदेश देने वाली है। केएम विश्वविद्यालय में अध्ययनरत एमबीबीएस और सभी संकायों के छात्र व केएम विश्वविद्यालय के सभी सदस्य इस फिल्म का अवलोकन कर रहे है।

22 फरवरी को आयोजित होगा मेगा वृहद विधिक जागरूकता व सेवा शिविर

बाराबंकी राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ0प्र0राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा निर्देशों के अनुक्रम में दिनांक 22 फरवरी, 2026 को आयोजित किए जाने वाले मेगाध्वृहद विधिक

जागरूकता व सेवा शिविर की तैयारियों को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से आज दिनांक 07 फरवरी, 2026 को जिला मुख्यालय स्थित सभागार में एक लघु शिविर का आयोजन किया गया। इस लघु शिविर की अध्यक्षता श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव, जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाराबंकी ने की। इस अवसर पर श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह अपर जिला जजध्नोडल अधिकारी मेगा कैम्प, श्रीमती शिवानी रावत सिविल जज सी0डि0ध्सचिव पूर्णकालिक के अतिरिक्त प्रशासन के नोडल अधिकारी समेत अन्य सभी महत्वपूर्ण विभागों के प्रतिनिधि शामिल हुये। श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव ने इस अवसर पर कहा कि यह लघु शिविर मेगा शिविर की सफलता की आधारशिला है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस मेगा शिविर के लिए अपने अपने विभाग से राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार व योजनओं का चिन्हांकन एवं पंजीकरण की प्रक्रिया पारदर्शी और समावेशी हो तथा सभी पात्र लाभार्थियों तक लाभ पहुँचाने में कोई कोताही न बरती जाए। आयोजित इस लघु शिविर में चिन्हित एवं पंजीकृत सभी लाभार्थियों को उनके हक के लाभ अब आगामी दिनांक 22 फरवरी, 2026 को आयोजित होने वाले मेगा विधिक जागरूकता व सेवा शिविर में प्रदान किए जाएंगे। इस मेगा शिविर में नागरिकों को निशुल्क कानूनी सलाह, विधिक सहायता, लोक अदालत, राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 2.0 की जानकारी तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। यह मेगा शिविर सभी विभागों के समन्वय व सहयोग से आयोजित किया जायेगा। श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह अपर जिला जजध्नोडल अधिकारी मेगा कैम्प के द्वारा बताया गया कि इस पूर्व–तैयारी शिविर का मुख्य उद्देश्य राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों का चिन्हांकन एवं उनका पंजीकरण करना था, ताकि आगामी मेगा शिविर में उन्हें निर्बाध रूप से लाभ प्रदान किया जा सके। इस प्रक्रिया से यह सुनिश्चित होगा कि 22 फरवरी 2026 के वृहद शिविर का समय एवं संसाधन कुशलतापूर्वक उपयोग हो और अधिक से अधिक जरूरतमंद नागरिकों को सरकारी योजनाओंका लाभ एक ही छत के नीचे मिल सके।श्रीमती शिवानी रावत सिविल जज सी0डि0ध्सचिव पूर्णकालिक के द्वारा बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का यह प्रयास है कि कानूनी सेवाएं और सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ आखिरी छोर तक पहुंचे और आम नागरिकों को न्याय एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के साथ साथ उसका लाभ प्राप्त करने में सुविधा हो।

जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल पी.जी. कालेज में 'नार्वे में हिंदी की प्रस्थिति' विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

बाराबंकी वैश्वीकरण के इस दौर में हिंदी की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय भूमिका को रेखांकित करने के उद्देश्य से जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल पी.जी. कॉलेज, बाराबंकी

में शनिवार को एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का मुख्य विषय "नार्वे में हिंदी की प्रस्थिति" रहा, जिसमें देश–विदेश के विद्वानों ने हिंदी की वैश्विक स्वीकार्यता और महत्व पर अपने विचार रखे। संगोष्ठी का शुभारंभ नार्वे से पधारे अंतरराष्ट्रीय वक्ता डॉ. सुरेशचंद्र शुक्ल 'शरद आलोक' ने किया। उन्होंने नार्वे की सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिस्थितियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि नार्वे में हिंदी को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है और वहां इसे मातृभाषा का दर्जा मिला हुआ है। उन्होंने बताया कि नार्वे में हिंदी के साथ–साथ उर्दू, पंजाबी, तमिल और संस्कृत भाषाओं के अध्ययन–अध्यापन के भी पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं। वहां महिलाओं को भाषा सीखने के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया जाता है। भारतीय मूल के लोग आपस में हिंदी में संवाद करना पसंद करते हैं। आज हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि व्यापार, संस्कार और संस्कृति की भाषा बन चुकी है। भारतीय सिनेमा के वैश्विक प्रभाव के चलते हिंदी विश्व की तीसरी प्रमुख भाषा के रूप में स्थापित हो रही है। चीन गणराज्य में अपनी सेवाएं दे चुके डॉ. गंगाप्रसाद शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि चीन में मंदारिन के साथ–साथ हिंदी भाषा का भी विशेष महत्व है। उन्होंने बताया कि चीन के लगभग 20 विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जा रही है। वैश्विक व्यापार और अंतरराष्ट्रीय संपर्कों ने विश्व को हिंदी सीखने के लिए विवश किया है और हिंदी तेजी से वैश्विक भाषा बनने की दिशा में अग्रसर है।कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) सीताराम सिंह ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने विदेश से पधारे अतिथियों का महाविद्यालय परिवार की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि भारतीयों के व्यक्तित्व विकास में मातृभाषा हिंदी की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। हिंदी हमारी सांस्कृतिक पहचान और विचार अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन हिंदी विभाग के प्रो. अनिल कुमार विश्वकर्मा द्वारा किया गया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अनिता सिंह ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. अम्बरीश कुमार शास्त्री, प्रो. रीना सिंह, प्रो. अमित कुमार, प्रो. कृष्णकांत चंद्र, प्रो. मानव कुमार सिंह, प्रो. शार्दुल विक्रम सिंह, प्रो. विजय कुमार वर्मा, प्रो. हेमंत सिंह, डॉ. अजीज रजा, डॉ. अर्चना सिंह, प्रो. दरक्षा शहनाज, डॉ. शालिनी गुप्ता, डॉ. किरण सिंह, डॉ. अरविंद कुमार पांडे, डॉ. प्रदीप कुमार सहित महाविद्यालय के कर्मचारीगण, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहीं।

ओरंगाबाद जश्न मे अतिक्रमण के विरुद्ध दहाड़ा निगम का बुलडोजर

(मथुरा)

नगर निगम मथुरा–वृंदावन द्वारा शहर के मुख्य मार्गों को अतिक्रमण–मुक्त रखने एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के उद्देश्य से सख्त अभियान चलाया जा रहा है। नगर आयुक्त जग प्रवेश के सख्त निर्देशों के क्रम में शनिवार को औरंगाबाद जोन में पक्के अतिक्रमण के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की हैं।
प्रभारी औरंगाबाद जोन सहायक नगर आयुक्त कल्पना सिंह के

नेतृत्व में वेटनरी कॉलेज से औरंगाबाद मार्केट तक मुख्य मार्ग पर व्यापक अभियान चलाया गया। इस दौरान दुकानदारों एवं मकान मालिकों द्वारा अपनी दुकानों व आवासों के सामने किए गए स्थायी एवं पक्के अवैध निर्माणों को हटाया गया।
अवैध अतिक्रमण के कारण सड़क संकरी हो गई थी जिससे आमजन एवं वाहनों के आवागमन में भारी परेशानी हो रही थी। नगर निगम द्वारा जेसीबी मशीन एवं ट्रैक्टर–ट्रॉली की सहायता से अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर मुख्य मार्ग को पूर्ण रूप से अतिक्रमण–मुक्त कराया गया। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में यातायात व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है तथा राहगीरों और वाहन चालकों ने राहत की सांस ली है।
कार्यवाही के दौरान क्षेत्रीय चौकी इंचार्ज मय पुलिस बल के साथ नगर निगम मथुरा–वृंदावन की ईटीएफ टीम के सदस्य राजेश चौधरी विजयवीर सिंह दीपक शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।
नगर निगम ने अतिक्रमण करने वालों को सख्त चेतावनी दी है कि भविष्य में यदि किसी भी प्रकार का अवैध अतिक्रमण पाया गया तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम प्रशासन द्वारा यह अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगा।

जर्नलिस्ट एशोसिएशन ने दर्ज की शानदार जीत

जौनपुर। नगर के मोहम्मद हसन कॉलेज के मैदान में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में जर्नलिस्ट क्रिकेट क्लब ने दमदार प्रदर्शन करते हुए डॉक्टर्स–11 को 53 रनों से करारी शिकस्त दी। इस मुकाबले के हीरो रहे ओपनर बल्लेबाज शिवम उपाध्याय हरिया, जिन्होंने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए टूर्नामेंट में नया इतिहास रच दिया।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला जर्नलिस्ट क्रिकेट क्लब के कप्तान राजन मिश्रा ने लिया, जिसे उनकी टीम ने पूरी तरह सही साबित किया। पारी की शुरुआत करने उतरे शिवम उपाध्याय ने मैदान के चारों ओर चौकों की बरसात कर दी। उन्होंने महज 37 गेंदों पर 16 चौकों की मदद से नाबाद 76 रन बनाए और दर्शकों को रोमांच से भर दिया। विस्फोटक पारी की बदौलत जर्नलिस्ट क्रिकेट क्लब ने 8 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 101 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह स्कोर अब तक के श्रच्स् टूर्नामेंट का सर्वाधिक स्कोर है। इससे पहले टूर्नामेंट में अधिकतम स्कोर 72 रन था। खास बात यह रही कि शिवम इस टूर्नामेंट में अर्धशतक लगाने वाले पहले खिलाडी भी बन गए।अन्य बल्लेबाजों में आलोक सिंह ने 11 गेंदों में 5 रन बनाए, जबकि सरस सिंह 4 गेंदों में एक चौके की मदद से 6 रन बनाकर नाबाद रहे।'लक्ष्य का पीछा करने में डॉक्टर्स–11 रही बेबस'101 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी डॉक्टर्स–11 की टीम जर्नलिस्ट गेंदबाजों के आगे पूरी तरह संघर्ष करती नजर आई और 8 ओवर में 5 विकेट खोकर मात्र 48 रन ही बना सकी।जर्नलिस्ट टीम की ओर से गेंदबाजी की शुरुआत करते हुए सुशील तिवारी ने पहले ही ओवर में सिर्फ 4 रन देकर विरोधी टीम पर दबाव बनाते हुए
ये साबित कर दिया कि पत्रकारों की कलम के साथ साथ गेंदबाजी में भी धार है।आलोक सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 2 ओवर में एक मेडन समेत 4 रन देकर 2 विकेट झटके।इमरान अब्बास ने 2 ओवर में 11 रन देकर 2 विकेट, जबकि देवेंद्र खरे ने 1 ओवर में 5 रन देकर 1

स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना जरूरी

जौनपुर। समर्पण सेवा समिति के तत्वावधान में गुरुवार 6 फरवरी 2026 को जौनपुर स्थित

जनक कुमारी इंटर कॉलेज में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बडी संख्या में बच्चों, शिक्षकों एवं स्थानीय लोगों ने भाग लिया और अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। एमडी पीडियाट्रिशियन डॉ. सरोज यादव एवं डेंटल सर्जन डॉ. उज्ज्वला ने बच्चों और वयस्कों की स्वास्थ्य जांच की। डॉ. सरोज यादव ने बच्चों के पोषण, टीकाकरण, मौसमी बीमारियों तथा स्वस्थ जीवनशैली पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए, वहीं डॉ. उज्ज्वला ने दांतों की नियमित सफाई, फ्लॉसिंग और समय–समय पर डेंटल जांच की आवश्यकता पर जोर दिया।समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढाना और प्रारंभिक जांच के माध्यम से बीमारियों की पहचान करना था। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी सलाह और जानकारी भी दी गई। समापन पर समिति की ओर से स्वास्थ्य संबंधी टिप्स वितरित किए गए।

ईरान को सबक सिखाने के लिए साम दाम दंड भेद की नीति अपना रहे हैं ट्रंप

यह कदम ऐसे समय आया है जब ओमान में दोनों देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई है। कई सप्ताह की बयानबाजी और धमकियों के बाद शुरू हुई यह बातचीत तनाव कम करने की कोशिश मानी जा रही है, पर जमीन पर हालात अब भी तने हुए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच तनातनी चरम पर होने के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया कार्यकारी आदेश जारी कर उन सभी देशों पर अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने की चेतावनी दी है जो ईरान के साथ किसी भी तरह का व्यापार जारी रखेंगे। आदेश में शुल्क की दर तय नहीं की गई है, पर उदाहरण के तौर पर पच्चीस प्रतिशत का जिक्र है। साफ कहा गया है कि जो भी देश सीधे या परोक्ष रूप से ईरान से सामान या सेवा खरीदेगा, उस पर यह शुल्क लगाया जा सकता है। ट्रंप ने अलग से बयान देते हुए दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलना चाहिए।यह कदम ऐसे समय आया है जब ओमान में दोनों देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई है। कई सप्ताह की बयानबाजी और धमकियों के बाद शुरू हुई यह बातचीत तनाव कम करने की कोशिश मानी जा रही है, पर जमीन पर हालात अब भी तने हुए हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ओमान में वार्ता को अच्छी शुरुआत बताया, लेकिन साथ ही कहा कि अविश्वास का माहौल गहरा है, खासकर इसलिए कि हाल ही में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। ट्रंप ने भी वार्ता को बहुत अच्छी

बताया, पर साथ में चेतावनी जोड़ी कि यदि समझौता नहीं हुआ तो नतीजे बहुत सख्त होंगे। अमेरिका का कहना है कि वह केवल परमाणु कार्यक्रम नहीं, बल्कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम, सशस्त्र समूहों को समर्थन और अपने नागरिकों के साथ व्यवहार जैसे मुद्दे भी बातचीत में शामिल करना चाहता है। दूसरी ओर तेहरान का रुख साफ है कि चर्चा केवल परमाणु कार्यक्रम पर होगी और उसे यूरेनियम संवर्धन का अधिकार मिलना चाहिए। ईरान का दावा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है और वह हथियार बनाने की कोशिश नहीं कर रहा।हम आपको बता दें कि इस तनातनी की जड़ें पिछले एक दशक में लिए गए फैसलों में हैं। वर्ष 2015 के परमाणु समझौते के तहत ईरान को सीमित स्तर तक यूरेनियम संवर्धन की अनुमति थी और उस पर सख्त निगरानी थी। बदले में उस पर लगे कई प्रतिबंध हटाए गए थे। लेकिन ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में वर्ष 2018 में इस समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया था और कठोर प्रतिबंध फिर लगा दिए थे। तेल निर्यात, जहाजरानी और बैंक तंत्र पर पाबंदियों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को भारी चोट दी। जवाब में ईरान ने समझौते की कई शर्तों से आगे बढ़ कर संवर्धन करना शुरू कर दिया। बीते वर्षों में हालात और बिगड़े। वर्ष 2020 में ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी अमेरिकी हमले में मारे गए, जिससे टकराव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। फिर संयुक्त राष्ट्र में प्रतिबंध फिर लगाने की कोशिशें हुईं। वर्ष 2025 में अमेरिका ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया, जिसके बाद ईरान ने कतर में एक अमेरिकी ठिकाने पर मिसाइल दागी, हालांकि जान का नुकसान नहीं हुआ। पिछले वर्ष पश्चिमी देशों के प्रयास से संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सैन्य प्रतिबंध फिर लागू हुए।अब ताजा कदम के तहत अमेरिका ने ईरानी तेल और पेट्रो रसायन से जुड़े पंद्रह संस्थानों और कई जहाजों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। उधर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा मंत्रिमंडल की बैठक बुलाकर ईरान को चेताया कि किसी भी हमले का जोरदार जवाब मिलेगा। उनका कहना है कि अमेरिका के साथ तालमेल बहुत गहरा है, इसलिए अंतिम फैसला ट्रंप ही करेंगे। ट्रंप ने भी कहा है कि ईरान बातचीत इसलिए कर रहा है क्योंकि वह अमेरिकी हमले से बचना चाहता है और अमेरिकी नौसैनिक बेड़ा इलाके में आगे बढ़ रहा है।सवाल यह है कि क्या यह पूरी कवायद शांति की राह है या दबाव की राजनीति का नया दौर? ट्रंप का शुल्क हथियार दरअसल आर्थिक घेराबंदी का विस्तार है। संदेश साफ है कि जो ईरान से नाता रखेगा, वह अमेरिकी बाजार से हाथ धो सकता है। यह नीति कई देशों को कठिन दुविधा में डालेगी, खासकर वे देश जो ऊर्जा जरूरतों के लिए ईरानी तेल पर निर्भर हैं। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री रास्तों की सुरक्षा और पश्चिम एशिया की सामरिक स्थिरता पर सीधा असर पड़ेगा।सामरिक दृष्टि से यह रस्साकशी खतरनाक है। एक ओर बातचीत चल रही है, दूसरी ओर युद्ध की तैयारी जैसे संकेत दिए जा रहे हैं। बेड़े की तैनाती, मिसाइल की चर्चा और प्रतिबंधों की बौछार मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं जहां एक छोटी चिंगारी भी बड़े संघर्ष में बदल सकती है। ईरान भी झुकने के मूड़ में नहीं दिखता और वह बार बार अपने अधिकार की बात दोहरा रहा है।बहरहाल, हकीकत यह है कि न तो केवल दबाव से समाधान निकलेगा, न केवल बयान से। यदि दोनों पक्ष सच में टकराव टालना चाहते हैं तो उन्हें भरोसे की बहाली, चरणबद्ध रियायत और स्पष्ट लक्ष्यों की राह पकड़नी होगी।

सम्पादकीय

भारत और ईयू वार्ता

डॉनल्ड ट्रंप के मूड के हिसाब से कभी बंद, तो कभी खुलते अमेरिकी बाजार के दरवाजों से परेशानी के दौर में भारत और ईयू ने उस वार्ता को अंजाम तक पहुंचाया है, जो 19 वर्षों से खिंच रही थी।डॉनल्ड ट्रंप के प्रहार झेल रही दुनिया में भारत और यूरोपियन यूनियन (ईयू) ने मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करके मजबूत संदेश दिया है। ट्रंप के मूड के हिसाब से कभी बंद, तो कभी खुलते अमेरिकी बाजार के दरवाजों से परेशानी के दौर में दोनों पक्षों ने उस वार्ता को अंजाम तक पहुंचाया है, जो 19 वर्षों से खिंच रही थी। इसके बावजूद एफटीए के लागू होने में अभी कम–से–कम एक वर्ष लगेगा। इसके तहत मिलने वाली रियायतों के संपूर्णतरू लागू होने में तो सात साल लगेंगे। ईयू में ऐसे समझौतों पर मुहर लगने की प्रक्रिया दुरूह है। मसलन, अब समझौते के प्रारूप का वहां प्रचलित 24 भाषाओं में अनुवाद होगा। संबंधित देशों की हरी झंडी मिलने के बाद यूरोपीय संसद उसे पारित करेगी। उस प्रक्रिया से होकर निकले प्रारूप पर तब जाकर दस्तखत हो पाएंगे। चूंकि विवादास्पद मुद्दों को फिलहाल एफटीए से अलग रखा गया है, इसलिए संभावना है कि उपरोक्त प्रक्रियाएं निर्बाध पूरी हो जाएंगी। कृषि, निवेश संरक्षण, कार्बन टैक्स आदि फिलहाल एफटीए में शामिल नहीं हैं। पिछले वित्त वर्ष में भारत और ईयू के बीच व्यापार 136.5 बिलियन डॉलर का था। एफटीए लागू होने के बाद इसमें 41– 65 प्रतिशत तक वृद्धि होने का अनुमान है। अमेरिका के लगाए टैरिफ से भारत के जीडीपी को 1.6 फीसदी नुकसान का अंदाजा लगाया गया था। संभावना है कि उसमें से लगभग आधे की भरपाई ईयू से बढ़ने वाले व्यापार से हो जाएगी। इससे ईयू के वस्त्र बाजार में भारतीय उत्पाद बांग्लादेश और पाकिस्तान के उत्पादों का बाजार छीन पाएंगे।

मगर महंगे वाहनों, नासपाती, कीवी, स्टील, फूड प्रोसेसिंग आदि के भारतीय कारोबार पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ेगा। बहरहाल, बदलती हुई दुनिया में निर्यात केंद्रित अर्थव्यवस्थाएं ऐसे ही उपायों से अपनी मुश्किलों से निकलने की जद्दोजहद कर रही हैं। पिछले हफ्ते दावो में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने आह्वान किया था कि मध्यम श्रेणी की ताकतें उत्पीड़न से बचने के लिए मिल–जुल कर रास्ता निकालें। उसी तरह की एक राह निकालने की कोशिश भारत–ईयू ने की है। इससे भविष्य को लेकर फिलहाल माहौल में सकारात्मकता आई है। इसमें एक मजबूत संदेश निहित है।

जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा को अंजाम दिया, वही प्रशिक्षण लेकर सीख रहे हुनर

अगर कुछ कर गुजरने का जज्बा मन में हो तो जीवन में हर काम आसान हो जाता है। इस कथन को आत्मसमर्पित माओवादियों ने चरितार्थ किया है। जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा की राह अख्तियार किया था, आज उन्हीं हाथों को राज्य की नक्सल पुनर्वास नीति के तहत कुशल और दक्ष बनाने की कवायद जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है। शासन की मंशानुसार ग्राम चौगेल (मुल्ला) कैंप में प्रशिक्षण देकर च्हिंसा से हुनरय की ओर लौटे माओवादियों को नया जीवनदान मिल रहा है।आजीविका मूलक गतिविधियों का दिया जा रहा है प्रशिक्षणकभी माओवाद गतिविधियों में संलिप्त रहे युवक–युवतियों को अब ड्राइविंग, सिलाई, काष्ठशिल्प कला, सहायक इलेक्ट्रिशियन जैसे विभिन्न ट्रेड में सतत् प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे समाज की मुख्य धारा में लौटने के बाद आजीविका मूलक गतिविधियों में कुशल होकर बेहतर ढंग से सम्मान पूर्वक जीवन निर्वाह कर सके।
चौगेल कैंप परिसर बना कौशलगढ़

वर्षों से लाल आतंक के साए में हिंसा का दंश झेल रहा बस्तर संभाग अब विकास की ओर शनैरू–शनैरू आगे बढ़ रहा है और माओवाद का दायरा धीरे–धीरे सिमटता जा रहा है। छत्तीसगढ़ सहित देश को माओवाद से मुक्ति दिलाने केंद्र सरकार के संकल्प को पूरा करने प्रदेश सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। वहीं हथियार उठाने वालों को भविष्य गढ़ने का सुनहरा अवसर भी सरकार द्वारा दिया जा रहा है। आत्मसमर्पितध्पीड़ित नक्सल पुनर्वास नीति–2025 के अंतर्गत उन्हें विभिन्न सृजनात्मक और रोजगारमूलक गतिविधियों के तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भानुप्रतापपुर विकासखंड से लगे ग्राम चौगेल (मुल्ला) का बीएसएफ कैम्प परिसर श्कौशलगढ़्य बन गया है, जहां समाज की मुख्यधारा में लौटे 40 आत्मसमर्पित माओवादियों को अलग–अलग पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जा रहा है, साथ ही उन्हें शिक्षित भी किया जा रहा है। आवश्यकतानुसार कक्षा पहली से आठवीं तक के पाठ्यक्रमों का नियमित अध्ययन कराया जा रहा है, जिसमें रूचि लेते हुए सभी आत्मसमर्पित माओवादी अपने भविष्य को पूरी शिद्दत से गढ़ने में संलग्न हैं। 20–20 का बैच बनाकर उन्हें हुनरमंद बनाने के सतत प्रयास किए जा रहे हैं। ड्राइविंग सीखने का शौक अब पूरा हो रहा– मनहेर तारम चारपहिया वाहन चालन का प्रशिक्षण ले रहे आत्मसमर्पित माओवादी 40 वर्षीय श्री मनहेर तारम ने बताया कि पिछले दो सप्ताह से उन्हें ड्रायविंग की ट्रेनिंग दी जा रही है, जिसे वे पूरी रूचि के साथ सीख रहे हैं। ट्रेनर द्वारा स्टेयरिंग थामने से लेकर क्लच, ब्रेक व एक्सिलरेटर का प्रयोग करना सिखाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ड्रायविंग सीखने की चाहत अब पूरी हो रही है। इसके अलावा सिलाई और काष्ठशिल्प का प्रशिक्षण कैम्प में दिया जा रहा है। इसी तरह श्री नरसिंह नेताम ने बताया कि वह भी फोरव्हीलर की ड्रायविंग में अपना हाथ आजमा रहे हैं तथा यहां आकर ऐसी गतिविधियों से जुड़ रहे हैं, जिससे आगे का जीवन बेहतर हो सके। 19 साल के सुकदू पद्दा ने बताया कि यहां पिछले तीन महीने से ट्रेनिंग ले रहे हैं और खुद को आजीविका मूलक कार्यों से जोड़ रहे हैं, जबकि वह निरक्षर है। वहीं 19 वर्ष की कु. काजल वेड़दा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का अनुभव साझा करते हुए कहा कि यहां आकर अलग–अलग पाठ्यक्रमों में नियमित रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्हें बचपन से कपड़ों की सिलाई करने की इच्छा थी, यहां आकर वह भी पूरी हो रही है।

संसद की गरिमा को बचाने की जरूरत

हाल ही में लोकसभा में हुए अभूतपूर्व हंगामे ने संसदीय मर्यादाओं को तार–तार कर दिया है, जहाँ प्रधानमंत्री को भी सदन को संबोधित करने से रोका गया, जो नेहरू–वाजपेयी द्वारा स्थापित संवाद की परंपरा के क्षरण और लोकतंत्र के लिए एक निराशाजनक संकेत है।देश की संसद हमारे लोकतांत्रिक आचरण, संसदीय मर्यादाओं और संवाद की शुचिता का केंद्र होनी चाहिए। जहां संवाद से संकटों के हल खोजे जाएं। लेकिन पिछले दो दिनों में लोकसभा में जो हुआ,वह बहुत निराशाजनक है। सदन के नेता प्रधानमंत्री ही अगर अपने सदन को संबोधित न कर सकें, इससे ज्यादा निराश करने वाली बात क्या हो सकती है। ये हुआ , सबने देखा। यह संसदीय मर्यादाओं के तार–तार होने का भी समय है। जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को यह अपील करनी पड़ी कि प्रधानमंत्री लोकसभा में न आएं और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब न दें। लोकसभा अध्यक्ष ने किस तरह की आशंकाओं के कारण ऐसा कहा होगा, इसे समझा जा सकता है। इसके पहले सदन में हुए हंगामे, कागज फाड़कर आसंदी पर फेंकने जैसे दृश्य तो संसद ने अनेक बार देखे हैं। बावजूद इसके एक अभूतपूर्व दृश्य भी लोकसभा ने देखा जब लगभग सात महिला सांसद प्रधानमंत्री के आसन तक जा पहुंचीं। क्या हो सकता था, इसका अनुमान लगाना ठीक नहीं। किंतु बाद में लोकसभा अध्यक्ष ने जो कुछ कहा वह बताता है, संसदीय मर्यादाओं की सीमाएं लांघते हुए हमारे सांसद दिखे। परंपरा रही है कि धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब आमतौर पर प्रधानमंत्री देते हैं । इसकी न सिर्फ अपेक्षा रहती है बल्कि प्रतीक्षा भी आखिर सरकार के मुखिया क्या कहते हैं। स्थापित मान्यता यहां टूटती दिखी। प्रधानमंत्री लोकसभा को संबोधित नहीं कर सके। राज्यसभा में भी उनका भाषण विपक्ष की गैरमौजूदगी में हुआ। संसदीय लोकतंत्र में विरोध और संवाद साथ –साथ चलते हैं। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संसद में पहले दिन से बहस और संवाद की संस्कृति को संरक्षित किया। वे यह चाहते थे अच्छे लोग संसद में आएं और संसदीय बहसों का स्तर ऊंचा हो। अपने विरोधी सांसदों की भी वे प्रशंसा करते हुए नजर आते हैं। दिग्गज सांसद राममनोहर लोहिया से लेकर युवा सांसद अटल बिहारी बाजपेई को भी उन्होंने ध्यान से सुना। यह परंपरा बाद के प्रधानमंत्रियों ने भी बनाए रखी। विपक्ष भी अपने आचरण में मर्यादित रहा। संसद हमारे लोकतांत्रिक स्वभाव का आईना बनी रही। आपातकाल लागू होने के बाद क्षरण जरूर हुआ किन्तु बाद के दिनों में सब कुछ संभल गया। नरसिंहराव, चंद्रशेखर, अटलजी स्वयं बड़े संसदविद् थे और सदन गरिमा के साथ चलता रहा। कड़ी आलोचना के साथ , संवाद कायम रहा। पिछले कुछ समय से संवाद बंद है और कटुता बहुत बढ़ गई है। संसद शब्द की हिंसा का केंद्र बन गयी है। अपने सहयोगी सांसद को गद्दार की संज्ञा देना जैसे उदाहरण किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए यह शुभ नहीं है। यह सही बात है कि सदन को

चलाना सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन विपक्षी दलों के सहयोग के बिना सदन नहीं चल सकता यह भी सच है। सदन में मिले विशेषाधिकार का लाभ लेकर सांसदों द्वारा हमारे महान दिवंगत नेताओं को कोसना , उनके जीवन के निजी पक्षों को किताबों के संदर्भ देकर उठाना कितना उचित है? इसके साथ ही बिना तथ्यों के किसी अनछपी किताब के उदाहरण से सरकार को घेरने की कोशिश भी बचकानी ही है। बजट सत्र संसद का बहुत महत्व का सत्र होता है। जिसमें हम अपने देश के आगामी एक साल के सपनों, आकांक्षाओं, आर्थिक भविष्य का खाका खींचते हैं। ऐसे सत्र का समय नष्ट करके हमें क्या हासिल होगा, समझना मुश्किल है। मुद्दे की बात यह भी है कि क्या हमारे सांसद स्वस्थ बहस चाहते हैं? क्या क्षणिक राजनीतिक सुर्खियों के लिए हम समाज के वृहत्तर प्रश्नों की उपेक्षा नहीं कर रहे हैं। दिवंगत नेताओं की चरित्रावली का वाचन करके हम कौन से मूल्य स्थापित कर रहे हैं? कभी नेता प्रतिपक्ष ने वीर सावरकर पर सवाल खड़े करके जो गलत परंपरा डाली , अब दूसरे सांसद बोरे में किताबें लाकर उनके अंश पढ़ रहे हैं। इससे हमें क्या हासिल होगा? नेहरू जी, श्रीमती इंदिरा गांधी, अटल जी इस देश के महान नेता रहे हैं, उनके देहावसान के बाद ऐसी गलीज बातें राजनीतिक कार्यकर्ताओं को नहीं करनी चाहिए। मृत्यु के बाद हम पुरखों के सद्गुण याद करते हैं। उनके प्रदेय और योगदान पर गर्व करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। किंतु हम किस रास्ते पर चल पड़े हैं? आजादी के इतने सालों बाद संसदीय बहस और संसदीय मर्यादाओं का स्तर ऊंचा करने के बजाय हम इसे रसातल में ले जा रहे हैं। कितना अच्छा होता कि हमारे सांसद यह समझ पाते कि देश की जनता ने उन्हें किन उम्मीदों से संसद में भेजा है। अगर सांसद ही तय लेंगे कि संसद नहीं चलेगी, तो उसे कौन चला सकता है। सांसद होना साधारण नहीं है, देश के 1 अरब, 40 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं के प्रतिनिधियों का आचरण प्रश्नचिन्ह की तरह हमारे सामने है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी राजनीतिक दल ऐसे निराशाजनक दृश्यों से संसद को बचाने के लिए सोचेंगे।

सीपीआई के आधार वर्ष में बदलावरू क्या बदला है और यह क्यों जरूरी है

सौरभ गर्ग

महंगाई देश के सबसे अहम आर्थिक संकेतकों में से एक है, जिसे आम लोग रोजमर्रा की जिंदगी में सीधे महसूस करते हैं, जैसे घर का राशन, किराया और पेट्रोल–डीजल के खर्च में बढ़ोतरी से।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) इसी महंगाई को मापता है। यह उन चीजों और सेवाओं के दाम देखता है, जिनका इस्तेमाल आम परिवार रोज करता है। सरल शब्दों में सीपीआई आम आदमी की जिंदगी का आईना है। यह बताता है कि थाली में खाने का खर्च कितना बढ़ा, घर का किराया कितना हुआ, और काम पर जाने के लिए ईंधन कितना महंगा हुआ।सीपीआई भले ही एक आंकड़ा लगता हो, लेकिन यह सरकार को यह समझने में मदद करता है कि लोगों पर महंगाई का असली असर क्या है। इसी आधार पर वेतन, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े फैसले किए जाते हैं, ताकि जरूरी चीजें आम लोगों की पहुंच में बनी रहें।भारतीय रिजर्व बैंक भी ब्याज दर और महंगाई को नियंत्रित करने जैसे फैसलों के लिए सीपीआई आधारित महंगाई को ही सबसे मुख्य पैमाना मानता है। इसलिए जब सीपीआई जमीन की हकीकत सही तरीके से दिखाता है, तब सरकार और आरबीआई की नीतियाँ भी लोगों की असली परेशानियों के अनुसार बेहतर बन पाती हैं।महंगाई सिर्फ दाम बढ़ने का नाम नहीं है, बल्कि यह भी है कि दामों में बदलाव से घर के बजट पर कितना असर पड़ता है। इसलिए जितना जरूरी दामों को मापना है, उतना ही जरूरी यह भी है कि महंगाई का सूचकांक लोगों की आज की खर्च करने की आदतों को सही तरीके से दिखाए। इसी संदर्भ में भारत में सीपीआई के आधार वर्ष को 2012 से बदलकर 2024 किया जा रहा है।पिछली बार आधार बदले जाने के बाद देश की अर्थव्यवस्था में बहुत बदलाव आया है। शहरों की आबादी बढ़ी है, सेवाओं का क्षेत्र बढ़ा है, डिजिटल प्लेटफॉर्म के कारण खरीदारी का तरीका बदला है और घरों का खर्च अब कई नई चीजों पर होने लगा है।इसीलिए नया सीपीआई 2024 तैयार करने में 2023–24 के घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है।समय के साथ लोगों की जरूरतें और खर्च बदलते हैं, इसलिए सीपीआई में अलग–अलग वस्तुओं और सेवाओं को दी जाने वाली अहमियत भी बदली गई है। जिन चीजों पर अब परिवार ज़्यादा खर्च करते हैं, उन्हें सीपीआई में ज़्यादा महत्व दिया गया है,और जिन पर खर्च कम हो गया है, उन्हें कम महत्व दिया गया है। इससे सीपीआई वही महंगाई दिखाता है, जो सच में आम परिवार के बजट को प्रभावित करती है। साथ ही, उपभोग की टोकरी (कंजम्पशन बास्केट) को भी बदला गया है, ताकि सेवाओं पर बढ़ते खर्च जैसे नए रुझान दिखाई दे सकें, जो बढ़ती आय और बदलती जीवनशैली की वजह से बढ़ रहे हैं। सीपीआई को मापने का तरीका अपडेट करना भी उतना ही जरूरी है, जितना यह तय करना कि उसमें क्या–क्या शामिल किया जाए।नया संशोधित सीपीआई अब अंतरराष्ट्रीय मानकों के ज्यादा करीब है, लेकिन इसमें भारत से जुड़ी खास बातें भी बनी हुई हैं। इससे भारत की महंगाई की तुलना दूसरे देशों से करना आसान हो जाता है।आम परिवार के लिए इसका मतलब यह है कि सरकार और नीति बनाने वाले लोग यह बेहतर समझ पाते हैं कि भारत में दामों में होने वाला बदलाव दुनिया के हालात से कैसे जुड़ा है, और साथ ही यह भी ध्यान रहता है कि रोजमर्रा की जिंदगी पर क्या असर पड़ रहा है।सीपीआई के लिए आंकड़े जुटाने का तरीका भी अब लोगों की बदलती खरीदारी और खर्च की आदतों के अनुसार बेहतर बनाया गया है। जहां पहले की तरह बाजारों से दाम इकट्ठा किए जाते रहेंगे, खासकर खाने–पीने और जरूरी चीजों के, वहीं 2024 के नए ढांचे में अब कुछ सेवाओं के ऑनलाइन दाम भी शामिल किए जा रहे हैं। जैसे मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं, हवाई टिकट और कुछ अन्य सेवाओं के दाम अब ऑनलाइन स्रोतों से भी लिए जाएंगे। नई सीपीआई श्रृंखला में अब कंप्यूटर की मदद से दाम इकट्ठा किए जा रहे हैं। इससे हाथ से होने वाली गलतियाँ कम हुई हैं और तुरंत जाँच भी हो जाती है। इससे दामों से जुड़े आंकड़ों की गुणवत्ता और समय पर उपलब्धता दोनों बेहतर हुई हैं। सीपीआई के आंकड़े सही और समय पर मिलना बहुत जरूरी है, क्योंकि इसी के आधार पर ऐसे फैसले होते हैं, जो सीधे आम आदमी की जिंदगी को प्रभावित करते हैं, जैसे कर्ज कितना महंगा होगा, बचत पर कितना ब्याज मिलेगा, और बढ़ती महंगाई से घर का बजट कैसे प्रभावित होगा।ए आधार वर्ष की सीपीआई में अब कई मामलों में सरकारी स्रोतों से मिलने वाले आधिकारिक आंकड़ों का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है। जैसे रेल किराया, डाक शुल्क, ईंधन के दाम और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत बिकने वाली चीजें। इससे इन दामों को पहले से ज्यादा सही तरीके से दर्ज किया जा रहा है और बाजार सर्वे में होने वाली गलती या पक्षपात की संभावना भी कम हो जाती है।अब सर्वे के आंकड़े, सरकारी रिकॉर्ड और डिजिटल माध्यमों से मिलने वाले दाम, तीनों को मिलाकर सीपीआई तैयार की जा रही है। यह पुरानी व्यवस्था की तुलना में बड़ा सुधार है और इससे दामों में होने वाले बदलाव की ज्यादा भरोसेमंद तस्वीर मिलती है।इतने बड़े स्तर पर सीपीआई के आधार वर्ष में बदलाव करना एक बहुत बड़ा संस्थागत प्रयास होता है। इसमें देश भर के फील्ड दफ्तरों, सांख्यिकी विभागों और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ संस्थाओं के बीच तालमेल जरूरी होता है। इस पूरी प्रक्रिया में मेथडोलॉजी की गहराई से जाँच की जाती है, अलग–अलग विकल्पों को परखा जाता है और अर्थशास्त्रियों व विषय–विशेषज्ञों से सलाह ली जाती है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने विशेषज्ञ समूहों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और अन्य संबंधित पक्षों से बातचीत की है, ताकि किए गए बदलाव साफ, समझने में आसान और वैज्ञानिक रूप से सही हों।टोकरी, वेटेज और आंकड़ों के स्रोत बदलने के बाद भी सीपीआई का मूल उद्देश्य वही रहता है–यानी एक परिवार की नजर से दामों में होने वाले बदलाव को दिखाना। यह निरंतरता इसलिए जरूरी है, ताकि हम समय के साथ महंगाई की तुलना कर सकें।सीधे शब्दों में, सीपीआई को बेहतर बनाया जा रहा है, लेकिन उसे रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़कर ही रखा गया है, ताकि वह नीति बनाने वालों के लिए एक भरोसेमंद मार्गदर्शक बना रहे।सीपीआई हमें यह याद दिलाता है कि हर आंकड़े के पीछे करोड़ों लोगों की असली जिंदगी छिपी होती है। आखिरकार, आंकड़े लोगों के लिए ही होते हैं। यह चुपचाप यह दिखाता है कि दामों में बदलाव हमारी रोजमर्रा की जिंदगी को कैसे प्रभावित करता है और सरकार की नीतियों को दिशा देता है।

आधार वर्ष में चल रहे संशोधन के जरिये सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने यह सुनिश्चित किया है कि सीपीआई सही, समय के अनुसार अपडेट और लंबे समय तक एक–जैसे तरीके से मापा गया रहे।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज कुछ मुश्किलें रहेंगी, लेकिन आप सकारात्मक सोच रख कर उनका हल निकाल लेंगे। घर में व्यवस्था बनाए रखने तथा रखरखाव संबंधी कार्यों में व्यस्तता रहेगी।

वृष राशि–
आज आपका दिन लाभदायक रहगा। अपनी काबिलियत के दम पर अच्छे लोगों के साथ रिश्ते को मजबूत बनायेंगे। किसी भी कार्य में दूसरों की मदद से अपेक्षा न करें तथा अपनी योग्यता पर ही विश्वास रखें, आपको निश्चित फायदा होगा ।

मिथुन राशि–
आज आपका दिन एक नई उमंग लेकर आयेगा। इस राशि की महिलाएं अपने मान–सम्मान को लेकर विशेष रूप से सजग रहेंगी तथा दूसरों की बातों में न आकर अपने निर्णय को ही प्राथमिकता देगी।

कर्क राशि–
आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। कारोबारी गतिविधियों में समय अनुसार बदलाव की जरूरत है। इलेक्ट्रॉनिक्स का सामान खरीदने का विचार बना रहे, लोगों के लिए आज अच्छा समय है।

सिंह राशि–
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज कुछ अच्छे लोगों से आपकी मुलाकात हो सकती है। किसी काम में उनकी मदद भी मिलेगी।

कन्या राशि–
आज आपका दिन शानदार रहेगा। जॉब के लिए आपको किसी अधिकारी का पूरा सहयोग मिलेगा। तरक्की के नए रास्तें खुलेंगे।

तुला राशि–
आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज अनावश्यक खर्चों पर कटौती करने से आपकी आर्थिक समस्या काफी हद तक सुलझ सकती है।

वृश्चिक राशि–
आज का दिन बेहतर रहेगा। आप अपने विनम्र व्यवहार से सबका दिल जीतेंगे । किसी भी चुनौती का आप सूझबूझ से समाधान निकाल लेंगे।

धनु राशि–
आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। प्रियजनों से मिलना आपके लिए खुशी का माहौल बनाएगा। आपको आपकी मनपसन्द वस्तु मिलेगी

मकर राशि–
मकर राशि वालों आज का दिन घूमने फिरने में बितेगा। आज अफवाहों पर ध्यान न देकर अपने कामों पर फोकस करें।

कुम्भ राशि–
आज आपका दिन बेहद खुशनुमा रहेगा। आज अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद आप परिवार और व्यवसाय में उचित सामंजस्य बनाकर रखेंगे।

मीन राशि–
आज आपका दिन सुनहरा रहेगा। वरिष्ठ जनों का मार्गदर्शन मिलने की वजह से कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में आपको आसानी

तेरह दिन बाद भी परिषदीय विद्यालय में हुई चोरी का नहीं दर्ज हुआ मुकदमा

मड़िहान, मीरजापुर। मड़िहान थाना क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय मड़िहान में तेरह दिन पहले ताला तोड़कर इलेक्ट्रानिक उपकरणों की हुई चोरी की शिकायत के बाद भी थाने में नहीं दर्ज हुआ मुकदमा। कंपोजिट विद्यालय मड़िहान की प्रधानाध्यापिका विनीता सिंह ने 24 जनवरी को मड़िहान थाने में लिखित तहरीर दी थी कि उनके विद्यालय के एक कक्ष का ताला 23 जनवरी की रात तोड़कर उसमें रखे हजारों रुपए की लागत के इलेक्ट्रानिक उपकरण में चार एक्साइड ट्यूबलर बैटरी,5.2 के वि ए का इनवर्टर,गोदरेज कंपनी की एक एसी ,दो कैमरे चोर उठा ले गए है।जिसकी सूचना 112 पुलिस को भी दी गई थी।मौके पर पहुंची पीआरबी पुलिस जांच कर वापस लौट गई।मड़िहान थाने में 24 जनवरी को लिखित तहरीर देने के बाद भी पुलिस ने मुकदमा दर्ज करना मुनासिब तक नहीं समझा। प्रधानाध्यापिका के पति अनिल सिंह (ग्रीन गुरु जी)ने बताया कि पत्नी विनीता सिंह की अभी तबीयत खराब है।उनको थाने पर ले जाकर लिखित तहरीर दिलवाया था।तहरीर देने के बाद भी मड़िहान पुलिस मौके पर भी नहीं पहुंची।अदानी फाउंडेशन ने लाखों रुपए खर्च कर विद्यालय में सोलर प्लेट के साथ बैटरी,इनवर्टर बच्चों के आनलाइन शिक्षा हेतु इंट्रेक्टिव पैनल लगवाया था।परंतु कुछ ही महीने बाद अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर उक्त सामान उठा ले गए।जिससे बच्चों के पठन पाठन पर असर पड़ रहा है।चोरी की सूचना खंड शिक्षाधिकारी के साथ अदानी ग्रुप को दे दी गई है। विद्यालय के सहायक अध्यापक कुलदीप सिंह ने बताया कि कुल 192 बच्चों का नामांकन दर्ज है।विद्यालय में लगाए गए इंट्रेक्टिव पैनल पर बच्चों को किताबी ज्ञान के ऊपर देश दुनिया की जानकारी देने में आसानी होती थी।और बच्चे भी जल्दी सीखते थे।छात्रों में सुजीत, साक्षी, रंजना, कृष्णकुमार, संजना, रिया, अरुण, श्यामजी ने बताया कि सोलर लाइट और इनवर्टर की लगने से लाईट व्यवस्था मिलती रहती थी। टच स्क्रीन इंट्रेक्टिव पैनल पर आराम से किसी भी जानकारी को प्राप्त कर सीखने में सहायक था।

परंतु विद्युत उपकरण चोरी हो जाने के चलते अब लाइट नहीं मिलने के चलते कक्ष को बंद कर दिया गया है।जिसके चलते पढ़ाई भी बाधित हो रही है।पहले जहां स्क्रीन पर पढ़ाई होती थी।वही आज फिर से ब्लैक बोर्ड पर पढ़ना पड़ रहा है।

सोने की जंजीर छीनकर भागने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के पटेहरा गांव स्थित स्वामी राधे चौतन्य महाविद्यालय में बीते 4 फरवरी को शादी समारोह में शामिल होने गई महिला के गले से सोने की चेन छीनकर भागने वाले युवक को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।देवहट गांव निवासी सुभाष सोनी की पुत्री कोमल सोनी की शादी अमेठी जनपद में हुई है। बीते चार फरवरी को रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में शामिल होने के लिए मायके आई थी। जहां शादी समारोह के दौरान एक युवक झपट्टा मारकर गले से चेन छीनकर भाग निकला था।इस संबंध में महिला के भाई मनीष सोनी निवासी देवहट ने गुरुवार की रात थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई थी। कार्यवाहक थानाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह एस आई त्रिलोचन प्रताप सिंह,हेड कांस्टेबल बिजेंद्र राय ने तत्परता दिखाते हुए चौबीस घंटे के भीतर आरोपित वकील कोल निवासी पटेहरा को पटेहरा गांव स्थित गेट के पास से गिरफ्तार कर लिया।छिनैती करने वाले युवक ने अपने घर के पास जमीन में सोने की चेन को गाड़ दिया था। युवक ने घर के सामने मिट्टी में छिपाकर रखे सोने की चेन को निकालकर पुलिस को सौंप दिया। इस संबंध में कार्यवाहक थानाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने बताया कि महिला के गले से सोने की चेन को बरामद करते हुए चेन छीनकर भागने वाले युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

नये ग्राम प्रधान के लिए प्रस्तावित हुआ नाम

मीरजापुर। लालगंज तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत धोबहा देवघटा (सोनबरसा) के पंचायत भवन में हुई बैठक में ग्राम पंचायत सदस्य राम आसरे सिंह को मतदान के बाद ग्राम प्रधान पद के लिए प्रस्तावित किया गया है। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट महेंद्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में ग्राम पंचायत के मौजूद 12 सदस्यों में दो सदस्यों ने प्रधान पद के लिए अपनी दावेदारी पेश की थी। जिसमें कराए गए मतदान में राम आसरे सिंह को 7 मत और निर्मला को 5 मत मिले। दो मतों से विजेता राम आसरे सिंह को प्रधान पद की जिम्मेदारी की बीडीओ आईएएस अंशुल हिंदल ने घोषणा किया। इस अवसर पर धोबहा देवघटा, सचिव अल्केश कुमार मौर्य, एडीओ पंचायत अजय शंकर व ग्रामीण मौजूद रहे। बता दें कि सोनबरसा के ग्राम प्रधान श्याम बहादुर पटेल पर गौशाला संचालन में अनियमितता तथा पशु तस्करी में लिप्त होने के बाद पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। जिस पर जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने कार्रवाई करते हुए ग्राम प्रधान को पद से मुक्त करते हुए ग्राम सचिव और पशुधन विकास अधिकारी को निलंबित कर दिया गया था। जिसके बाद ग्राम प्रधान का पद रिक्त चल रहा था। बीडीओ आईएएस अंशुल हिंदल ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश पर ग्राम सदस्यो की हुई बैठक में सदस्य राम आसरे सिंह के नाम का प्रस्ताव पारित कर लिया गया है जिसे अनुमोदन के लिए डीएम के पास भेज दिया गया है।

पिता की मौत के 11 घंटे बाद बेटे की मौत मेरठ में ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, हादसे में भाई घायलय जयपुर से लौट रहे थे

सरधना, मेरठ। मेरठ के सरधना थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह करीब 9 सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। युवक अपने पिता के निधन की सूचना पर जयपुर से मुजफ्फरनगर स्थित अपने घर लौट रहा था। हादसे में उसका भाई घायल हो गया।मृतक की पहचान मुजफ्फरनगर की इमरान कॉलोनी सरवट निवासी शुऐब पुत्र हनीफ के रूप में हुई है। शुऐब अपने भाई शाहवेज के साथ जयपुर में फर्नीचर का काम करता था। मंगलवार रात करीब 10 बजे उनके पिता हनीफ का हार्ट अटैक से निधन हो गया था।सूचना मिलने पर परिजन और सरधना के रिश्तेदार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना मिलने पर परिजन और सरधना के रिश्तेदार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।घर के लिए निकले थे दोनों भाईबेटे शाहवेज ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि हमारे पिता का कल देर रात इंतकाल हो गया था। मौत की सूचना मिलने पर हम दोनों भाई बाइक से मुजफ्फरनगर की इमरान कॉलोनी सरवट घर के लिए निकले थे। बुधवार सुबह करीब पौने 9 बजे कांवड़ मार्ग स्थित छोटी मढियाई गांव के सामने पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे भाई शुऐब की मौत हो गई।बेटे शाहवेज ने बताया कि पिता का कल देर रात इंतकाल हो गया था। दोनों भाई बाइक से घर के लिए निके थे। तभी ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। बेटे शाहवेज ने बताया कि पिता का कल देर रात इंतकाल हो गया था। दोनों भाई बाइक से घर के लिए निकले थे। तभी ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी।शुऐब की मौके पर ही मौतहुए टक्कर से बाइक चला रहे शुऐब की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शाहवेज को चोटें आईं। सूचना मिलने पर परिजन और सरधना के रिश्तेदार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार ट्रक की तलाश शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर सरधना दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

अर्टिगा कार में पीछे से ट्रक ने मारी टक्कर,बाल बाल बचे कार सवार

मड़िहान, मीरजापुर। मड़िहान थाना क्षेत्र के मिर्जापुर सोनभद्र मुख्य मार्ग पर पचोखरा गांव के सामने आगे जा रही अर्टिगा कार में पीछे से ट्रक ने मारी टक्कर,चालक सहित सात सवार बाल बाल बचे। सोनभद्र जनपद के बैरपन अनपरा निवासी अर्टिगा कार चालक प्रियांशु सिंह 21 वर्ष ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर अपने परिवार के अर्जुन 48 वर्ष,सुमित्रा 40 वर्ष, बृजबिहारी 50 वर्ष, राजपति 46 वर्ष,शितू 18 वर्ष,आरती देवी 48 वर्ष को लेकर मड़िहान थाना क्षेत्र के कोटवा गांव रिश्तेदार के यहां सगाई में जा रहे थे। जैसे ही पचोखरा गांव के सामने पहुंचे ही थे,कि आगे चल रही ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया। वहीं पीछे आ रही सीमेंट लदी ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी।संयोग अच्छा रहा कि सभी लोग बाल बाल बच गए।टक्कर लगते ही राहगीरों के साथ ग्रामीण भी मौके पर पहुंचकर ट्रक चालक को रोक लिए। प्रतापगढ़ हनुमान नगर गहवानी निवासी ट्रक चालक राममिलन 36 वर्ष ने बताया कि सोनभद्र जनपद के डाला से सीमेंट लोड कर प्रतापगढ़ के लिए जा रहे थे।कार के अचानक ब्रेक लगाने से अनियंत्रित होकर पीछे से टक्कर हो गई। पुलिस को सूचना दिए बगैर ही दोनों पक्ष आपस में सुला समझौता हेतु जुटे रहे।

दिनदहाड़े घर का ताला तोड़कर लाखों का आभूषण उठा ले गए चोर, पीड़ित ने दी तहरीर

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। ड्रमंडगंज क्षेत्र के गलरिया गांव में शुक्रवार दोपहर घर सूना देखकर हौसला बुलंद चोर घर के भीतर आलमारी में रखे लाखों का आभूषण चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी होने पर गृहस्वामी ने पुलिस को सूचना दी। गलरिया गांव निवासी प्रमोद कुमार सिंह अपने भतीजे बृजेश प्रताप के तिलक समारोह में शामिल होने के लिए घर से करीब एक किलोमीटर दूर उनके घर पर परिवार के सभी सदस्यों के साथ गए थे। उसी दौरान चोर घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर भीतर घुस गए।चोर घर के भीतर रखी आलामारी का लाक तोड़कर उसके भीतर श्रृंगार दान में रखा सोने का मंगलसूत्र, सोने की चेन, कान की बाली और झुमका, सोने की मनचली, चार नग सोने की अंगूठी,चांदी का पायल और बिछिया उठा ले गए। घटना की जानकारी होने पर गृहस्वामी की पत्नी पूनम सिंह के होश उड़ गए। सूचना पर पहुंचे एसआइ विनोद कुमार सिंह, रमेश यादव, पुनीत गुप्ता ने घटना की जांच की। गृहस्वामी प्रमोद कुमार सिंह ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में कार्यवाहक थानाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने बताया कि गलरिया गांव में हुई चोरी की घटना की जांच पड़ताल की जा रही है। तहरीर मिली है चोरी का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

रैपिड स्टेशन पर व्यापारी दो किलो चांदी के साथ पकड़ाया

शेरठ। मेरठ साउथ रैपिड स्टेशन पर व्यापारी भास्कर अग्रवाल को बिना बिल के लगभग दो किलो चांदी की ईंट के साथ पकड़ा गया। वे यह चांदी मोदीनगर ले जा रहे थे। सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल राज्यकर विभाग को सूचित किया।सूचना मिलने पर राज्यकर विभाग की सचल दस्ते की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने चांदी की ईंट का वजन किया और नियमानुसार कार्रवाई की। मेरठ बुलियन ट्रेडर्स एसोसिएशन के महामंत्री विजय आनंद अग्रवाल ने बताया कि व्यापारी भास्कर अग्रवाल ने उन्हें फोन कर चांदी पकड़े जाने की जानकारी दी। अग्रवाल ने इस संबंध में अपर आयुक्त ग्रेड–2 (एसआईबी) सुशील कुमार सिंह से बात की। अपर आयुक्त को बताया गया कि व्यापारी ने यह चांदी मेरठ के शिव ज्वैलर्स से खरीदी थी। सोमवार को बाजार बंद होने के कारण पक्का बिल नहीं बन पाया था, हालांकि भुगतान चेक के माध्यम से किया गया था। अपर आयुक्त ने सचल दस्ते की प्रभारी सईदा को नियमानुसार दोगुना जुर्माना लेकर माल छोड़ने का निर्देश दिया।

चांदी की ईंट की कीमत लगभग सात लाख रुपये आंकी गई। इस पर तीन प्रतिशत जीएसटी देय है। नियमानुसार, दोगुना जीएसटी के तौर पर 42 हजार रुपये का जुर्माना मौके पर ही वसूल किया गया। इसके बाद चांदी की ईंट व्यापारी को सौंप दी गई। अपर आयुक्त सुशील कुमार सिंह ने इस कार्रवाई की पुष्टि की है।

सब रजिस्टार कार्यालय को अन्यत्र प्रस्तावित करने के निर्णय का अधिवक्ताओं ने किया विरोध

लालगंज, मीरजापुर। तहसील लालगंज में संचालित हो रहा सब रजिस्टार कार्यालय तहसील से हटाकर अन्यत्र 10 किलोमीटर की दूरी पर तुलसी गांव में बनाए जाने का प्रस्ताव पास किया गया है इसके विरोध में उपरौध अधिवक्ता समिति के पूर्व अध्यक्ष अनिल कुमार शुक्ला ने अपने अधिवक्ताओं के प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्षिक निरीक्षण में पहुंचे जिलाधिकारी को पत्रक देकर याचना किया कि सब रजिस्ट्रार कार्यालय तहसील में ही संचालित होता रहे। अधिवक्ताओं ने अपनी परेशानी को व्यक्त करते हुए कहा कि यदि तहसील से 10 किलोमीटर दूर रजिस्ट्री ऑफिस हो जाएगी तो अधिवक्ताओं को तहसील से लेकर रजिस्ट्री ऑफिस ग्राम न्यायालय में लंबा भाग दौड़ करना पड़ेगा वैसे भी तहसील में सब रजिस्ट्रार कार्यालय होने से मध्य प्रदेश बॉर्डर से आ रहे जमीन क्रय विक्रय करने वाले लोगों का तहसील का भी कार्य होगा और रजिस्ट्री ऑफिस का भी कार्य होगा नामांतरण कार्यवाही भी एक ही जगह होगा। अधिवक्ताओं में याचना किया कि सब रजिस्ट्रार कार्यालय तहसील से बाहर न किया जाए जिला अधिकारी ने आश्वासन दिया।

चौधरी तालिब नजीब कोकब सपा छोड़ बसपा में हुए शामिल

बाराबंकी। जिले में समाजवादी पार्टी को एक और बड़ा झटका लगा है। शुक्रवार को जिले के कद्दावर मुस्लिम नेता और निंदूरा पूर्व ब्लाक प्रमुख कुर्सी के ताल्लुकेदार चौधरी तालिब नजीब कोकब ने समाजवादी पार्टी को झटका देते हुए बहुजन समाज पार्टी में शामिल हो गए। बसपा ज्वाइन करने के बाद चौधरी कोकब ने कहा कि वह बहन जी के मूवमेंट को मजबूती देने आए हैं। जब जब बसपा का मूवमेंट कमजोर हुआ है भाजपा मजबूत हुई है। इसके उलट जब जब सपा मजबूत हुई है भाजपा और मजबूत हो गई है। चौधरी तालिब नजीब कोकब के बसपा में शामिल होने की जानकारी अयोध्या के मुख्य मंडल प्रभारी अजय गौतम ने दी। उन्होंने बताया कि बाराबंकी जिले के बड़े मुस्लिम नेता और निंदूरा के पूर्व ब्लाक प्रमुख चौधरी तालिब नजीब कोकब एक जाना–पहचाना नाम हैं। जिनकी बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल और अयोध्या मुख्य मंडल प्रभारी अजय गौतम ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं बसपा सुप्रीमों मायावती से मुलाकात कराई। इस मौके पर कुर्सी निवासी डॉ रंजीत चौधरी की भी मौजूदगी रही। वे समाजवादी पार्टी छोड़कर बीएसपी में शामिल हो गए। श्री गौतम ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से पहले चौधरी कोकब और हफीज भारती व अन्य लोगों का बीएसपी में शामिल होना जिले की राजनीति के लिए शुभ संकेत है कि मुस्लिम समाज को भी यकीन है कि भाजपा की द्वेषपूर्ण व क्रूर राजनीति से मुक्ति के लिए सपा नहीं बल्कि बीएसपी ही जरूरी। बताते चलें कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दल अपने सामाजिक समीकरण दुरुस्त करने में लगे हैं तो नेता अपने सियासी भविष्य के लिए सुरक्षित ठिकाने तलाशने में जुट गए हैं। सूबे में बढ़ती चुनावी सरगर्मियों के बीच आयाराम और गयाराम का दौर भी तेजी से शुरू हो गया है। यूपी के मौजूदा सियासी माहौल में अखिलेश यादव से मुस्लिम नेताओं का मोहभंग तेजी से हो रहा है और वो सपा का साथ छोड़कर बसपा का दामन थाम रहे हैं। खासकर जिले में तो तमाम बड़े मुस्लिम नेता साइकिल से उतर कर हाथी की सवारी करने को आतुर नजर आ रहे है। बहरहाल, चौधरी तालिब नजीब 'कोकब' के इस कदम से जिले में सियासी सगर्मियां तेज हो गई हैं। बसपा का ये कदम जिले में नहीं बल्कि अवधा क्षेत्र पार्टी मजबूत करने में एक रणनीतिक पहल मानी जा रही है। आपको बता दें कि चौधरी तालिब नजीब जिले में समाजिक और सामुदायिक कार्यों में हमेशा लगे रहते हैं। इसकी वजह से जिले में उनकी मुस्लिम समुदाय समेत विभिन्न खास पहचान और पकड़ हैं। वह देवा मेला समिति और देवा मेला के ऑल इण्डिया मुशायरा समिति के सदस्य भी है। उनके चाचा स्व. चौधरी हसीब बसपा में जाने से सपा और दूसरी पार्टियों के समीकरणों में टूट की पूरी आशंका है। आपको बता दें इससे पहले पिछले हफ्ते ही नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष और समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव हफीज भारती भी बसपा में शामिल हो गए थे। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कई और मुस्लिम नेता भी बसपा में अपना ठिकाना खोज रहे हैं। बसपा नेता चौधरी कोकब ने मायावती का आभार प्रकट करते हुए कहा कि बसपा ही एकमात्र पार्टी है जो सर्वसमाज की उम्मीदों पर खरी उतर सकती है। इस तथ्य को ध्यान में रखकर ही उन्होंने बसपा की सदस्यता ग्रहण की है। उन्होंने कहा कि बहन जी के मूवमेंट को ताकत देने आया हूं। जब जब मूवमेंट कमजोर हुआ है भाजपा मजबूत हुई है। जबकि जब जब सपा मजबूत हुई भाजपा और मजबूत हुई है। यह भी कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में सपा को बड़ी संख्या में वोट दिलवाए थे।

गंदगी के खिलाफ सड़क पर उतरे छात्र-छात्राएंय बोले- नगर निगम बना है नरक निगम

मेरठ। परतापुर के अछरोंडा–काशी मार्ग पर ग्रामीणों के साथ साथ स्कूली बच्चों का भी गुस्सा फूट पड़ा। कीचड़ से भरी सड़क, उफनाती नालियां और बदबू के बीच खड़े स्कूली बच्चों ने नगर निगम को नरक निगम तक कह दिया। इस सड़क से जब बच्चे स्कूल जाते हैं तो उनके जूतों में कीचड़ भर जाता है।कपड़ों पर गंदगी लग जाती है। ग्रामीणों ने कई बार महापौर और नगर आयुक्त से इस सड़क को बनवाने के लिए गुहार लगाई, लेकिन कोई नहीं सुन रहा। मंगलवार को यहां पर प्रदर्शन और नारेबाजी हुई। हालांकि बाद में नगर निगम के कर्मचारियों के आश्वासन पर ग्रामीण और बच्चे माने। अछरोड़ा के ग्रामीणों ने बताया कि अछरोंडा–काशी मार्ग पर नालियां अटी होने के कारण जलभराव हो रहा है। जिस कारण यहां पर कीचड़ और गंदगी का आलम है। गांव के स्कूली बच्चे जब यहां से गुजरते हैं तो उन्हें सबसे अधिक परेशानी होती है। मंगलवार को ग्रामीणों ने यहां पर प्रदर्शन किया।स्कूली बच्चों ने हाथ में तख्ती लेकर नारेबाजी की। नगर निगम को नरक निगम बताया। इन सब की सूचना पर वार्ड 10 के पार्षद आकाश वाल्मिकी और पुलिस बल मौके पर पहुंची। ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने कहा कि महापौर हरिकांत अहलूवालिया और नगर आयुक्त मौके पर आए ओर उन्हें आश्वासन दें। तभी वह प्रदर्शन खत्म करेंगे। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक यहां पर नाला निर्माण नहीं होगा, तब तक यही हाल रहेगा।हालांकि बाद में नगर आयुक्त ने नगर निगम से रमेश चंद नाम के एक कर्मचारी को भेजा, जिसने ग्रामीणों को बताया कि नगर आयुक्त कहीं व्यस्त है और उनका नाला बन जाएगा। सड़क को भी बनाया जाएगा। करीब दो घंटे बाद ग्रामीण अछरोड़ा मोड से हटे।नाला नहीं बना तो ग्रामीण करेंगे चुनाव बहिष्कारग्रामीण रोहित राणा, अशोक राणा, सनी सिसोला, भीम पंडित, कुलभूषण राणा, प्रवीण चौधरी, दीपांशु शर्मा, गौरव पाल, यासीन खान, सोबीर घोपला आदि का कहना है कि यदि नाला निर्माण नहीं हुआ और सड़क से पानी नहीं हटा तो वह आने वाले हर चुनाव का बहिष्कार करेंगे। इस दौरान अछरोंडा से गुजरी नगर निगम की एक गाड़ी का भी घेराव किया गया।इन्होंने कहाअछरोंडा काशी मार्ग की जलनिकासी और सड़क निर्माण की समस्या को निर्माण अनुभाग की टीम भेजकर दिखवाया जाएगा। प्रस्ताव तैयार करा प्राथमिकता पर काम कराए जाएंगे।

शिवरात्रि मेला-2026 डीएम-एसपी ने किया मेला क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण

कांवड़ियों की सुरक्षा हेतु सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़, सतत निगरानी के निर्देश- डीएम

बाराबंकी। शिवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय द्वारा लोधेस्वर महादेवा मेला क्षेत्र तहसील रामनगर का व्यापक स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने मंदिर परिसर, स्नान घाटों, दर्शन पथ, मेला क्षेत्र एवं प्रमुख आवागमन मार्गों पर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सम्पूर्ण मेला क्षेत्र को 05 जोन एवं 09 सेक्टर में विभाजित किया गया है। प्रत्येक जोन में जोनल मजिस्ट्रेट तथा प्रत्येक सेक्टर में सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। इनके साथ उनके काउंटरपार्ट पुलिस अधिकारियों की भी तैनाती की गई है, जिससे प्रशासनिक एवं पुलिस स्तर पर प्रभावी समन्वय सुनिश्चित किया जा सके। भीड़ नियंत्रण को लेकर प्रशासन द्वारा व्यापक एवं प्रभावी इंतजाम किए गए हैं। प्रमुख स्थलों पर मजबूत बैरिकेडिंग, नियंत्रित प्रवेश–निकास व्यवस्था तथा निरंतर निगरानी की व्यवस्था की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम दर्शन की सुविधा प्राप्त हो सके। दूर–दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के ठहराव हेतु मेला क्षेत्र एवं उसके आसपास व्यापक स्तर पर रैन बसेरों एवं अस्थायी आश्रय स्थलों की व्यवस्था की गई है। इन स्थलों पर पेयजल, स्वच्छता एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने कहा कि श्रद्धालुओं व कांवड़ियों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता इसके लिए सतत निगरानी के निर्देश दिए गए है। उन्होंने निर्देश दिए कि मेला अवधि के दौरान सभी विभाग आपसी समन्वय एवं सतत निगरानी के साथ कार्य करें तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा एवं कानून–व्यवस्था को लेकर निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र के सभी संवेदनशील स्थलों की निगरानी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सुनिश्चित की जाए। समस्त सीसीटीवी फीड की सतत मॉनिटरिंग हेतु कंट्रोल रूम को दिन रात क्रियाशील रखा जाएगा। उन्होंने प्रभावी बैरिकेडिंग, निरंतर पुलिस गश्त एवं संदिग्ध गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा श्रद्धालुओं एवं उपस्थित पत्रकार बंधुओं से मेला व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया गया, जिसमें सभी ने एक स्वर में प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना की।

ट्रैक्टर-ट्राली से कुचलकर महिला की मौत

ओवरटेक करते बाइक फिसलने से दर्दनाक हादसा

बाराबंकी। रामनगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक हृदयविदारक सड़क दुर्घटना सामने आई, जहां ट्रैक्टर ट्रॉली को ओवरटेक करते समय बाइक फिसलने से उस पर सवार महिला की ट्रैक्टर ट्रॉली के पहिए के नीचे दबकर मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। जानकारी के अनुसार, जनपद बहराइच के थाना जरवल रोड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भिज्जुपुरवा निवासी 55 वर्षीय नगीना पत्नी शिवचरण शुक्रवार को अपने पुत्र के साथ बाइक से महादेवा, बिंदौरा, परसपुर मार्ग होते हुए घर लौट रही थी। जब वे बिंदौरा परसपुर गांव के पास पहुंची, तभी सामने चल रही ईंट लदी ट्रैक्टर ट्रॉली को ओवरटेक करने के दौरान सड़क किनारे फैले कीचड़ में बाइक फिसल गई। बाइक फिसलते ही महिला असंतुलित होकर सड़क पर गिर पड़ी और उनका सिर ट्रैक्टर ट्रॉली के पहिए के नीचे आ गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। गनीमत रही कि बाइक चला रहा महिला का पुत्र बाल–बाल बच गया। घटना की सूचना पर क्षेत्राधिकारी रामनगर गरिमा पंत, थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार पांडेय और महादेवा चौकी इंचार्ज अभिनंदन पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ट्रैक्टर ट्रॉली को कब्जे में लेकर थाने भेज दिया, जबकि आवश्यक कार्रवाई करने के बाद मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला की मौत की खबर परिजनों में कोहराम मच गया।

प्रधान प्रतिनिधि से मारपीट, राइफल तानी

बाराबंकी। कोतवाली सतरिख क्षेत्र के ग्राम मनेरा में सरकारी विकास कार्य के दौरान दबंगई दिखाते हुए प्रधान प्रतिनिधि से मारपीट करने के साथ ही उन पर लाइसेंसी राइफल तान दी। कार्य न होने देने की धमकी भी दी गई है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नीरज कुमार के अनुसार, बुधवार सुबह लवह ग्राम निधि से कराए जा रहे इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण के लिए गांव में लालजी के घर के सामने नाप करवा रहे थे। इसी दौरान गांव के ही अमर सिंह उर्फ अम्बर, विजय व सचिन सहित अन्य लोग एकराय होकर मौके पर पहुंचे और कार्य रोकने लगे। आरोप है कि विपक्षियों ने गालियां देते हुए प्रधान प्रतिनिधि के साथ लात–घूंसों से मारपीट की, जिससे उनका एक दांत टूट गया। इसी दौरान अमर सिंह उर्फ अम्बर ने अपनी लाइसेंसी राइफल प्रधान प्रतिनिधि पर तान दी, जिससे मौके पर अफरा–तफरी मच गई। जान का खतरा देख प्रधान प्रतिनिधि किसी तरह मौके से भागकर अपनी जान बचा सके। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने खुलेआम धमकी दी कि वे गांव में सरकारी इंटरलॉकिंग नहीं लगने देंगे और दोबारा दिखने पर उन्हें व उनके परिवार को जान से मार देंगे। आरोपियों को दबंग और आपराधिक प्रवृत्ति का बताते हुए पीड़ित ने किसी भी समय अप्रिय घटना की आशंका जताई है।

जमीन दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी

बाराबंकी। कंपनी बनाकर बाराबंकी में प्लाट दिलाने का झांसा देकर लखनऊ के दो व्यक्तियों से 13 लाख 50 हजार रुपये ठग लिए गए। मामले की शिकायत एडीजी तक की गई, पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी ड्वेलपर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। भागीरथ यादव निवासी सेक्टर–क्यू अलीगंज लखनऊ एवं रामनिहाल सिंह निवासी डालीगंज निराला नगर लखनऊ ने आरोप लगाया कि वर्ष 2018 में सीतापुर जनपद के सरीफपुर कष्मण्डा निवासी अतुल कुमार वर्मा ने एब्लेज स्टार ड्वेलपर्स नामक कंपनी बनाकर नवाबगंज तहसील के ग्राम खसपरिया में प्लाट दिलाने का झांसा दिया। इसके लिए ज्ञानेश कुमार मिश्रा के माध्यम से प्लाट देने का आश्वासन दिया गया। आरोप है कि आरोपी ने अलग–अलग तिथियों में चेक व नकद के माध्यम से लखनऊ व बाराबंकी में कुल 13 लाख 50 हजार रुपये प्राप्त कर लिए, लेकिन न तो आज तक प्लाट दिया गया।

प्राईवेट कालेजों की जांच की मांग को लेकर छात्रों का फूटा गुस्सा

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से संबद्ध निजी कालेजों में कथित भ्रष्टाचार, अवैध शुल्क वसूली और शैक्षणिक अनियमितताओं के विरोध में छात्रों का आंदोलन मंगलवार को उग्र हो गया। मेरठ कालेज से विश्वविद्यालय परिसर की ओर बढ़ रही छात्र रैली को पुलिस ने कमिश्नरी चौराहे के पास गेट पर ही रोक दिया, जिसके बाद छात्रों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक और झड़प हो गई। छात्र नेता विजित तालियान के नेतृत्व में निकली रैली में शहर के विभिन्न कालेजों के छात्र शामिल होने वाले थे। सुबह 11 बजे निर्धारित रैली से पहले ही पुलिस ने सुरक्षा कड़ी कर दी थी। छात्रों का कहना है कि वे शांतिपूर्ण ढंग से विश्वविद्यालय परिसर पहुंचकर अपनी मांगें रखना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने आगे बढ़ने नहीं दिया। इस दौरान कई बार धक्का–मुक्की और कहासुनी हुई। अंततः पुलिस ने विजित तालियान सहित अन्य छात्रों को मेरठ कालेज से पकड़कर पुलिस लाइन ले गई।छात्रों का आरोप है कि निजी कालेजों में दो–चार कमरों में बिना योग्य शिक्षकों के पढ़ाई कराई जा रही है और प्रवेश के बाद प्रैक्टिकल फीस, इंटर्नशिप लेटर, फैकल्टी परिवर्तन और अन्य मदों में हजारों रुपये की अवैध वसूली की जा रही है।

10 फरवरी को महादेवा आएंगे सीएम

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 10 फरवरी को बाराबंकी के दुल्हदेपुर पहुंचेंगे। वे यहां फरवरी 2026 तक चलने वाले एक धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन से पूर्व, जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। इसमें पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय, मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सूदन, अपर जिलाधिकारी निरंकार सिंह और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट तेजस सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी शामिल हुए। यह कार्यक्रम दुल्हदेपुर कुटी हड़ाहा स्थित श्री रामजानकी मंदिर बजरंग व्यायामशाला परिसर में आयोजित किया जा रहा है। इसका आयोजन ब्रह्मलीन पहलवान महंत श्री 1008 हरिशंकर दास जी महाराज की पुण्य स्मृति में किया जा रहा है।

निर्वाचन प्रक्रिया को सशक्तबनाने में डीएम रविन्द्र कुमार और राजनीतिक दलों की प्रभावी सहभागिता

आजमगढ़ (आर एन एस)जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में अर्हता दिनांक–01.01.2026 के आधार पर विधानसभा निवार्चन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गयी।जिलाधिकारी ने बताया कि ड्राफ्ट वोटर लिस्ट का प्रकाशन की संशोधित तिथि 06 जनवरी 2026, दावे और आपत्तियां दाखिल करने की संशोधित अवधि 06 जनवरी से 2026 तक, 06 जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण (जारी करना, सुनवाई और सत्यापन): ईआरओ द्वारा गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावों और आपत्तियों का निपटान एक साथ किया जायेगा। 03 मार्च 2026 तक वोटर लिस्ट के स्वास्थ्य मापदंडों की जांच और अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग की अनुमति प्राप्त करना एवं 06 मार्च 2026 को वोटर लिस्ट का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा।जिलाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा फार्म 06 अधिसूचना दिनांक–27 अक्टूबर 2025 द्वारा संशोधित कर दिया गया है। इस पुनरीक्षण में पुराने फार्म का उपयोग नहीं किया जायेगा, नये संशोधित फार्म घोषणा पत्र के साथ उपयोग किया जायेगा। निर्वाचक नामावली की किसी प्रविष्टि में संशोधन, स्थान परिवर्तन, ईपिक संशोधन, डुप्लीकेट ईपिक आदि सभी कार्यों के लिए फार्म–8 उपयोग किया जायेगा। उन्होने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि नये बूथ के अनुसार बूथ लेविल एजेण्ट (बी०एल०ए०) की नियुक्ति कर लिया जाय। उन्होने कहा कि वोटर हेल्प लाइन ऐप के माध्यम से अधिक से अधिक आनलाइन आवेदन करायें। उन्होने कहा कि निर्वाचक नामावली में कृपया अपना, अपने परिवार के सभी सदस्यों का नाम चेक करा लें तथा अपने सभी प्रतिनिधियों को भी अवगत करा दें।जिलाधिकारी ने बताया कि दिनांक–05 फरवरी 2026 तक 105493 फार्म–6 पर दावें, 2195 फार्म–7 पर आपत्ति एवं 22469 फार्म–8 पर संशोधन सबंधी दावें प्राप्त हुए है। उन्होने कहा कि दावें-आपत्तियांप्राप्त कर डिजिटाइज करने एवं निस्तारण की कार्यवाही की जा रही है। प्राप्त दावें-आपत्तियों की सूची प्रारूप–9, 10, 11, 11क, 11ख जिला निर्वाचन अधिकारी के पोर्टल पर प्रतिदिन अपलोड किया जाता है।जिलाधिकारी ने बताया कि दिनांक 27 अक्टूबर 2025 को आलेख्य प्रकाशन के समय जनपद में कुल 3714258 मतदाता, जिसमें 1957063 पुरूष, 1757132 महिला एवं 63 थर्ड जेण्डर मतदाता सूची में है। दिनांक 06 जनवरी 2026 को आलेख्य प्रकाशन के समय जनपद में कुल 3147652 मतदाता, जिसमें 1719537 पुरूष, 1428063 महिला एवं 52 थर्ड जेण्डर मतदाता सूची हैं। उन्होने कहा कि आयोग के कार्यक्रम के अनुसार दिनाक 2026 तक दावेआपत्तियां प्राप्त की गयी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद की निर्वाचक नामाबली में 18–19 आयुवर्ग के कुल 13431 मतदाता ही सम्मिलित है, जो अत्याधिक कम है। उन्होने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी युवाओं का फार्म–6 भरवाकर मतदाता सूची में नाम सम्मिलित करवायें। उन्होने बताया कि जनपद का जेण्डर रेशियों सेन्सेस के अनुसार 1017 है, जबकि वोटर लिस्ट के अनुसार 831 है, इस प्रकार महिला मतदाताओं के नाम जो अभी तक वोटर लिस्ट में पजीकृत नहीं है, फार्म–6 पर दावें

प्राप्त किये जाने है। उन्होने कहा कि महिलाओं को जागरूक करते हुए अधिक से अधिक फार्म–6 भरवाकर छूटी हुई महिलाओं का नाम मतदाता सूची में शामिल करायें।जिलाधिकारी ने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दौरान गणना प्रपत्र में वर्ष 2003 की निर्वाचक नामावली से मैप नही होने के कारण नो–मैपिंग के श्रेणी कुल 158627 मतदाता है तथा लाजिकल डिस्क्रीपेन्सी के श्रेणी में कुल–610025 मतदाता है। उक्त मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करने हेतु नोटिस बी०एल०ओ० के माध्यम से वितरण किया गया है, जिसकी सुनवाई दिनाक–21 जनवरी 2026 से जारी है तथा दिनाक 27 फरवरी 2026 तक चलेगी।इसके साथ ही जिलाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मुख्य बिन्दु को राजनैतिक दलों के समक्ष पढ़कर सुनाया, जिसमें बताया कि बूथ लेवल एजेंट जनता से दावे और आपत्तियां स्वीकार नहीं करेंगे। वे सिर्फ जनता को शामिल करने, हटाने, रोल में सुधारधशिफ्टिंगध दिव्यांगजनों को मार्क करनेध इलेक्टोरल रोल में ईपिक बदलने के लिए सही एप्लीकेशन फाइल करने में गाइड करेंगे। बूथ लेवल एजेंट एक दिन में बूथ लेवल ऑफिसर को 10 से ज्यादा फॉर्म जमा नहीं करेंगे। चुनाव आयोग ने एक बूथ लेवल एजेंट को एक दिन में 10 से ज्यादा एप्लीकेशन फाइल करने की इजाजत नहीं दी है। बूथ लेवल एजेंट संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर को एप्लीकेशन फॉर्म की लिस्ट और एक लिखित घोषणा के साथ फॉर्म जमा करेगा, जिसमें यह लिखा होगा कि उसने संलग्न एप्लीकेशन फॉर्म में दी गई जानकारी को व्यक्तिगत रूप से वेरिफाई किया है और वह संतुष्ट है कि वे सही हैं। यदि कोई बूथ लेवल एजेंट संक्षिप्त संशोधन की पूरी अवधि के दौरान 30 से ज्यादा एप्लीकेशन फॉर्म जमा करता है, तो संबंधित ईआरओध्ईआरओ द्वारा व्यक्तिगत रूप से क्रॉस वेरिफिकेशन किया जायेगा। जिन राजनीतिक पार्टियों ने बूथ लेवल एजेंट नियुक्त नहीं किए हैं, वे संशोधन अवधि के दौरान बल्क में एप्लीकेशन फाइल नहीं कर सकती हैं।

राजकीय बालिका इंटर कालेज का निरीक्षण कर डीएम ने देखी व्यवस्थाएं

–टूटी सामग्री के ढेर, गंदगी मिलने पर डीएम नाराज

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कर्वी का मुख्य विकास अधिकारी के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान कक्षाओं में उपस्थित छात्राओं से उनके पठन पाठन, समाचार पत्र पाठन तथा विद्यालय से संबंधित समस्याओं के विषय में संवाद किया गया। साथ ही भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला, रसायन विज्ञान प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण में विद्यालय के गलियारों में फर्नीचर अव्यवस्थित पाया गया तथा कई स्थानों पर टूटी सामग्री का ढेर एवं साफ सफाई का अभाव रहा। इस पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त किया। जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि प्रधानाचार्य स्पष्टीकरण लिया जाए। साथ ही यह भी कहा गया कि विद्यालय परिसर में अत्यधिक गंदगी इस बात का संकेत है कि जिला विद्यालय निरीक्षक समय–समय पर विद्यालय का निरीक्षण नहीं करते। इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक को भी कारण बताओ नोटिस निर्गत किया। प्रधानाचार्य को निर्देशित किया कि एक माह के भीतर विद्यालय परिसर की पूर्ण साफ सफाई सुनिश्चित कराई जाए। निरीक्षण के दौरान छात्राओं ने अवगत कराया कि पुस्तकालय कक्ष छोटा होने के कारण सभी छात्राओं को पठन–पाठन में असुविधा होती है तथा कक्षा कक्षों के दरवाजे टूटे हुए हैं। इस पर डीएम ने दस कक्षाओं में क्रिटिकल गैप के माध्यम से स्मार्ट क्लास एवं मेन गेट के बाहर की सड़क को ठीक कराए जाने के निर्देश दिए गए। जिससे छात्राओं के आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। अवगत कराया गया कि पीटीआरओ के अंतर्गत कार्यरत शिक्षको, कर्मचारियों के मानदेय भुगतान के लिए सत्र 2025–26 में 2,69,282 रुपए की शेष धनराशि खाते में उपलब्ध है। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में प्रोजेक्ट अलंकार योजना एवं नीति आयोग के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति एवं कार्यदायी संस्थाओं के संबंध में प्रधानाचार्य द्वारा अवगत कराया गया कि समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत कंप्यूटर लैब कक्ष का निर्माण कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद बांदा को आवंटित किया गया है। नीति आयोग के अंतर्गत विद्यालय में दो कक्षा कक्षों का निर्माण कार्य ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को आवंटित किया जा चुका है। प्रोजेक्ट अलंकार योजना के अंतर्गत विद्यालय में टॉयलेट ब्लॉक की स्थापना के लिए 22.03 लाख, मल्टीपरपज हॉल की स्थापना के लिए 47.46 लाख तथा पुस्तकालय कक्ष की स्थापना के लिए 18.56 लाख की स्वी.त लागत से कार्य कराए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी स्वी.त कार्यों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराना सुनिश्चित करें। विद्यालय में छात्राओं को बेहतर शैक्षिक एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

सीडीओ ने विकास भवन के कार्यालयों का किया निरीक्षण

चित्रकूट। सीडीओ डीपी पाल ने विकास भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला विकास अधिकारी सत्यराम यादव, जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी रजनीश पांडेय, जिला समाज कल्याण अधिकारी वैभव त्रिपाठी कार्यालय से अनुपस्थित मिले। जिला विकास कार्यालय के निरीक्षण में अतुल कुमार वरिष्ठ सहायक, जगदीश प्रसाद वर्मा, कनिष्ठ सहायक, फारूख आजम, कनिष्ठ सहायक गैरहाजिर रहे। जिला ग्राम्य विकास अभिकरण कार्यालय में भयहरण यादव, कनिष्ठ सहायक एवं अतुल गुप्ता कम्प्यूटर प्रोग्रामर नदारद मिले। संजीव कुमार एवं विकास कुमार डाटा एण्ट्री ऑपरेटर आकस्मिक अवकाश पर पाये गये। उप्र राज्य आजीविका मिशन कार्यालय में विकास मिश्रा कम्प्यूटर ऑपरेटर, मनरेगा सेल कार्यालय में अमित मिश्रा अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी एवं शुभम् मिश्र लेखा सहायक अनुपस्थित, परमेश्वरी प्रसाद तकनीकी सहायक आकस्मिक अवकाश पर रहे। समाज कल्याण कार्यालय में केवला प्रसाद वरिष्ठ सहायक, अंकुर कुशवाहा कनिष्ठ सहायक, पवन कुमार यादव कम्प्यूटर आपरेटर, उप्र कौशल मिशन कार्यालय में संदीप सिंह डीपीएम, रोहित नामदेव अनुपस्थित पाये गये एवं विश्वास जयसवाल बीपीएम आकस्मिक अवकाश में पाये गये। जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी कार्यालय में अपर संख्याधिकारी अनिल कुमार शुक्ला बाबूलाल सिंह यादव, राकेश कुमार द्विवेदी, संजय कुमार गौड, नंद कुमार यादव, वरिष्ठ सहायक अजात शत्रु शर्मा, रितेश आनन्द गैरहाजिर मिले। जिला पंचायतराज अधिकारी कार्यालय में आनन्द कुमार प्रजापति चपरासी, परिवर्तन प्रताप सिंह ग्रापं अधिकारी, यशवंत यादव डीसी एसएलडब्ल्यूएम, राहुल शुक्ला एकाउण्टेंट, कमलेश गुप्ता कम्प्यूटर ऑपरेटर अनुपस्थित रहे।सीडीओ ने पूर्व में किये गये निरीक्षण एवं कार्यालय में समय से उपस्थित होने के स्पष्ट निर्देश के उपरान्त भी उपस्थित न होना उच्चाधिकारियों के निर्देशों का उल्लंघन हैं। इसी क्रम में समस्त अनुपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सख्त चेतावनी देते हुए स्पष्टीकरण मांगा है।

अभियान के अन्तर्गत 680 टीमे व 129 सुपरवाइजर 779956 लोगों को खिलाएगें डीईसी दवा

चित्रकूट। राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद के ब्लाक शिवरामपुर, पहाडी, मानिकपुर व अर्बन कर्वी में आईडीए 10 से 28 फरवरी तक चलाया जाना है। अभियान में घर–घर जाकर फाइलेरिया से बचाव के लिए डीईसी, एल्बेन्डाजोल व आइवरमेक्टिन गोली का सेवन कराया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में सीएमओ डा भूपेश द्विवेदी ने बताया कि फाइलेरिया मच्छरो के काटने से होने वाली एक लाइलाज बीमारी है। जिससे बचाव के लिए इन्टीग्रेटेड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत आशा व आंगनबाडी कार्यकत्रियां घर–घर जाकर डीईसी, एल्बेन्डाजोल व आइवरमेक्टिन गोली का सेवन करायेगी। नोडल अधिकारी डा जीआर रतमेले ने बताया कि 1–2 वर्ष के बच्चों को आधी गोली एल्बेन्डाजोल 200 एमजी, 2 वर्ष से अधिक उम्र वर्ग को एक गोली एल्बेन्डाजोल 400 एमजी, 2–5 वर्ष तक के बच्चों को एक गोली डीईसी 100 एमजी, 5–15 वर्ष तक के बच्चों को दो गोली डीईसी 200 एमजी एवं 15 वर्ष के ऊपर की आयु के सभी लोगो को तीन गोली डीईसी 300 एमजी व 5 वर्ष से अधिक उम्र के समस्त व्यक्तियों को लम्बाई के अनुसार आइवरमेक्टिन दवा का सेवन खाना खाने के उपरान्त कराया जाएगा। गर्भवती महिलाओ व गंभीर रोग से पीडित लोगो को दवा का सेवन नहीं कराया जाना है। खाली पेट किसी को दवा नही खिलाई जाएगी। इस दवा को खाने से किसी भी प्रकार का कोई खतरा नहीं है। जिला मलेरिया अधिकारी लाल साहब सिंह द्वारा बताया गया कि दवाओं से होने वाले किसी भी प्रकार के दुष्प्रभाव के त्वरित उपचार के लिए ब्लको में रैपिड रिस्पांस टीम का गठन कर लिया गया है। कार्यक्रम के पर्यवेक्षण कार्य के लिए जनपद स्तर से नोडल नामित किए गए हैं। साथ ही यह भी बताया गया कि अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक जनमानस को दवा का सेवन कराना है। जिससे फाइलेरिया रोग का उन्मूलन किया जा सके। कार्यक्रम के लिए शिवरामपुर में 250 टीम व 50 सुपरवाइजर, ब्लाक पहाडी में 200 टीम व 37 सुपरवाइजर, ब्लाक मानिकपुर मे 178 टीम व 32 सुपरवाइजर, एवं अर्बन कर्वी में 52 टीम व 10 सुपरवाइजर कुल टीमें 680 व 129 सुपरवाइजर लगाए गए है जो कुल लक्षित 779956 जनसंख्या को दवा सेवन से आच्छादित करेंगे।

रात में सूने घर को बनाया निशाना, कुंडी काटकर नकदी व जेवर चोरी

आजमगढ़ (आर एन एस)जनपद के बिलरियागंज थाना क्षेत्र अंतर्गत सेठारी रोड पर 5द्6 फरवरी की रात अज्ञात चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाते हुए चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने घर की गली में लगे दरवाजे की कुंडी तोड़कर भीतर प्रवेश किया और दो कमरों के तालों को तोड़ने का प्रयास किया। ताले नहीं टूटने पर चोरों ने आरी ब्लेड से कुंडी काटकर चोरी कर ली।चोरी के समय पूरा परिवार मुबारकपुर में एक शादी समारोह में गया हुआ था। प्राप्त जानकारी के अनुसार रमाकांत ठठेरा पुत्र स्वर्गीय प्रभु नाथ ठठेरा सेठारी बाजार में काफी समय से मकान बनाकर रहते हैं। उनकी पत्नी का पूर्व में निधन हो चुका है। उनके दो बेटियां हैं, जिनमें बड़ी बेटी रीना ठठेरा अपने पति राधेश्याम ठठेरा के साथ रमाकांत की देखभाल के लिए साथ रहती है।बताया गया कि रमाकांत के ससुराल मुबारकपुर में 5 फरवरी को शादी थी, जिसमें शामिल होने के लिए पूरा परिवार घर में ताला बंद कर चला गया था। अगले दिन जब परिवार वापस लौटा तो देखा कि घर के गलियारे में लगे दरवाजे की कुंडी टूटी हुई है और घर के अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा है। इससे घर में चोरी होने की जानकारी हुई। परिजनों ने तुरंत इसकी सूचना बिलरियागंज थाने पर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी। रमाकांत ठठेरा की बेटी और दामाद ने पुलिस को बताया कि चोर लगभग 10 ग्राम की सोने की चेन, करीब 3 ग्राम की एक अंगूठी, घर में रखे लगभग 27 हजार रुपये नकद तथा तीन गुल्लकों में रखे करीब 10 से 12 हजार रुपये उठा ले गए। हालांकि घर में रखे बर्तन और अन्य सामान सुरक्षित मिले हैं।

अपना दल (एस) के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष अमित चौरसिया का प्रथम आगमन पर भव्य स्वागत

आजमगढ़ (आर एन एस)जनपद के लालगंज जिला क्षेत्र से अपना दल (एस) के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष अमित चौरसिया के प्रथम जनपद आगमन पर कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों द्वारा ऐतिहासिक और भव्य स्वागत किया गया।लखनऊ से कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत एक्सप्रेसवे मार्ग से होते हुए जैसे ही चौरसिया अतरौलिया पहुंचे, वहीं से स्वागत–सम्मान का सिलसिला प्रारंभ हो गया।अपना दल (एस) के कार्यकर्ताओं ने अतरौलिया, बुधनपुर, आजमगढ़, फरिहा, लालगंज, बिंद्रा बाजार, मेंहनगर, चोटिला, कोटीला, अमौड़ा टोल प्लाजा,मोहम्मदपुर सहित विभिन्न स्थानों पर फूल–मालाओं, नारों और गर्मजोशी के साथ काफिले का स्वागत किया। रानी की सराय पटेल तिराहा पर सरदार वल्लभभाई पटेल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। पहलवान तिराहा, चंद पट्टी एवं

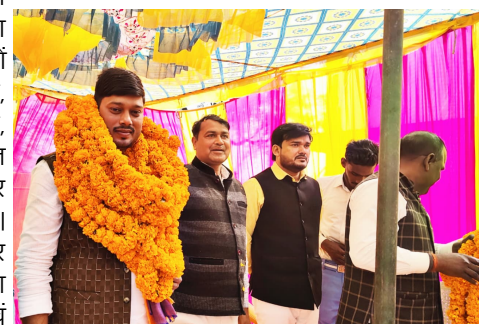

अन्य स्थानों पर भी उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया।भंवरनाथ मंदिर में दर्शन–पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया।इसके पश्चात छत्रपति शिवाजी इंटर कॉलेज, बनहरा चांदपट्टी में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अपना दल (एस) के पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम विजय पटेल द्वारा अमित चौरसिया को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बुजुर्गों को शाल ओढ़ाकर सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान मार्ग में स्थित महापुरुषों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि भी दी गई।इस पूरे स्वागत समारोह में जनपद भर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष अमित चौरसिया ने सभी साथियों, कार्यकर्ताओं एवं जनता का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने और संगठन को और अधिक मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

औचक निरीक्षण में मानकों की अनदेखी, निजी अस्पतालों पर कार्रवाई, ओ.टी. सील

आजमगढ़ (आर एन एस)जिलाधिकारी के आदेश एवं मुख्य चिकित्साधिकारी के निर्देश पर जनपद में संचालित निजी अस्पतालों की व्यवस्थाओं और निर्धारित मानकों की जांच के लिए औचक निरीक्षण अभियान चलाया गया। इसी क्रम में अहिरौलादृकप्तानगंज रोड स्थित नव जीवन हॉस्पिटल एवं जच्चा–बच्चा केन्द्र, रमसपुर (नहर) का निरीक्षण किया गया, जहां अस्पताल का संचालन निर्धारित मानकों एवं वैध पंजीकरण के अनुरूप पाया गया।प्राप्त शिकायतों के आधार पर ऑपरेशन थिएटर (व्ज) का निरीक्षण करने पर आवश्यक मानकों की कमी सामने आई, जिसके चलते ऑपरेशन थिएटर को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। हालांकि पूरे अस्पताल को बंद नहीं किया गया है। अस्पताल संचालक को नोटिस जारी करते हुए निर्धारित मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में कोई भी मरीज उपचाराधीन नहीं पाया गया। मामले में आगे की कार्रवाई नियमानुसार की जाएगी। इसी अभियान के अंतर्गत अहिरौला बाजार के निकट नहर के पास स्थित पंकज हॉस्पिटल का भी शिकायत के आधार पर औचक निरीक्षण किया गया। जांच में पाया गया कि अस्पताल का पंजीकरण यूनानी पद्धति के अंतर्गत है। मौके पर किसी प्रकार की एलोपैथिक दवाएं, उपकरण अथवा एलोपैथिक उपचार होता हुआ नहीं पाया गया। अस्पताल संचालक को नोटिस जारी कर स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि भविष्य में पंजीकरण की सीमा से बाहर किसी भी प्रकार का उपचार न किया जाए, अन्यथा वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जिला विधिक सेवा सचिव ने मध्यस्थगण के साथ किया बैठक

आजमगढ़ (आर एन एस)राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के तत्वाधान में सम्पूर्ण राष्ट्र में राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान 2.0 चलाया जा रहा है। उक्त अभियान का उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम से न्यायालयों में लम्बित प्रकरणों का अधिकाधिक संख्या में निस्तारण कराना है। मा0 जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आजमगढ़ के दिशा–निर्देशों के अनुपालन में जनपद न्यायालय, आजमगढ़ में संचालित मध्यस्थता अभियान का सफल आयोजन कराया जा रहा है। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती नितिका राजन द्वारा मध्यस्थता के सफल आयोजन हेतु मध्यस्थगण के साथ बैठक आहूत कर अधिक से अधिक वादों को मध्यस्थता के माध्यम से निस्तारित कराये जाने का निर्देश दिया गया। मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 2.0 की अवधि बढ़ाकर 15 फरवरी, 2026 तक कर दी गयी है। इस अभियान के तहत न्यायालयों में लम्बित मामलों का त्वरित और सौहार्दपूर्ण निस्तारण सुलह समझौते के माध्यम से कराया जा रहा है। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बताया गया कि मध्यस्थता हेतु चिन्हित पत्रावलियों को संदर्भित किये जाने के लिए 15 दिवस की अवधि बढा दी गयी है, जो 1 फरवरी, 2026 से 15 फरवरी, 2026 तक प्रभावी रहेगी। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि इस अवधि में अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण सुलह वार्ता के माध्यम से सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से समस्त न्यायालयों को पत्र प्रेषित किया गया है कि वह अपने यहा लम्बित उपयुक्त मामलों की पत्रावलियों को मध्यस्थता के लिए संदर्भित करें। साथ ही वाह्य न्यायालयों से भी पत्रावलियां भेजे जाने की अपेक्षा की गयी है, ताकि अधिकतम संख्या में वादकारियों को इस अभियान का लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि मध्यस्थता प्रक्रिया के माध्यम से विवादों का समाधान न केवल शीघ्र होता है, बल्कि इसमें पक्षकारों के बीच आपसी सौहार्द भी बना रहता है। अभियान का उद्देश्य न्यायालयों पर लम्बित मामलों का बोझ कम करना है और आमजन को सस्ता, सरल एवं त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है।

10 फरवरी को होगी सिंचाई बंधु की बैठक

चित्रकूट। अधिशासी अभियंता सिंचाई प्रखंड प्रथम व सचिव सिंचाई बंधु एसके प्रसाद ने बताया कि सिंचाई बंधु की मासिक समीक्षा बैठक 10 फरवरी को प्रातः 11 बजे से अध्यक्ष सिंचाई बंधु दिनेश सिंह पटेल की अध्यक्षता में न्यू सिंचाई कॉलोनी के मीटिंग हाल कर्वी में आयोजित की गई है। बैठक में सदस्यो निर्धारित तिथि एवं समय पर प्रतिभाग करने की अपील की गई है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास पर रहे फोकस : डीएम

चित्रकूट। केंद्रीय विद्यालय में डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंध समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस दौरान विद्यालय के सर्वांगीण विकास, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार तथा बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण को लेकर विस्तृत विचार–विमर्श किया गया।बैठक से पूर्व विद्यालय के स्काउट एवं गाइड के विद्यार्थियों ने डीएम का स्वागत किया। तत्पश्चात प्राचार्य स्नेहलता ने विगत बैठक में लिए गए निर्णयों की समीक्षा प्रस्तुत की गई तथा आगामी योजनाओं से संबंधित कार्य सूची सदन के समक्ष रखी। डीएम ने विद्यालय के वर्तमान शैक्षणिक सत्र के परीक्षा परिणामों एवं पठन पाठन की गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, रचनात्मकता एवं नवाचार को बढ़ावा देने पर विशेष बल देते हुए शिक्षण को अधिक प्रभावी एवं छात्र केंद्रित बनाने के निर्देश दिए।

हमारा आंगन, हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम का आयोजन

आजमगढ़ (आर एन एस)विकासखंड पवई कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को हमारा आंगन, हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, बीडीओ संतोष कुमार रहे। इस दौरान कार्यक्रम में बाल वाटिका एवं परिषदीय प्रत्येक संकुल से 60 निपुण बच्चों को निपुण प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया। खंड विकास अधिकारी पवई ने कहा कि छोटे बच्चों को शिक्षित करने की जिम्मेदारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व शिक्षकों की है। उन्होंने कहा कि बच्चों का भविष्य संवारने की जिम्मेदारी शिक्षकों की है। वहीं नामांकन व बच्चों की स्कूल में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभिभावकों की है। उन्होंने कहा कि बच्चों को इस प्रकार शिक्षा दी जाए जिससे कि उनके मानसिक क्षमता का विकास हो और शिक्षा के प्रति उनका उत्साह बना रहे। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों व प्राथमिक विद्यालयों में बुनियादी साक्षरता के तहत कई प्रकार की सुविधा दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारा आंगन, हमारे बच्चे अभियान से प्री प्राइमरी की पढ़ाई को बढ़ावा मिलेगा। इस दौरान खंड विकास अधिकारी पवई संतोष कुमार ने कहा कि अगर हम कोई भी काम मनोयोग से करें तो सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने पूर्व प्राथमिक शिक्षा से जोड़ने के लिए सभी जिम्मेदारों को अपनी सक्रिय भूमिका निभाने पर बल दिया।

दानिश तौहीद ने बताई रोजा की विशेषताएं

आजमगढ़ (आर एन एस)जिला के नगर पालिका परिषद बिलैयागंज मार्केट के अंतर्गत स्थित पुराना चौक पर ईदगाह मस्जिद के प्रांगण में जुम्मा की नमाज से पहले खुटबा में दानिश तोहीद फलाही रोजा की विशेषताएं बताइ। इस मौके पर जुम्मा की नमाज से पहले उन्होंने कहा कि कुछ ही दिन बाद रोजा आजाएगा जिसका हर मुसलमान को बड़े बेसब्री से इंतजार रहता है। उन्होंने बताया कि रमजान के महीने में अल्लाह ताला ने कुरान शरीफ किताब को उतारा है। रोज के महीने को बरकत वाला महीना बताया है रोजा रहने वाले मुसलमानों के सामने अल्लाह ताला हर तरह की चीज खाने–पीने का इंतजाम करते हैं। साथ ही साथ किसी भी मुस्लिम के घर फका कशी नहीं होती पूरा एक महीना धूमधाम से रोजा चलता है जहां दिन भर भूखे प्यासे रह कर लोग अल्लाह की इबादत करते हैं वही रोजा खोलने के बाद ईशा की नमाज के बाद तराबी की नमाज पढ़ने हैं। इसमें तरबी की नमाज के दौरान कुरान की तिलावत होती है। आगे मेंबर पर खड़े होकर इमाम साहब कुरान पढ़ते हैं और पीछे खड़े नमाजी कुरान को सुनते हैं। रोजा के महीने में कुरान पढ़ना सुना रोजा रहना शबाब का काम है।इस महीने में लोग ज्यादा से ज्यादा गरीबों की मदद करते हैं अपने माल दौलत का फित्रा निकलते हैं।ओर हर तरह से जरूरतमंदों की भी मदद करते हैं ।

निष्पक्ष सर्वे कराकर पक्के मकान का मिले मुआवजा

चित्रकूट। विशेष रेल परियोजना झांसी खैरार जकशन मानिकपुर रेल मार्ग दोहरीकरण के अंतर्गत रेल लाइन के निर्माण के लिये ग्राम कसहाई के मजरा शोभा सिंह पुरवा में रेलवे लाइन से लगे किनारे जिन लोगों के कई दशक पूर्व मकान पक्के बने हुए हैं उनको भूमि अधिग्रहण करने की नोटिस दी गई है। जिसमें मकान की जगह खेती होना दर्शाया गया है। जिन लोगों के मकान अधिग्रहण वाली भूमि में बने हुए हैं उन लोगों ने बताया कि रेल प्रशासन द्वारा भूमि अधिग्रहण करने के पूर्व किए गए सर्वे में मकान दर्ज हैं और भूमि अधिग्रहण में खेती का मुआवजा दिया जा रहा है। ऐसी स्थिति में मकान स्वामियों ने रेल मंत्री सहित रेलवे विभाग के उच्चाधिकारियों को पत्र भेज कर मौका मुआयना कर मकानों के अधिग्रहण का मुआवजा दिए जाने की मांग की है।कर्वी तहसील के गाम कसहाई के मजरा शोभा सिंह पुरवा में वर्तमान समय नगर पालिका के वार्ड नंबर आठ ट्रांसपोर्ट नगर में रेलवे लाइन के किनारे स्थित भूमि को भूस्वामी से बैनामा लिया था।

टी 20 विश्व कप में हारी बाजी जीत गया पाकिस्तान फहीम अशरफ ने आखिरी ओवर्स में जिताया मैच

आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के पहले मैच में पाकिस्तान ने नीदरलैंड्स को 3 विकेट से हरा दिया, जहाँ 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम लड़खड़ा गई थी लेकिन फहीम अशरफ ने अंतिम ओवरों में विस्फोटक पारी खेलकर रोमांचक जीत सुनिश्चित की। शनिवार को कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के पहले मैच में पाकिस्तान ने नीदरलैंड्स के खिलाफ बड़े उलटफेर से बाल–बाल खुद को बचाया। ऑलराउंडर गेंदबाज फहीम अशरफ ने मुश्किल हालात से टीम को जीत दिलाई और पाकिस्तान ने तीन विकेट से अपना पहला मैच जीत लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नीदरलैंड्स ने निडरता दिखाते हुए पावरप्लेमेंही 50 रन पर 2 विकेट बना लिए। माइकल लेविट (15 गेंदोंमें24 रन) ने शुरुआती ओवरोंमेंशानदार बल्लेबाजी की, जिसमें एक छक्का भी शामिल था, लेकिन मोहम्मद नवाज (4 ओवर में2ध्38) का शिकार हो गए। आधे ओवर तक

नीदरलैंड्स 79 रन पर 3 विकेट के साथ अच्छी स्थिति मेंथी और बाद में15 ओवर में123 रन पर 4 विकेट तक पहुंच गई। कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स (37) और बास डी लीड (30) टीम को 170 से अधिक के मजबूत स्कोर की ओर ले जाते नजर आ रहे थे। हालांकि, अबरार अहमद (2ध्23) और साइम अयूब (2ध्7) की अगुवाई में पाकिस्तानी स्पिनरों ने नीदरलैंड्स की बल्लेबाजी को बुरी तरह ध्वस्त कर दिया। नीदरलैंड्स ने अपने आखिरी छह विकेट मात्र 20 रनोंपर गंवा दिए और 19. 5 ओवरों में 147 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। सलमान मिर्जा सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने निचले क्रम के बल्लेबाजोंको आउट करते हुए 3ध्24 का आंकड़ा हासिल किया। पाकिस्तान ने 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरे ओवर में साइम अयूब (24) के तीन चौकोंकी हैट्रिक से शुरुआत की, और साहिबजादा फरहान शानदार फॉर्म मेंदिख रहे थे, जिन्होंने 31 गेंदों में47 रन बनाए। 98ध्2 के स्कोर पर, 2009 टी20 विश्व कप चैंपियन के लिए जीत लगभग तय लग रही थी। हालांकि, खेल में नाटकीय मोड़ आया और पाकिस्तान ने सिर्फ दो रन पर तीन विकेट गंवा दिए। साहिबजादा फरहान, उस्मान खान और बाबर आजम के विकेट जल्दी–जल्दी गिरते गए और पाकिस्तान अचानक 13 ओवरों में 105ध्5 के स्कोर पर पहुंच गया। इसके बाद पॉल वैन मीकेरेन और आर्यन दत्त ने तेजी से रन बनाते हुए स्कोर को 114ध्7 तक पहुंचा दिया, जिसमेंमोहम्मद नवाज और शादाब खान भी आउट हो गए। 12 गेंदोंमें29 रनोंकी जरूरत थी, तब फहीम अशरफ ने लोगान वैन बीक द्वारा फेंके गए आखिरी ओवर से ठीक पहले वाले ओवर में 24 रन बनाए और फिर आखिरी ओवर की तीसरी गेंद पर विजयी चौका लगाकर अपनी टीम को टूर्नामेंट का पहला अंक दिलाया। हालांकि 2009 के चैंपियन भारत के खिलाफ ग्रुप स्टेज मैच का बहिष्कार करने की घोषणा के बाद भी जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने से राहत महसूस करेंगे।

14 साल की उम्र में मचाया गदर, फिर भी क्यों वैभव टीम इण्डिया में नहीं हो सकती वैभव सूर्यवंशी की इन्ट्री

अंडर–19 विश्व कप में 175 रन की तूफानी पारी खेलने वाले 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के सीनियर टीम में चयन पर आईसीसी का नियम सबसे बड़ी बाधा है। यह नियम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए न्यूनतम 15 वर्ष की आयु निर्धारित करता है, जिसके कारण वैभव को 27 मार्च 2026 तक इंतजार करना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ अंडर–19 विश्व कप के फाइनल में वैभव सूर्यवंशी के तूफानी प्रदर्शन की गूंज क्रिकेट जगत में अभी भी गूंज रही है। 80 गेंदों पर उनके 175 रन सिर्फ एक पारी नहीं थी, बल्कि रिकॉर्डों पर उनका दबदबा कायम कर दिया। 15 छक्कों और ऐसे स्ट्राइक रेट के साथ जिसने किसी भी फाइनल मुकाबले को धराशायी कर दिया, बिहार के इस 14 वर्षीय खिलाड़ी ने प्रशंसकों के मन में एक अहम सवाल खड़ा कर दिया हैरू अगर वह इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ियों को ध्वस्त करने और आईपीएल में शतक लगाने में सक्षम हैं, तो उन्हें भारतीय वरिष्ठ टीम में क्यों नहीं रखा गया है? हालांकि, यह आसान नहीं है। इसका जवाब अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा निर्धारित एक नियम में निहित है। सूर्यवंशी के लिए भारतीय वरिष्ठ टीम में जगह बनाने की राह में सबसे बड़ी बाधा आईसीसी की न्यूनतम आयु नीति है। युवा खिलाड़ियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए 2020 में लागू की गई इस नीति के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए खिलाड़ी की आयु कम से कम 15 वर्ष होनी चाहिए। वैभव का जन्म 27 मार्च 2011 को हुआ था। फरवरी 2026 में विश्व कप में ऐतिहासिक जीत के समय, तकनीकी रूप से उनकी आयु 14 वर्ष ही थी।बिहार के लिए चाहे वैभव कितने ही 36 गेंदों में शतक बना लें या राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल में कितने ही गेंदबाजों को परेशान कर दें, वरिष्ठ राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के हाथ 27 मार्च 2026 तक बंधे हुए हैं। वरिष्ठ टीम के लिए उनकी

उम्र अभी कम है, और विडंबना यह है कि भारत की अंडर–19 टीम के साथ उनका कार्यकाल भी समाप्त हो चुका है। बीसीसीआई अंडर–19 विश्व कप के लिए एक सख्त वन–टूर्नामेंट नियम लागू करता है। इस नीति का उद्देश्य आयु वर्ग के विशेषज्ञों को रोकना और नई प्रतिभाओं की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना है। 2026 विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब जीतने के बाद वैभव 2028 या 2030 के इन बड़े टूर्नामेंटों में वापसी नहीं कर सकते, भले ही दोनों ही संस्करणों में उनकी उम्र अंडर–19 ही रहेगी। ष्सूर्यवंशी तूफानष् फिलहाल घरेलू और फ्रेंचाइज क्रिकेट की सीमाओं तक ही सीमित है। हालांकि, उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। 2026 के अंत में भारत के व्यस्त क्रिकेट शेड्यूल को देखते हुए, जैसे ही उनकी उम्र 15 साल होगी, उनके नाम की नीली जर्सी लगभग तुरंत ही छप जाएगी।

टी 20 विश्व कप से पहले टीम इण्डिया को बड़ा झटका, घुटने की चोट के कारण हर्षित राणा बाहर, मोहम्मद सिराज की एंट्री।

टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि तेज गेंदबाज हर्षित राणा घुटने की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैंय उनकी जगह अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया है। भारत के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में घुटने की चोट के कारण शुक्रवार को टी20 विश्व कप से बाहर होना पड़ा और उनकी जगह मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया है। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इससे पहले स्वीकार किया था कि इस 24 साल के गेंदबाज की स्थिति "अच्छी नहीं लग रही।" अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, ''45 टेस्ट, 50 वनडे और 16 टी20 मैच खेल चुके सिराज को राणा के स्थान पर भारतीय टीम में शामिल किया गया है।राणा को चार फरवरी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान दाहिने घुटने में चोट लग गई थी, जिसके कारण उन्हें बाहर होना पड़ा।'' भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने भी विज्ञप्ति जारी कर राणा के टीम से बाहर होने और सिराज को टीम में शामिल करने की पुष्टि की। सूर्यकुमार की बातों से पहले ही लगा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के पसंदीदा खिलाड़ियों में शामिल इस गेंदबाज के लिए समय पर ठीक होना मुश्किल है। भारतीय टीम विश्व कप में अपना अभियान शनिवार को अमेरिका के खिलाफ शुरू करेगी। सूर्यकुमार ने शुक्रवार को मैच पूर्व संवाददाता सम्मेलन में कहा, " राणा को अभी बाहर नहीं किया गया है, हमारे फिजियो उनका आकलन कर रहे हैं, लेकिन उनके चोट की स्थिति अच्छी नहीं लग रही है।" सूर्यकुमार यादव ने हालांकि इसे ज्यादा बड़ी समस्या नहीं माना था।उन्होंने कहा, ''चिंता की बात नहीं है, हमारे पास कल (शनिवार) के लिए 11 खिलाड़ी हैं। यह हालांकि निश्चित रूप से एक बड़ा झटका होगा क्योंकि 15 खिलाड़ियों की टीम बहुत सोच–विचार के बाद बनाई जाती है और उसे भी काफी सोच–विचार के बाद ही शामिल किया गया था।''

इग्लैंड को हराकर वर्ड कप जीतने वाले अंडर-19 चैपियन बीसीसीआई की धनवर्षा, मिलेंगे 7.5 करोड़

आईसीसी अंडर–19 विश्व कप 2026 के फाइनल में इंग्लैंड को 100 रनों से हराकर भारत ने अपना छठा खिताब जीता, जिसके बाद बीसीसीआई ने विजेता टीम के लिए 7.5 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। इस ऐतिहासिक जीत में वैभव सूर्यवंशी के तूफानी 175 रनों की पारी और टीम का अजेय प्रदर्शन मुख्य आकर्षण रहा।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को इंग्लैंड को अंडर–19 विश्व कप के फाइनल में हराकर टीम के खिताब पर कब्जा जमाने वाली भारतीय अंडर–19 क्रिकेट टीम को 7.5 करोड़ रुपये के पुरस्कार की घोषणा की। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने अंडर–19 विश्व कप जीतने, अपराजित रहने और फाइनल में इंग्लैंड को हराने पर भारतीय अंडर–19 टीम पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने घोषणा की कि बीसीसीआई टीम को 7.5 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देगा।एएनआई से बात करते हुए बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि अंडर–19 विश्व कप 2026 में हमारी अंडर–19 टीम की जीत पर पूरा देश और बीसीसीआई को गर्व है। जिस तरह से हमारी टीम ने फाइनल में इंग्लैंड को हराया और टूर्नामेंट में अपराजित रही, हम सभी को इस पर गर्व है। बीसीसीआई टीम को 7.5 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देगा। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व कप में अंडर–19 टीम के शानदार प्रदर्शन पर उन्हें बधाई देते हुए कहा था कि भारत की क्रिकेट प्रतिभा चमक रही है! विश्व कप घर लाने के लिए हमारी अंडर–19 टीम पर गर्व है। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया। यह जीत कई युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेगी। खिलाड़ियों को उनके आगामी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।भारत अंडर–19 ने फाइनल में इंग्लैंड अंडर–19 को 100 रनों से हराकर आईसीसी अंडर–19 विश्व कप 2026 का खिताब जिम्बाब्वे के हरारे में जीता और अपना छठा खिताब अपने नाम किया। युवा भारतीय टीम ने रोमांचक फाइनल में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया। पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करते हुए, भारत ने 411ध्9 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसमें वैभव सूर्यवंशी ने मात्र 80 गेंदों में 15 चौकों और 15 छक्कों की मदद से 175 रनों की तूफानी पारी खेली। कप्तान आयुष म्हात्रे ने 51 गेंदों में 53 रन जोड़े, जबकि अभिज्ञान कुंडू ने 31 गेंदों में 40 रनों की तेज पारी खेली। इंग्लैंड के कालेब फाल्कनर ने 115 रनों की जुझारू पारी खेली, लेकिन मेहमान टीम 412 रनों के विशाल लक्ष्य को हासिल करने में नाकाम रही। भारत के इस दबदबे वाले प्रदर्शन ने युवा वनडे फाइनल में छक्कों का नया रिकॉर्ड भी बनाया, जिसमें 31 छक्के शामिल थे – जो पिछले रिकॉर्ड 23 से कहीं अधिक है।

साइबर फ्राड पर बड़ी कार्रवाई 39.43 लाख मोबाइल कनेक्शन बंद, 2.27 लाख हैंडसेट ब्लैकलिस्ट

नई दिल्ली। साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए देशभर में 39.43 लाख मोबाइल कनेक्शन डिस्कनेक्ट किए हैं। इसके अलावा 2.27 लाख मोबाइल हैंडसेट और 1.31 लाख एसएमएस टेम्पलेट्स को भी ब्लैकलिस्ट किया गया है।संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने गुरुवार को राज्यसभा में एक लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने के लिए दूरसंचार विभाग ने डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म (डीआईपी) की स्थापना की है, जिससे साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी को रोका जा सके।मंत्री ने बताया कि दूरसंचार विभाग की श्संचार साथीश्च पहल वेब पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से आम नागरिकों के लिए उपलब्ध है। इसके तहत श्चक्षुश्च सुविधा के जरिए नागरिक संदिग्ध कॉल, मैसेज या अन्य ध्ोखाधड़ी से जुड़े संचार की रिपोर्ट कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि संचार साथी का उद्देश्य ऐसे मामलों की रिपोर्टिंग को बढ़ावा देना है, जहां ध्ोखाधड़ी की कोशिश तो की गई हो लेकिन वास्तविक नुकसान नहीं हुआ हो। वहीं, जिन मामलों में वास्तविक वित्तीय नुकसान हुआ है, उन्हें भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (ढ्ढ4सी) द्वारा देखा जाता है, जो गृह मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।मंत्री ने बताया कि आमतौर पर किसी मोबाइल कनेक्शन पर कार्रवाई करने से पहले उपभोक्ता को पुनरू सत्यापन का अवसर दिया जाता है। संचार साथी पोर्टल के डैशबोर्ड पर की गई कार्रवाई का पूरा विवरण उपलब्ध है।उन्होंने कहा, नागरिकों से प्राप्त 7.7 लाख इनपुट्स के आधार पर 39.43 लाख मोबाइल कनेक्शन डिस्कनेक्ट किए गए, 2.27 लाख मोबाइल हैंडसेट ब्लैकलिस्ट किए गए और 1.31 लाख एसएमएस टेम्पलेट्स को ब्लैकलिस्ट किया गया है।मंत्री के अनुसार, डीआईपी के जरिए साझा की गई जानकारी के आध्ाार पर संबंधित स्टेकहोल्डर्स अपने–अपने क्षेत्र में जुड़े खातों और प्रोफाइल्स पर आवश्यक कार्रवाई करते हैं।उन्होंने यह भी बताया कि एफआरआई (फ्रॉड रिस्क इंडिकेटर) के माध्यम से लेनदेन रोकने और समय पर अलर्ट जारी करने के चलते अब तक 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी को रोका जा चुका है। इसके अलावा, व्हाट्सऐप ने भी साझा मोबाइल नंबरों से जुड़े 28 लाख प्रोफाइल और अकाउंट्स को निष्क्रिय किया है।

टी 20 विश्व कप 2026 से पहले आस्ट्रेलिया को लगा करारा झटका, स्टार पेसर जोश हेजलवुड हुए बाहर।

हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड टी 20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो गए हैं, जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ा झटका लगा है। पैट कमिंस के पहले से ही बाहर होने के कारण, हेजलवुड की अनुपस्थिति ने ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी आक्रमण को कमजोर कर दिया है, जिससे उनकी खिताबी उम्मीदों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड आधिकारिक रूप से ज्20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की है कि हैमस्ट्रिंग इंजरी से उबरने के लिए उनके पास अब पर्याप्त समय नहीं बचा है।गौरतलब है कि इससे पहले क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने संकेत दिए थे कि हेजलवुड टूर्नामेंट के शुरुआती कुछ मैच मिस करेंगे और सुपर–8 चरण से टीम से जुड़ सकते हैं। हालांकि मौजूद जानकारी के अनुसार मेडिकल और फिटनेस अपडेट्स उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे, जिसके बाद चयनकर्ताओं को यह कठिन फैसला लेना पड़ा।चयन समिति के सदस्य टोनी डोडेमेड ने बताया कि टीम प्रबंधन हेजलवुड की वापसी को लेकर आशावादी था, लेकिन मौजूदा हालात में उनका रिहैबिलिटेशन तेज करना जोखिम भरा हो सकता था। इसी वजह से उन्हें टूर्नामेंट से बाहर रखने का निर्णय लिया गया।

10 लाख का इंश्योरेंस ड्राइवर्स को देगी भारत टैक्सी साथ में मिलेगा तगड़ी कमाई का मौका

मुंबई। केंद्रीय गृह और सहकारी मंत्री अमित शाह गुरुवार को भारत टैक्स ऐप को लॉन्च करेंगे। यह भारत में पहला सहकारी राइड–हेलिंग सर्विस ऐप है। सरकार की कोशिश इस ऐप के जरिए यात्रियों को कैब सर्विस ऐप्स उबर, ओला और रैपिडो के मुकाबले एक सस्ता विकल्प उपलब्ध कराना है।सहकारिता मंत्रालय द्वारा समर्थित और सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा संचालित, भारत टैक्सी को एक ड्राइवर–स्वामित्व वाली परिवहन सेवा के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है जो अपने शुरुआती चरण में जीरो–कमीशन मॉडल पर काम करेगी, जिसमें सवारी भुगतान का 100 प्रतिशत हिस्सा सीधे ड्राइवरों को दिया जाएगा। सहकारिता मंत्रालय ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म चालकों के लिए फ्री होगी और उन्हें साथी कहा जाएगा। इसके जरिए केंद्र की कोशिश चालकों को राइड–हेलिंग सर्विस ऐप्स की शोषणकारी नीति से बचाना है।इस ऐप में चार किलोमीटर तक के लिए किराया 30 रुपए प्रति किलोमीटर होगा, 4–12 किलोमीटर तक के लिए किराया 23 रुपए प्रति किलोमीटर और 12 किलोमीटर से अधिक के लिए किराया 18 रुपए प्रति किलोमीटर होगा। अन्य ऐप्स की तरह इस भारत टैक्सी को भी पब्लिक ट्रांजिट सर्विसेज जैसे मेट्रो से जोड़ा जाएगा। इससे यूजर्स को एक ही ऐप से अपनी यात्रा को पूरा करने में मदद मिलेगी।

शुरुआती चरण में इसमें 100 प्रतिशत भुगतान चालकों को मिलेगा। बाद के चरण में, सहकारी संस्था लगभग 20 प्रतिशत शुल्क अपने पास रखेगी, जिसे प्रोत्साहन के रूप में चालकों को पुनर्वितरित किया जाएगा। मौजूदा प्लेटफॉर्मों के विपरीत, भारत टैक्सी सर्ज प्राइसिंग से बचने की योजना बना रही है, हालांकि विशिष्ट परिस्थितियों में डायनामिक प्राइसिंग लागू की जा सकती है। सहकारिता मंत्रालय के अनुसार, अब तक 150 से अधिक महिला ड्राइवर भारत टैक्सी से जुड़ चुकी हैं। ऐप पर पंजीकरण में भारी वृद्धि देखी जा रही है, पिछले दो दिनों में प्रतिदिन लगभग 40,000 से 45,000 नए यूजर्स जुड़ रहे हैं। सहकारिता मंत्रालय द्वारा जनवरी में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए एक लेख के अनुसार, भारत टैक्सी के पंजीकृत ग्राहकों की संख्या चार लाख से अधिक हो चुकी है। एंड्रॉइड और आईओएस दोनों पर उपलब्ध यह ऐप गूगल प्ले स्टोर पर नौवें और एप्पल के ऐप स्टोर पर 13वें स्थान पर है।सुरक्षा सुविधाओं में आपातकालीन संपर्कों को सूचित करने, सुरक्षा टीम से संपर्क करने और ऐप के भीतर से सायरन सक्रिय करने के विकल्प भी शामिल हैं। साइन–अप प्रक्रिया के लिए केवल मोबाइल नंबर, नाम और ईमेल जैसी बुनियादी जानकारी की आवश्यकता होती है।ओला और उबर की तरह, भारत टैक्सी की योजना हवाई अड्डों पर समर्पित पिकअप और ड्रॉप जोन बनाने की है, और भविष्य में अन्य परिवहन केंद्रों तक विस्तार करने की भी योजना है। इसमें सरकार की ओर से ड्राइवर को 5 लाख रुपए का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा और 5 लाख रुपए का पारिवारिक स्वास्थ्य बीमा भी दिया जाएगा। ताकि ड्राइवर्स के साथ उनके परिवारों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके।

अदाणी एनर्जी सोल्यूशंस पर बुलिश मार्गन स्टेनलीय दिया 1,133 रुपए का टारगेट प्राइस

मुंबई ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर की कवरेज शुरू कर दी है और श्ओवरवेटश रेटिंग के साथ 1,133 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है। ब्रोकरेज फर्म का कहना है एईएसएल को भारत में लंबी अवधि में होने वाले पावर ग्रिड में विस्तार से फायदा मिलेगा। साथ ही कहा कि अगले एक दशक में देश में 10 लाख करोड़ रुपए का ट्रांसमिशन निवेश होने की संभावना है।कंपनी के वितरण कारोबार पर ब्रोकरेज रिपोर्ट में कहा गया कि स्मार्ट मीटरिंग पर सरकार के समर्थन, जिसमें सब्सिडी शामिल है। इससे निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ेगी।वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने एईएसएल के मजबूत एग्जीक्यूशन रिकॉर्ड पर भी प्रकाश डाला है, जिसमें समय पर और लागत–कुशल परियोजना वितरण का हवाला दिया गया है। फर्म ने ट्रांसमिशन, वितरण और स्मार्ट मीटरिंग में कंपनी की एकीकृत उपस्थिति हासिल की है, जो इसे एक संपूर्ण ग्रिड इन्फ्रास्ट्रक्चर के रूप में स्थापित करती है।मॉर्गन स्टेनली ने अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस को ट्रांसमिशन और वितरण में अग्रणी निजी क्षेत्र की कंपनी बताया है, जिसकी निजी क्षेत्र के ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स में लगभग 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है, मुंबई और मुंद्रा एसईजेड वितरण क्षेत्रों के माध्यम से लगभग 33 लाख उपभोक्ताओं तक पहुंच है और स्मार्ट मीटरिंग में इसकी मजबूत उपस्थिति है।

रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2025 से 2030 के बीच ईबीआईटीडीए में 21 प्रतिशत की सीएजीआर वृद्धि का अनुमान लगाया गया है और वित्त वर्ष 2030 तक ईबीआईटीडीए लगभग 2,600 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। यह वृद्धि ट्रांसमिशन परियोजनाओं की जीत, विनियमित वितरण पूंजीगत व्यय और स्मार्ट मीटरिंग ऑर्डर बुक के एग्जीक्यूशन से प्राप्त होने की उम्मीद है।रिपोर्ट

में निकट से मध्यम अवधि में ट्रांसमिशन को सबसे मजबूत विकास चालक के रूप में पहचाना गया है, जिसे वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही तक लगभग 7,800 करोड़ रुपए के मौजूदा ऑर्डर बुक का सपोर्ट प्राप्त है।मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि एईएसएल नई टीबीसीबी परियोजनाओं में से लगभग 20 प्रतिशत जीत सकती है, जो प्रति वर्ष 20,000 करोड़ रुपए के संभावित अवसर का प्रतिनिधित्व करती है।रिपोर्ट में वितरण क्षेत्र में समानांतर लाइसेंसिंग से उत्पन्न अवसरों के बार में बताया गया है, जिसमें एईएसएल का लक्ष्य 20 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है।कंपनी के रेगुलेटेड एसेट बेस में लगभग 11 प्रतिशत की सीएजीआर से वृद्धि होने का अनुमान है, जिसे लगभग 1,600 करोड़ रुपए के वार्षिक पूंजीगत व्यय का समर्थन प्राप्त है। स्मार्ट मीटरिंग में, एईएसएल का लक्ष्य लगभग 20 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है। इसके 24.6 मिलियन मीटर के ऑर्डर बुक का अधिकांश हिस्सा वित्त वर्ष 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है, जिसमें स्मार्ट मीटरिंग का योगदान वित्त वर्ष 2028 के ईबीआईटीडीए में लगभग 9 प्रतिशत होगा, जिसमें गैर–आईएफआरएस समायोजन शामिल नहीं हैं। मॉर्गन स्टेनली ने अदाणी

पोर्ट्स एंड एसईजेड और अदाणी पावर को कवर किया है और दोनों को सकारात्मक बताया है, जो उनके व्यावसायिक मॉडलों में ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म के विश्वास को दर्शाता है।

फीकी पड़ने लगी चांदी की चमक! मचा ग्लोबल कोहराम, हाई से 40प्रतिशत डाउनय सोने में भी आई गिरावट

मुंबई । सोने चांदी का भाव में आज फिर रिकॉर्ड गिरावट हो रही है। कल भी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने चांदी के गिरावट ने कोहराम मचा दिया था, गोल्ड सिल्वर के रेट में बड़ी गिरावट ने निवेशकों को तो परेशान किया लेकिन यह गिरावट आम जनता को राहत दे रही है। अंतर्राष्ट्रीय कमोडिटी मार्केट कॉमेक्स पर इस सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन सुबह मार्केट ओपन होते ही बड़ी गिरावट रिकॉर्ड हुई है। स्पॉट गोल्ड +4,712.90 प्रति औंस पर पहुंच गया, जो गुरुवार को +4766.80 प्रति औंस पर क्लोज हुआ था। ऐसे ही स्पॉट सिल्वर +64 प्रति औन्स पर पहुंच गई, जो कल +67.320 प्रति औंस पर क्लोज हुई थी।गुरुवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (रूष्टड्ग) पर मार्केट क्लोज होते तक सोना चांदी की कीमतों में मामूली तेजी रिकॉर्ड हुई। सोने का भाव 0.12त्न की तेजी के बाद 1,52,260 रुपये प्रति दस ग्राम पर क्लोज हुआ। वहीं चांदी का भाव 2,46,452 रुपये प्रति किलो ग्राम पर क्लोज हुआ। हालांकि कल दोनों ही धातुओं की कीमतें काफी नीचे आ गई थी।कॉमेक्स पर आज मार्केट ओपन होने पर स्पॉट गोल्ड +4,712.90 प्रति औंस और स्पॉट सिल्वर +64 प्रति औंस पर पहुंच गई थी, लेकिन कुछ देर बार ही कीमतों में मामूली सुधार दिख रहा है। जिसके बाद अभी गोल्ड रेट +4,755.40 प्रति औंस और सिल्वर रेट +68.840 प्रति औंस पर आ गए।सोने चांदी की कीमतों में आई इस गिरावट से निवेशकों की धड़कने तो जरूर तेज हो रही है लेकिन आम जनता जे काफी समय से इस गिरावट का इंतजार कर रही है उन्हें बड़ी राहत मिली।

बार्डर 2 बशक्स आफिसरू सनी देओल की फिल्म वर्ल्डवाइड 400 करोड़ के पार, घरेलू कलेक्शन 319.98 करोड़ कांतारा और टाइगर 3 का टूटा रिकर्श्ड

बॉर्डर 2 आज अपनी रिलीज का दूसरा हफ्ता पूरा करने जा रही है. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की है और यह अभी तक जारी है. बॉर्डर 2 बीती 23 जनवरी को गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज हुई थी और शानदार ओपनिंग के साथ कई रिकॉर्ड भी बनाए थे. अब सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म ने वर्ल्डवाइड कमाई से कई फिल्मों को पछाड़ कर सबसे कमाऊ इंडियन फिल्मों की लिस्ट में खुद को ऊपर खिसका लिया है. चलिए जानते हैं. फिल्म बॉर्डर 2 ने 13वें दिन कितने करोड़ का कलेक्शन किया है और इन 13 दिनों में इसने वर्ल्डवाइड कितनी कमाई की है. बॉर्डर 2 की घरेलू कमाई में 13वें दिन थोड़ी गिरावट आई और फिल्म ने 4.88 करोड़ रुपये कमाए. 12वें दिन कमाई में हल्का उछाल देखा गया था. फिल्म ने 12वें दिन 6.69 करोड़ रुपये की कमाई की थी. वहीं, बॉर्डर 2 ने 11वें दिन भारत में 6.52 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. जबकि फिल्म ने बीते रविवार 24.22 करोड़ रुपये कमाए थे. फिल्म का 13 दिनों का कुल घरेलू कलेक्शन 319.98 करोड़ रुपये हो चुका है और फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 400 करोड़ रुपये को क्रॉस कर चुका है. फिल्म ने वर्ल्डवाइड 411 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है.बॉर्डर 2 ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. बॉर्डर 2 ने भारत में 375.12 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है और भारत में सबसे कमाऊ 50 फिल्मों की लिस्ट में वह 30वें नंबर पर है. इसमें उसने धूम 3, कांतारा, टाइगर 3, देवरा पार्ट 1, आदिपुरुष, कूली और साहो जैसे बड़े स्टार्स की फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है. वहीं, बॉर्डर 2 के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 411.76 करोड़ रुपये हो गया है और फिल्म 40वें नंबर पर है. इस लिस्ट में फिल्म ने कांतारा, 3 इडियट्स, चेन्नई

एक्सप्रेस, कृष 3, आदिपुरुष, सिंघम अगेन का पीछे छोड़ दिया है.बता दें, हाल ही में, बॉर्डर 3 का भी ऐलान किया गया है. फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार और निधि दत्ता ने बॉर्डर 3 की गुडन्यूज फैंस को दी थी और अब फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार है. वहीं, बॉर्डर 2 की बात करें तो इसका निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है. फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी, दिलजीत दोसांझ, मेधा राणा, सोनम बाजवा और अन्या सिंह लीड रोल में हैं. फिल्म में अक्षय खन्ना का भी कैमियो दिखाया जा रहा है.

अब बड़े पर्दे पर दहाड़ेंगे कालीन भैया, भौकाली अंदाज में होगी मुन्ना-गुड्डू की वापसी, मिर्जापुररू द मूवी की रिलीज तारीख जारी

शमिर्जापुरश्च उन चुनिंदा वेब सीरीज में शामिल है, जिसने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रखते ही दर्शकों के बीच जबरदस्त सनसनी फैला दी और तगड़ा फैन बेस बना लिया। गालियों से भरे डायलॉग्स, सत्ता की अंधी भूख, खून–खराबे और बेहद दमदार किरदारों ने इस शो को कुछ ही समय में एक कल्ट पहचान दिला दी। हर सीजन के साथ इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई और ओटीटी पर इसने रिकॉर्डतोड़ व्यूअरशिप हासिल की। दर्शकों के इस अपार प्यार और क्रेज को देखते हुए अब मेकर्स ने शमिर्जापुरश्च की कहानी को बड़े पर्दे पर लाने का बड़ा फैसला लिया है। बहुत जल्द शमिर्जापुररू द फिल्मश्च सिनेमाघरों में रिलीज होकर वही भौकाल मचाने वाली है, जिसके लिए यह सीरीज जानी जाती है। अब मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है।अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सल एंटरटेनमेंट की सबसे बड़ी और फैन–फेवरेट फ्रैंचाइजी शमिर्जापुरश्च को पहली बार सिनेमाघरों में ला रहे हैं। यह फिल्म मिर्जापुर यूनिवर्स की एक अनसुनी कहानी दिखाएगी। एक्सल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म को रितेश सिध्वानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है, जबकि कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी को–प्रोड्यूसर हैं। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। भारत की सबसे आइकॉनिक ओटीटी फ्रैंचाइजी अब बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है। मेकर्स ने आज मिर्जापुररू द मूवी की थिएट्रिकल रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। ये फिल्म 4 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म दर्शकों को उसी रॉ और दमदार दुनिया में ले जाएगी, लेकिन इस बार पहले से कहीं ज्यादा बड़े स्केल पर। पंकज त्रिपाठी के कालीन भैया, अली फजल के गुड्डू पंडित के साथ–साथ दिव्येंदु के मुन्ना भैया की भी बहुप्रतीक्षित वापसी हो रही है। पहली बार मिर्जापुर की कल्ट कहानी सिनेमाघरों में उतरेगी और इस तरह से अपने फैंस को एक जबरदस्त बिग–स्क्रीन अनुभव देने वाली है। फिल्म में इसके अलावा जितेंद्र कुमार, रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता गौर, सुशांत सिंह, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, कुलभूषण खरबंदा और सोनल चौहान जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सल एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत, एक एक्सल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन मिजार्पुर द मूवी का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है और कहानी पुनीत
कृष्णा ने लिखी है। यह फिल्म 4

सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।
फिल्म की कहानी को लेकर फिलहाल मेकर्स ने कोई ठोस जानकारी साझा नहीं की है। हालांकि इंडस्ट्री से जुड़ी रिपोर्ट्स की मानें तो यह प्रोजेक्ट या तो वेब सीरीज की शुरुआत की कहानी यानी प्रीक्वल हो सकता है या फिर उसी टाइमलाइन में घटने वाली किसी बेहद अहम घटना पर आधारित होगा। इतना तय माना जा रहा है कि फिल्म का स्केल सीरीज के मुकाबले कहीं ज्यादा बड़ा और भव्य होगा। सत्ता की जंग, खून–खराबा और मिर्जापुर की गद्दी के लिए एक नया, पहले से ज्यादा खतरनाक खेल दर्शकों को देखने को मिल सकता है। बड़े पर्दे के लिए
मिर्जापुर की दुनिया को और भी रॉ, इंटेंस और सिनेमैटिक अंदाज में पेश करने की पूरी तैयारी की जा रही है।

फिल्म द केरल स्टोरी 2-गोज बियान्ड का पहला गाना साथी रे रिलीज, सुरों संग टपकी गम और रोमांस की चासिनी

द केरल स्टोरी 2 – गोज बियॉन्ड्श्च का टीजर रिलीज हो चुका है। नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर कामख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म तीन हिंदू लड़कियों की परेशान करने वाली कहानी दिखाती है, जिनका किरदार उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया निभा रही हैं। तीन मुस्लिम लड़कों के साथ रिश्ते में आने के बाद उनकी जिंदगी धीरे–धीरे अंधेरे में चली जाती है। जो कहानी प्यार से शुरू होती है, वो आगे चलकर धर्म परिवर्तन से जुड़ी एक साजिश की डरावनी सच्चाई खोलती है। इसी दुनिया की एक और झलक देते हुए फिल्म का पहला गाना श्साथी रेश्च अब रिलीज हो चुका है। द केरल स्टोरी 2 – गोज बियॉन्ड्श्च का पहला गाना श्साथी रेश्च लड़की के प्यार, उसके जज्बातों, किसी के लिए अपनी दुनिया छोड़ देने और आखिर में धोखे व दर्द का सामना करने की कहानी को दिखाता है। फिल्म की थीम को बरकरार रखते हुए इस गाने में तीन मेल लीड्स की भी एंट्री होती है, उल्का गुप्ता के अपोजिट सुमित गहलावत, ऐश्वर्या ओझा के साथ अर्जन औजला और अदिति भाटिया के साथ युक्तम खोसला नजर आते हैं। श्साथी रेश्च को विशाल मिश्रा ने आवाज दी है, इसके बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं और म्यूजिक मन्नन शाह ने कंपोज किया है। द केरल स्टोरीश्च के जबरदस्त असर के बाद जिसने अपनी बेबाक कहानी से पूरे देश को झकझोर दिया था, इसका सीक्वल और भी आगे जाने का वादा करता है। कामख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी श्द केरल स्टोरी 2 – गोज बियॉन्ड्श्च को विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है, जबकि आशिन ए शाह ने सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले इसे को–प्रोड्यूस किया है। फिल्म 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बार्डर 2 के आगे रानी मुखर्जी की मर्दानी 3 बटोर रही जमकर नोट, 25 करोड़ी बनने से रह गई इंचभर दूर

रानी मुखर्जी की लेटेस्ट रिलीज एक्शन थ्रिलर फिल्म मर्दानी 3 बॉक्स ऑफिस पर ठीक परफॉर्म कर रही है. ओपनिंग वीकेंड पर धुआंधार कलेक्शन करने के बाद अब ये वीकडेज में भी टिकट खिड़की पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है. यहां तक कि बॉर्डर 2 जैसी बड़ी फिल्म का भी ये डटकर मुकाबला रही है. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के छठे दिन कितनी कमाई की है?

मर्दानी 3 रानी मुखर्जी की हिट फ्रैंचाइजी मर्दानी की तीसरी इंस्टॉलमेंट है. इस फिल्म ने 4 करोड़ से शुरुआत की थी फिर दूसरे वीकेंड पर इसने अच्छी ग्रोथ दिखाते हुए जहां शनिवार को 6.25 करोड़ कमाए तो वहीं रविवार को तीसरे दिन इस एक्शन थ्रिलर की कमाई 7.25 करोड़ रुपये रही. वहीं वीकडेज में इसकी कमाई में गिरावट देखी गई और इसने सोमवार को यानी चौथे दिन 2.25 करोड़ कमाए. इसके बाद मंगलवार को टिकटों में छूट के कारण इसकी कमाई में मामूली सुधार देखने को मिला और इसने 2.6 करोड़ का कारोबार किया

वहीं अब सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक मर्दानी 3 ने रिलीज के छठे दिन यानी बुधवार को 2 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ मर्दानी 3 की 6 दिनों की कुल कमाई अब 24.25 करोड़ रुपये हो गई है.

मर्दानी 3 ने रिलीज के 6 दिनों में 24 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है. 75 लाख और कमाते ही ये 25 करोड़ी बन जाएगी. गुरुवार को फिल्म इस आंकड़े को हर हाल में पार कर जाएगी. वहीं दूसरे वीकेंड तक फिल्म के 30 करोड़ी बनने की उम्मीद है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक मर्दानी 3 60 करोड़ के बजट में बनी है. मेकर्स ने फिल्म की 38त्न से ज्यादा लागत वसूल कर ली है. हालांकि रानी मुखर्जी की फिल्म को सेफ जोन में पहुंचने के लिए अभी भी 37.60 करोड़ और कमाने होंगे. लेकिन फिल्म के पास वक्त कम है क्योंकि वैलेंटाइन डे पर नई फिल्में रिलीज होंगी, और मुकाबला सिर्फ सबसे मजबूत के बीच होगा. ऐसे में इस फिल्म के लिए अपनी 60 करोड़ की लागत वसूलना मुश्किल लग रहा है. यहां तक कि अगर दूसरे वीकेंड पर ये तेजी भी दिखाती है तब भी इसके लिए 30 करोड़ से ज्यादा की और कमाई करना मुश्किल लग रहा

है.फिलहाल, यह एक्शन थ्रिलर फिल्म फ्रेंचाइजी में आखिरी पोजिशन पर है. यह मर्दानी के लाइफटाइम कलेक्शन को हासिल करने की कोशिश कर रही है, जिसने भारत में 36 करोड़ के नेट कलेक्शन के साथ अपना सफर खत्म किया था.
आयुष गुप्ता द्वारा लिखित और अभिराज मिनवाला द्वारा निर्देशित, मर्दानी 3 में रानी मुखर्जी ने [illegible] जानकी बोदीवाला [illegible] प्रसाद भी अहम भूमिकाओं में हैं. [illegible] (2014) और मर्दानी 2 (2019) के बाद मर्दानी सीरीज की तीसरी किस्त है.

अपने आप से लड़कर मैंने खुद को पाया है, मेधा राणा ने जिंदगी में आए बदलाव को किया साझा

फिल्मी दुनिया में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जो कैमरे के सामने तो मजबूत दिखाई देते हैं, लेकिन उनके भीतर एक लड़ाई चल रही होती है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर 2 के जरिए चर्चा में आई अभिनेत्री मेधा राणा भी उन्हीं कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने अपने अंदर चल रहे सवालों, असमंजस और आत्मसंदेह की जंग को जीतकर अपने ऊपर भरोसा करना सीखा और इस मुकाम तक का सफर तय किया। मेधा राणा ने कहा, साल 2022 से लेकर अब तक उनके भीतर सबसे बड़ा बदलाव आत्मस्वीकृति और आत्मविश्वास का रहा है। शुरुआत में मैं खुद को लेकर बहुत उलझन में रहती थीं। मुझे अक्सर लगता था कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं। ऐसे विचार मुझे भीतर से कमजोर बनाते थे और आगे बढने में बाधा भी बनते थे।उन्होंने कहा, जब मैंने मनोरंजन जगत में काम करना शुरू किया, तो शुरुआती दिन बेहद कठिन थे। मैं लगातार खुद पर शक करती थी और अपने फैसलों को लेकर आश्वस्त नहीं थी। इस असमंजस से बाहर निकलने में मुझे काफी समय लगा। इंडस्ट्री को समझना, अपने आप को पहचानना और हालात को स्वीकार करना एक लंबी सीख की प्रक्रिया रही।

मेधा ने कहा, मैंने अपने आप से लड़कर खुद को पाया है। अब मैं खुद को पहले से ज्यादा स्वीकार करने लगी हूं। मैं अपनी कमियों और खूबियों दोनों को समझती हूं और उन्हें लेकर सहज हूं। यही स्वीकार्यता मेरे आत्मविश्वास की सबसे बड़ी वजह बनी है।

मेधा राणा ने कहा, फिल्म बॉर्डर 2 मेरे करियर का एक अहम मोड़ साबित हुई है। इस फिल्म का हिस्सा बनने के बाद और दर्शकों से मिली प्रतिक्रिया ने मेरे भीतर एक नया भरोसा पैदा किया। जब किसी कलाकार को उसके काम के लिए सराहना मिलती है, तो वह खुद पर यकीन करने लगता है। बॉर्डर 2 के अनुभव ने मुझे यह एहसास दिलाया कि मैं अपने हुनर में सक्षम हूं और मेहनत रंग ला सकती है।उन्होंने कहा, अब मैं खुद को लेकर ज्यादा आश्वस्त महसूस करती हूं। अपने अभिनय कौशल और फैसलों पर मेरा भरोसा बढ़ा है। यह आत्मविश्वास मेरे जीवन की अब तक की सबसे बड़ी ग्रोथ है, जो मुझे आगे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है।

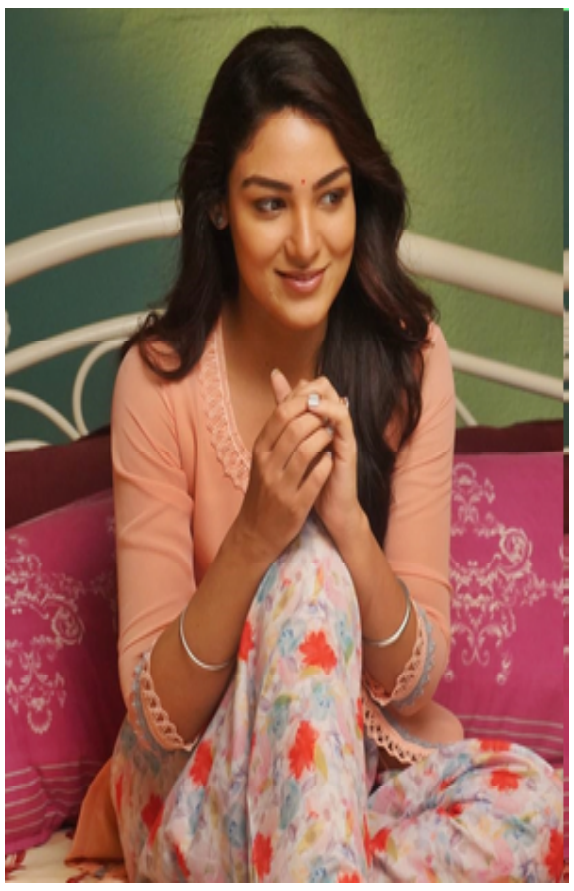

चाहत पाडे ने ओटीटी की दुनिया में रखा कदम, हसरतें सीजन 3 में निभाया चुनौतीपूर्ण किरदार

टीवी और रियलिटी शो की दुनिया में अपनी पहचान बना रही एक्ट्रेस चाहत पांडे ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी डेब्यू किया है। हंगामा ओटीटी पर रिलीज हुई नई वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 में उन्होंने एक चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया है। उनका किरदार कई मायनों में महिलाओं की जटिल भावनाओं, उनकी इच्छाओं और उनके संघर्ष को बयां करता है। सीरीज के नए एपिसोड नया किराएदार में चाहत पांडे ने स्मिता नाम की गृहिणी की भूमिका निभाई है। स्मिता एक ऐसी महिला है, जो अपने पति के अचानक गायब होने के बाद अकेली और भावनात्मक रूप से असुरक्षित महसूस करती है। उसे अपनी दबंग सास के साथ रहना पड़ता है, जिससे उसके जीवन में दबाव और भी बढ़ जाता है। समाज की निगाहें, ऑफिस में हो रहे उत्पीडन और अपनी अधूरी इच्छाओं को दबाने की मजबूरी ने उसकी जिंदगी को थमा दिया है। लेकिन कहानी में बदलाव तब आता है, जब उसके घर में समर्थ

नाम का एक युवा म्यूजिशियन किरायेदार बनकर आता है। उनकी बढ़ती दोस्ती स्मिता के भीतर छिपी हुई भावनाओं को फिर से जागृत करती है।जैसे–जैसे स्मिता समर्थ के करीब जाने लगती है, अचानक उसके पति की वापसी हो जाती है। स्मिता को अब यह तय करना होता है कि वह समाज की बनाई गई मर्यादाओं और पारिवारिक जिम्मेदारियों में बंधी रहे या अपनी खुशी और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को चुने।

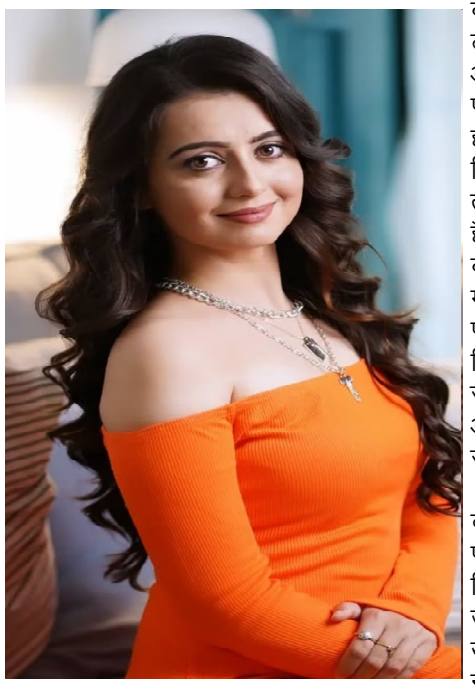

यह कहानी दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करेगी कि कभी–कभी जीवन में अपनी खुशी चुनना गुनाह नहीं, बल्कि जीवित रहने का तरीका है। चाहत पांडे ने अपने किरदार को लेकर कहा, स्मिता मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार है। स्मिता ऐसी महिला है, जिसे बचपन से सिखाया गया कि उसे अपने दर्द और अधूरी इच्छाओं को कभी व्यक्त नहीं करना है। पति के गायब होने के बाद समाज उसे और भी सख्ती से नियंत्रित करने लगता है। इस किरदार के जरिए मैंने यह दिखाने की कोशिश की कि जब एक महिला अपनी आवाज सुनती है, तो उसके जीवन में कितना बड़ा बदलाव आ सकता है।चाहत ने आगे कहा, स्मिता की कहानी उसके अधिकारों को वापस पाने और यह स्वीकार करने की कहानी है कि अपनी खुशी चुनना कोई अपराध नहीं है। यह किरदार महिलाओं की भावनाओं, उनके संघर्ष और उनकी स्वतंत्रता की कहानी को बड़े ही संवेदनशील तरीके से पेश करता है। हसरतें सीजन 3 में चाहत पांडे का यह कदम ओटीटी की दुनिया में उनकी नई पहचान बनाने का भी अवसर है। दर्शक न केवल उनकी भावनाओं से जुड़ेंगे, बल्कि उनकी कहानी के माध्यम से समाज में महिलाओं की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत अधिकारों के महत्व को भी महसूस करेंगे।

चिरंजीवी की फिल्म मन शंकर वर प्रसाद गारू ने हासिल की ऐतिहासिक सफलता, 25 दिनों में वर्ल्डवाइड 375 करोड़ की कमाई की

चिरंजीवी की माना शंकरा वरा प्रसाद गारू एक बहुत बड़ी बॉक्स ऑफिस सक्सेस बनकर उभरी है, जो रीजनल इंडस्ट्री की ऑल टाइम हिट बन गई है। फिल्म ने सिर्फ 25 दिनों में दुनिया भर में कुल 375 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है, जिससे यह चिरंजीवी के साथ–साथ रीजनल सिनेमा की भी सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर बन गई है। यह उपलब्धि कमाल की है, खासकर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों मार्केट में फिल्म के जबरदस्त परफॉर्मेंस को देखते हुए, जिसने तीसरे और चौथे हफ्ते में भी लगातार कलेक्शन बनाए रखा।

इस फिल्म में नयनतारा, वेंकटेश

एक एक्सटेंडेड कैमियो में और दूसरे जाने–माने कलाकार हैं, जिसे साहू गरापति और सुष्मिता कोनिडेला ने शाइन स्क्रीन्स और गोल्ड बॉक्स एंटरटेनमेंट्स बैनर के तहत प्रोड्यूस किया है। भीम्स सेसिरोलियो ने म्यूजिक दिया है। माना शंकरा वरा प्रसाद गारू की सफलता का श्रेय इसकी दिल को छू लेने वाली फैमिली एंटरटेनर कहानी को जाता है, जिसमें हाई ऑक्टेन मास एलिमेंट हैं, जो मेगास्टार के लिए एकदम सही हैं।माना शंकर वर प्रसाद गारू ने बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, 25 दिनों में 375 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म ने पहले दिन 65 करोड़ रुपये कमाए, जिसमें से 44.75 करोड़ रुपये भारत से और +2.3 मिलियन अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों से आए। पहले सात दिनों के बाद, इसने दुनिया भर में 292 करोड़ रुपये कमाए, जिससे यह एक सर्टिफाइड ब्लॉकबस्टर बन गई।फिल्म के डिजिटल स्ट्रीमिंग राइट्स जी5 ने खरीद लिए हैं, जिसके 11 फरवरी, 2026 से प्लेटफॉर्म पर लाइव होने की उम्मीद है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।